



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 265]  
No. 265]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 18, 1987/वैशाख 28, 1909  
NEW DELHI, MONDAY, MAY 18, 1987/VAISAKHA 28, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 18 मई, 1987

### प्रधिसूचना

मा.का.वि. 509(अ).—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 83 के साथ प्रद्विध धारा 87 के खण्ड (ब), (ग) और (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और वाणिज्य पोत परिवहन (मछली पकड़ने का जलयान स्कीपर और सीफिड हेण्ड परीक्षा) नियम, 1964 को अधिकांश करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पोत परिवहन (मछली पकड़ने का जलयान स्कीपर और मेट की परीक्षा), नियम 1987 है।

(2) राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से छह मास के पश्चात् उप नियम (3) के अधीन रहने शुरू, प्रवृत्त होंगे।

(3) ये नियम ऐसे किसी अध्यायों को लागू होंगे।

(क) जो भारत का नागरिक है,

(ख) जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा नौ नौवहनों के अधीन परीक्षा दे के लिए अनुज्ञापन किया गया है।

2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिराहा अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है,

(ख) "परिवहन" से इन नियमों में संज्ञा परिवहन अभिप्रेत है,

(ग) "अनुमोदित" से नौवहन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित अभिप्रेत है,

(घ) "मुख्य परीक्षक" से मास्टर और डेट परीक्षक अभिप्रेत है;

(ङ) "निरन्तर सेबोन्मुक्ति प्रमाणपत्र" से वाणिज्य पोत परिवहन (निरन्तर सेबोन्मुक्ति प्रमाणपत्र) नियम, 1960 के अधीन जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(च) "प्रवासी भास्साधन" से, निगरानी सेवा के संबंध में, निगरानी का पूरा वास्तव महण करण अभिप्रेत है, किन्तु यह किसी स्पेसिफिक अधिकार का दायरता पर्यवेक्षण करने से निवारित नहीं करता है;

- (छ) "परीक्षा" के अधिनियम की धारा 79 के अधीन नियुक्त किया गया परीक्षक अधिनियम है।
- (ज) "नौकर-व्यापारपोत" से ऐसा पोत अभिप्रेत है जो किसी विदेश को गमन नहीं करता है या देशी-व्यापार में व्यापार नहीं करता है।
- (झ) "साधारण व्यापारी का पोत" से कोई विदेशवासी या देशी व्यापार पोत, जैसा कि अधिनियम में परिभाषित है, अभिप्रेत है;
- (ट) "अर्हक समुद्री सेवा" से समुद्र में किसी मत्स्य जलयान या व्यापारी पोत या भारतीय नौसेना या तटरक्षक के किसी समुद्रगामी पोत के फलक विभाग में की गई सेवा अभिप्रेत है जिसमें सेवा में नियुक्त ऐसे जलयान ने स्पष्ट रूप से अब तक कि वह अन्यथा उपबंधित न हो, सूखा गोदी या खोख अथवा मरम्मत में लगा समुचित समय सम्मिलित है;
- (ठ) "सेवा अभिलेख" से मत्स्य जलयान की की गई सेवा का अभिलेख, जैसा परिशिष्ट 'क' में विहित है, अभिप्रेत है।
- (ड) "निगरानी सेवा" से अभिप्रेत है—

- (1) किसी मत्स्य जलयान पर की गई सेवा, जिसके दौरान यथास्थिति किसी अध्येयी ने सम्पूर्ण कार्यभार या दावा की गई सेवा के हर चौबीस घंटों में आठ घंटों से अन्यून अवधि के लिए किसी निगरानी का प्रभावी भार संभाला हो, या
- (2) किसी मत्स्य जलयान पर की गई सेवा जिसके दौरान यथा स्थिति किसी अध्येयी ने संपूर्ण कार्यभार तोहर चौबीस घंटों में छः घंटों से अन्यून किसी निगरानी का प्रभावी कार्यभार संभाला हो, यदि उसने दावा की गई सेवा की अवधि हर चौबीस घंटों में दो घंटों से अन्यून अवधि के लिए मत्स्य प्रवालन या मत्स्य जलयान की मरम्मत संबंधी अतिरिक्त नेमी कार्य किया हो और किसी भी मामले में ऐसी सेवा में सूखा गोदी में या खोखू या फलक मरम्मत में बिताया गया गया समुचित समय शामिल किया जाएगा।

- (ड) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें परिभाषित नहीं हैं वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

### 3. सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा की श्रेणियाँ

(1) इन नियमों के अनुसार परीक्षाएं निम्नलिखित श्रेणियों के सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए आयोजित की जाएंगी, अर्थात्:—

- (1) मत्स्य जलयान का मेट,  
 (2) मत्स्य जलयान श्रेणी II का स्कीपर,  
 (3) मत्स्य जलयान श्रेणी I का स्कीपर।

(2) प्रत्येक सफल अध्येयी को इन नियमों के उपबंधों के अनुसार कम से कम श्रेणियों के लिए कोई सक्षमता प्रमाणपत्र परिशिष्ट ख में विहित प्ररूप में किया जाएगा।

(3) सक्षमता प्रमाणपत्र दो प्रतिवों में बनाया जाएगा और मूल प्रमाणपत्र नियम 44 के उपनियम (2) में विहित प्राधिकार पत्र द्वारा जारी या सफल अध्येयी को दिया जाएगा द्वारा प्रति मुख्य परीक्षक के पास रहेगी।

(4) मुख्य परीक्षक एक रजिस्टर रखेगा जिसमें जारी किए गए सक्षमता प्रमाणपत्र के ध्योरे दर्ज किए जायेंगे। ऐसे रजिस्टर में सक्षमता

प्रमाणपत्र का अधिनियम के अधीन रद्दीकरण या विलंबन को और नियम 46 के अर्थ के संतर्गत उस पर किया कोई पृच्छाकृत भी दर्ज किया जाएगा।

### 4 मत्स्य जलयान का मेट:—

(1) मत्स्य जलयान के मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा तीन भागों में आयोजित की जाएगी, अर्थात्:—

- (1) भाग 'क'—लिखित,  
 (2) भाग 'ख'—मौखिक,  
 (3) भाग 'ग'—संकेत।

(2) इस परीक्षा के लिए प्रत्येक अध्येयी परीक्षा मास के प्रथम दिन पर 19 वर्ष की आयु से कम का नहीं होगा।

(3) नियम 17 और 19 के अधीन प्रत्येक अध्येयी के साम तीन साल की अर्हक सेवा होगी जिसमें—

- (क) कम से कम किसी जलयान पर छः मास की सेवा की हो जिसकी लंबाई 15 मीटर से कम न हो, और  
 (ख) किसी मत्स्य जलयान पर परीक्षा मास के ठीक पहले 18 मास में कम से कम 3 मास सेवा की हो।  
 (4) प्रत्येक ऐसे अध्येयी के पास निम्नलिखित प्रमाणपत्र होंगे:—  
 (क) अनुमानित रडार प्रेक्षक प्रमाणपत्र,  
 (ख) अनुमोदित समुद्र पर प्राथमिक उपचार प्रमाणपत्र,  
 (ग) अनुमोदित रक्षात्मक तापिक का प्रमाणपत्र, और  
 (घ) नियम 7 के अधीन जारी किया गया प्रारंभिक मत्स्य शौद्योगिकी प्रमाणपत्र

### शौद्योगिक प्रमाण पत्र

परन्तु किसी अध्येयी को उरोक्त कोई भी प्रमाणपत्र प्राप्त करने से पहले परीक्षा में बैठने को अनुमति दी जाएगी ऐसे मामले में प्रमाण पत्र या प्राधिकार पत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि उरोक्त सभी प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर दिये जाते।

### 5. मत्स्य जलयान श्रेणी II का स्कीपर

(1) मत्स्य जलयान श्रेणी II के स्कीपर के रूप में सक्षमता के प्रमाण पत्र के लिए परीक्षा तीन भागों में आयोजित की जाएगी अर्थात्:—

- (1) भाग 'क' लिखित,  
 (2) भाग 'ख' मौखिक,  
 (3) भाग 'ग' संकेत।

(2) इस परीक्षा के लिए प्रत्येक अध्येयी परीक्षा मास के पहले दिन 20-1/2 वर्ष से कम की आयु का नहीं होगा।

(3) नियम 19, 23 और 24 के अधीन ऐसे प्रत्येक अध्येयी के पास मत्स्य जलयान के मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद कम से कम 18 मास की मत्स्य जलयान पर की हुई निगरानी सेवा होगी जिसमें—

- (क) किसी मत्स्य जलयान पर जिसकी लंबाई 15 मीटर से कम न हो कम से कम 6 मास की निगरानी सेवा की हो, और  
 (ख) किसी मत्स्य जलयान पर, परीक्षा मास के ठीक पहले 18 मास में कम से कम, 3 मास सेवा की हो।

(4) प्रत्येक ऐसे अध्येयी के पास निम्न लिखित अतिरिक्त प्रमाण पत्र होंगे:—

- (क) न्यून पर अनुमोदित मासिक उधार प्रमाणपत्र ।  
 (ख) अनुमोदित रक्षा नौका नाविक का प्रमाणपत्र ।  
 (ग) नियम 7 के अधीन प्रदत्त प्रारंभिक मत्स्यन प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र  
 (घ) अनुमोदित अग्नि जलन प्रवीणता का प्रमाणपत्र  
 (ङ) अनुमोदित रडार प्रेषक प्रमाण पत्र  
 (च) नियम 7 के अधीन प्रदत्त उच्च मत्स्यन टेकनोलोजी प्रमाणपत्र  
 (छ) भारतीय बेतार टेलिग्राफी (वाणिज्यिक रेडियो प्रशासक प्रवीणता प्रमाणपत्र और बेतार टेलिग्राफी प्रचालन का अनुपालन नियम, 1954 के अंतर्गत दिया गया रेडियो टेलीफोन प्रचारक (प्रतिबंधित) के रूप में प्रवीणता—प्रमाण पत्र ।

परन्तु किसी अभ्यर्थी को उपरोक्त कोई भी प्रमाणपत्र प्राप्त करने में पहले परीक्षा से बैठने के लिए अनुज्ञा दी जाएगी। ऐसे मामलों में सक्षमता प्रमाण पत्र या प्राधिकार पत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि उपरोक्त सभी प्रमाणपत्र पेश नहीं कर दिये जाते।

#### 6. मत्स्यन जलयान श्रेणी I का स्कीपर

(1) मत्स्यन जलयान श्रेणी I के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा तीन भागों में आयोजित की जाएगी अर्थात् :—

- (1) भाग 'क' : लिखित,
- (2) भाग 'ख' : मौखिक,
- (3) भाग 'ग' संकेत ।

परन्तु किसी अभ्यर्थी को, जिसके पास मत्स्यन जलयान श्रेणी II के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र हो उसे व्यापवाहक और जिकित्सालय की सैद्धांतिक परीक्षा और मार्ग 'क' में वार्षिक कार्य और भाग 'ख' में की परीक्षा से छूट दी जाएगी।

(2) इस परीक्षा के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी परीक्षा मास के प्रथम दिन को 22-1/2 वर्ष आयु से कम का नहीं होगा।

(3) नियम 19, 23 और 24 के अधीन रहते हुए ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी के पास मत्स्यन जलयान ने मेट की सफलता प्रमाणपत्र धारक के रूप में मत्स्यन जलयानों पर कम से कम 30 मास की निगरानी सेवा होगी, जिसमें

(क) किसी मत्स्यन जलयान पर जिसकी लंबाई कम से कम 24 मीटर से कम न हो कम से कम 6 मास की निगरानी सेवा की हो।

(ख) किसी मत्स्यन जलयान पर, परीक्षा भाग के ठीक पहले के 18 मास में कम से कम 3 मास सेवा की हो।

(4) प्रत्येक अभ्यर्थी के पास निम्नलिखित अतिरिक्त प्रमाणपत्र होंगे —

- (क) समुद्र पर अनुमोदित प्रारंभिक उधार प्रमाण पत्र  
 (ख) अनुमोदित रक्षा नौका नाविक प्रमाणपत्र  
 (ग) नियम 7 के अधीन प्रदत्त मत्स्यन प्रारंभिक प्रायोगिकी प्रमाण पत्र ;  
 (घ) अनुमोदित अग्निजलन प्रवीणता प्रमाण पत्र  
 (ङ) अनुमोदित रडार प्रेषक प्रमाण पत्र  
 (च) नियम 7 के अधीन दिया गया उच्चतर मत्स्यन प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र ।  
 (छ) भारतीय बेतार टेलिग्राफी (वाणिज्यिक रेडियो प्रशासक प्रवीणता प्रमाणपत्र और बेतार टेलिग्राफी चालन की अनुज्ञापत्र

नियम, 1954 के अधीन दिया गया रेडियो टेलीफोन प्रशासक (प्रतिबंधित) के रूप में प्रवीणता प्रमाणपत्र ; और

(ज) अनुमोदित रडार अनुकारी पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र ;

परन्तु किसी अभ्यर्थी को उपरोक्त प्रमाणपत्र प्राप्त करने से पहले परीक्षा के बैठने की अनुमति दी जाएगी और ऐसे मामले में सक्षमता प्रमाणपत्र या प्राधिकार पत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक उपरोक्त सभी प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर दिए जाते।

7. (1) प्रारंभिक मत्स्यन प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र :

(क) प्रत्येक ऐसा अभ्यर्थी जिसने अर्हक सेवा पूर्णतः मत्स्यन जलयानों पर की है और वह मत्स्यन जलयान के मेट के रूप में किसी सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षा में बैठने के लिए पात्र है, उसे परीक्षा में सफल होने पर प्रारंभिक मत्स्यन प्रौद्योगिकी प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। यदि ऐसा कोई अभ्यर्थी जिसने केन्द्रीय मत्स्यकी समुद्री और इंजीनियरी प्रशिक्षण में संस्थान से कोई अनुमोदित समुद्र पूर्व संस्थान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्राप्त किया हो और ऐसे प्रशिक्षण के अंत में परीक्षा उत्तीर्ण की हो उसने ऐसा प्रमाण पत्र की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो ऐसा समझा जाएगा।

(ख) ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी को जिसने साधारण व्यापारिक पोत और/या भारतीय नौसेना या तटरक्षक समुद्रगामी पोतों पर सेवा की है, किसी अनुमोदित संस्थान के मार्गदर्शन के अधीन के अनुमोदित पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात् इस परीक्षा में बैठने की अनुज्ञा दी जाएगी। संस्थान में ऐसे पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण की अवधि 2 मास से कम की नहीं होगी, और मत्स्यन जलयानों में 4 मास से कम की नहीं होगी।

(ग) इस प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा केन्द्रीय मत्स्यकी, समुद्री और इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्था या अन्य अनुमोदित संस्थानों द्वारा परिशिष्ट "ग" में विहित पाठ्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।

2. उच्च मत्स्यन प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र :—

(क) ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी को जो मत्स्यन जलयान श्रेणी 11 या श्रेणी I के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए पात्र है और जिन्होंने पूर्णतः मत्स्यन जलयान पर सेवा की है, सफलतापूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् उच्च मत्स्यन प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

(ख) ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी को, जिसने साधारण व्यापारिक पोतों और/या भारतीय नौसेना या तटरक्षक समुद्रगामी पोतों पर सेवा की है किसी अनुमोदित संस्थान के मार्गदर्शन के अधीन अनुमोदित पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात् इस परीक्षा में बैठने की अनुज्ञा दी जाएगी। संस्था में ऐसे पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण की अवधि 2 मास और मत्स्यन जलयानों में 4 मास से कम की नहीं होगी।

(ग) इस प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा केन्द्रीय मत्स्यकी समुद्री और इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्था या अन्य अनुमोदित संस्थानों द्वारा परिशिष्ट "ब" में विहित पाठ्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी।

8. दृष्टि परीक्षण : (1) उचित (2) के अधीन रहते हुए प्रत्येक अभ्यर्थी किसी श्रेणी के सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा में बैठने के पहले परिशिष्ट "क" में विनिर्दिष्ट अक्षर परीक्षण उत्तीर्ण करेगा।

(2) प्रत्येक अभ्यर्थी किसी मत्स्यन जलयान के मेट के उ में सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए अप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट अक्षर परीक्षण के अतिरिक्त परीक्षा में बैठने के पहले परिशिष्ट "ब" में विनिर्दिष्ट समुचित परीक्षण उत्तीर्ण करेगा।

(3) इस नियम के प्रयोजन के लिए कोई दृष्टि परीक्षण में उत्तीर्ण होगा 6 मास की अवधि तक विधि मान्य होगा।

9. आवेदन प्रारूप : (1) यदि कोई अभ्यर्थी नियम 4, 5 और 6 की अपेक्षाओं का समाधान करता है तो वह सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए जिसके लिए पात्र है, परिशिष्ट "ब" में दिये गये प्रारूप में आवेदन कर सकेगा।

(2) आवेदन में सभी प्रविष्टियां ठीक रूप से भरी जाएगी। समुद्री सेवा, निगरानी सेवा और सेवा के समय अभ्यर्थी द्वारा प्राप्ति रैंक को जैसे कि आवेदन प्रारूप के समुचित स्तंभ में विनिर्दिष्ट हो वे प्रस्तुत किए जाएंगे और वे साक्ष्य के अनुरूप होंगे। इन प्रविष्टियों में पास गए किसी फर्क से आवेदन जब तक कोई ऐसी फर्क या समुद्री सेवा में प्रंतर को अभ्यर्थी द्वारा परीक्षक के समाधान प्रदत्त रूप से स्पष्ट नहीं कर दिया जाता अवधिमान्य हो जाएगा।

(3) आवेदन परीक्षापत्र के वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग के प्रधान अधिकारी को यथाशीघ्र और किसी भी वृत्त में परीक्षा प्रारंभ होने की तारीख से 10 दिन पूर्व भेजी जाएगी।

(4) प्रत्येक ऐसे आवेदन में अभ्यर्थी स्पष्ट रूप से उल्लेख करेगा वह किस विनिर्दिष्ट मास में परीक्षा के भाग या भागों में बैठने का इच्छुक है।

10. आवेदन के साथ लगाए जाने वाले दस्तावेज :

(1) प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ राष्ट्रियता प्रमाणपत्र जन्म की तारीख का प्रमाणपत्र, इन नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाले शंतापत्र मत्स्यन जलयान पर की गई सेवा का अभिलेख और/या निरंतर सेवो-मुचित प्रमाणपत्र, सक्षमता या सेवा-प्रमाण पत्र, यदि कोई हो, और नियम 4, 5, 6, और 7 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाले प्रतिरिक्त प्रमाणपत्र और नियम 8 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने वाले समुचित दृष्टि परीक्षण उत्तीर्ण करने का साक्ष्य साथ लगा हो :

परन्तु कोई ऐसा अभ्यर्थी जो भारतीय नागरिक हो, के मामले में जन्म की तारीख का प्रमाणपत्र या नागरिकता अंगीकरण प्रमाण-पत्र राष्ट्रियता प्रमाणपत्र के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

11. शंतापत्र :

(1) प्रत्येक अभ्यर्थी किसी श्रेणी के लिए सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए उप नियम (2) में विनिर्दिष्ट मन्वक् रूप से हस्ताक्षरित और अनुप्रमाणित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा। प्रमाणपत्र में आचरण जिसके अंतर्गत मिताचार योग्यता और अभ्यर्थी द्वारा किसी मत्स्यन जलयान के फलक पर की गई यथास्थित अर्हक समुद्री सेवा की पूरी अवधि के दौरान की हुई सेवा या निगरानी सेवा के आधार पर मास्टर या स्कीपर द्वारा की गई अभ्यर्थी की योग्यता और अनुभव पर निर्धारित टिप्पणियां होंगी। निगरानी सेवा के मामले में ऐसे प्रमाणपत्र परिशिष्ट "छ" में दिये गये प्रारूप में होंगे और जिस अवधि के लिए प्रमाणपत्र दिया जाता है, उसमें इसके प्रतिरिक्त पोत पर की गई सेवा और सेवा का सही स्वरूप और रैंक भी होगा।

(2) किसी भारतीय पोत या किसी मत्स्यन जलयान पर की गई किसी सेवा के प्रमाणपत्र मास्टर या स्कीपर द्वारा हस्ताक्षरित होंगे।

परन्तु जहाँ मत्स्यन जलयान पर स्कीपर यात्रा के आधार पर नियोजित हैं, वहाँ आचरण मिताचार, योग्यता और अनुभव संबंधित प्रमाण पत्र किसी स्कीपर द्वारा मास का समाप्त होने पर सेवा अभिलेख में अभिलिखित किया जाएगा। सेवा अभिलेखी में की गई ऐसी प्रविष्टि की स्वामी या उसका द्वारा प्राधिकृत प्रबंधक/अधीक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा। जहाँ कोई स्कीपर किसी ऐसे अभ्यर्थी का आचरण योग्यता और मिताचार की बाबत प्रतिकूल रिपोर्ट करता पाता है तो वह अभिलेख इस प्रकार की जाने वाली किसी प्रविष्टि का पूरा विवरण देने हुए उसके सा करने के कारण भी देगा।

12. समुद्री सेवा की अवधि जांच

(1) जहाँ कोई अभ्यर्थी इन नियमों के अधीन यथास्थित अपनी समुद्री सेवा या निगरानी सेवा निर्धारित करने की बांछा करता है तो वह नियम 9 के अनुसार अपना आवेदन ऐसे निर्धारण के लिए किसी जिले के प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग को प्रस्तुत करेगा।

(2) यदि किसी अभ्यर्थी का उप नियम (1) के अधीन यथास्थित अपनी समुद्री सेवा या निगरानी सेवा के निर्धारण से समाधान न हुआ हो तो वहाँ वह किसी जिले के वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग के प्रधान अधिकारी के माध्यम से मुख्य परीक्षक को वे कारण बताने हैं हुए जिनसे उसका समाधान न हुआ हो तो वह अपनी सेवा के पुनः निर्धारण के लिए आवेदन करेगा प्रत्येक ऐसे अनुरोध के साथ नियम 9 के अधीन विहित आवेदन के साथ नियम 10 के अधीन अपेक्षित दस्तावेज, शंतापत्र आदि भेजे जाएंगे। प्रत्येक ऐसे आवेदन पर उसकी योग्यता के आधार पर मुख्य परीक्षक द्वारा विचार किया जाएगा जिसका विनिश्चय अंतिम होगा।

(3) अन्य जांच :—परीक्षा के किसी पहलू से संबंधित सभी अन्य जांच किसी जिले के वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग के प्रधान अधिकारी को, जिस मुद्दे का स्पष्टीकरण मांगा गया हो उसको विवरण के साथ सम्बोधित किया जाएगा। ऐसे जांच के साथ सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेज भी भेजे जाएंगे।

13. फीस : प्रत्येक आवेदन के साथ परिशिष्ट "ज" में विनिर्दिष्ट समुचित फीस भी भेजी जाएगी।

14. चिकित्सक दृष्टया योग्यता :—ऐसा प्रत्येक अभ्यर्थी जो सक्षमता प्रमाणपत्र की किसी श्रेणी के लिए परीक्षा में बैठ रहा हो वह किसी पंजी-कृत चिकित्सा व्यवसायी से परिशिष्ट "झ" में विनिर्दिष्ट प्रारूप में शारीरिक योग्यता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा।

15. अंतर्तीयजनक आचरण :

यदि नियम 10 के अधीन प्रस्तुत किये गये शंतापत्र के कारण, या अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई अभ्यर्थी ने पोत या मत्स्यन जलयान पर उपग्रहण किए जाने की अपेक्षा करता हो फलक पर अधिक आचरण के कारण बोधी पाया जाता है तो उससे पश्चात् वर्षों दो वर्ष की अनून् समुद्री सेवा की अवधि के लिए सर्वोच्च का अंतर्तीयजनक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जा सकेगी, परन्तु मुख्य परीक्षक ऐसे अभ्यर्थी के पश्चात् जांच जैसा वह उपयुक्त समझे यथास्थित, किसी अभ्यर्थी को वृत्त में पश्चात् वर्षों समुद्री सेवा की अवधि का ऐसी सीमा तक कम कर सकेगा जैसा वह उचित समझे :

16. कथ दुर्यपदेशन रिभवत :

(1) यदि कोई व्यक्ति जो स्वयं अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए इन नियमों के अधीन किसी सक्षमता प्रमाणपत्र को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए भिद्यो व्यभिचरण करता है या करवाता है या करने में सहायता करता है तो वह किसी बंडिक न्यायालय में कार्यवाही किए जाने का बोधी होगा।

(2) यदि कोई अभ्यर्थी जो महाविद्यालय या वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग के किसी अधिकारी को परीक्षा में उस पर किसी प्रकार का अनुग्रह दिखाने के प्रयोजन के लिए कुछ प्रतिशोध देता या देने का प्रयत्न करता है तो उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी और न ही उसे पुनः परीक्षा में, तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसकी अभ्यर्थिता रद्द किए जाने की तारीख से कम से कम बारह मास की अवधि न बीत जाए।

17. समुद्री सेवा में छूट :

(1) कोई अभ्यर्थी किसी मत्स्यन जलयान के मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र का परीक्षा के लिए उपनियम (2) (3) और (4) में।



अर्हक समुद्री सेवा में छूट के लिए अधिकतम 12 मास की छूट के अंशोंन रहते हुए मात्र होगा तथापि ऐसी छूट नियम 4 के उपनिबन्ध (3) (क) में विनिर्दिष्ट मत्स्यन जलयान पर की गई सेवा की लागू नहीं होगी।

(2) ऐसा कोई अभ्यर्थी जो केन्द्रिय निदेशक, मात्स्यिक, नागरिक और इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान से प्राप्त प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता जो अनुसोचन पाठ्यक्रम में उसकी हाजरी, सदाचार और प्रवीणता प्रमाणित करता हो तो वह संस्थान के विभाग गए पूरे समय के लिए जो अधिकतम 12 मास के अंशोंन होगी, छूट के लिए पात्र होगा।

(3) ऐसा कोई अभ्यर्थी जिनने लान बहादुर शास्त्री नाविक और इंजीनियरी महाविद्यालय, मुंबई मत्स्यन जलयान पर परीक्षा के लिए प्रशिक्षण के अंशोंन जो समय बितायें हैं, उस समय के दौरान उनकी हाजरी की प्रमाणपत्र और प्रवीणता को बाबत महाविद्यालय उष के प्रधानाचार्य से प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने पर वह महाविद्यालय में विद्यमान समय के अंशोंन समय की छूट के लिए 3 मास अधिकतम छूट के अंशोंन रहते हुए पात्र होगा।

(4) ऐसा कोई अभ्यर्थी, जिनने कोई अनुसोचन रक्षा प्रमाणपत्र, कोई अनुसोचित रक्षा नाविक प्रमाणपत्र और कोई अनुसोचित प्रारंभिक उच्चतर प्रमाणपत्र प्राप्त किया है, ऐसे प्रमाणपत्रों के प्रस्तुत किए जाने पर अर्हक समुद्री सेवा में दो मन्ताह की छूट के लिए पात्र होगा।

परन्तु यदि किसी अभ्यर्थी ने किसी मत्स्यन जलयान के सेट के रूप में मक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा में बैठने के पहले उद्योग पाठ्यक्रम पूरा नकिया हो तो उसे परीक्षा में बैठने के लिए ऐसी छूट दी जा सकती।

18. अन्य प्रशिक्षण पोत और तटीय विद्यालयों और महाविद्यालयों की साम्यता :

(1) किसी अभ्यर्थी द्वारा ऐसे किसी प्रशिक्षण पोत या तट पर स्थित समुद्री विद्यालय या महाविद्यालय में जो नियम 17 या 25 में विनिर्दिष्ट में मिला हो तो वह यथास्थिति उक्त प्रशिक्षण पोत या समुद्री विद्यालय या महाविद्यालय में मिलायी गई अवधि के बदले में अर्हक समुद्री सेवा में छूट प्राप्त करने के लिए मुख्य परीक्षक के पास आवेदन कर सकेगा।

(2) ऐसे आवेदन के प्राप्त होने पर मुख्य परीक्षक जैसा वह आवश्यक समझे ऐसे संस्थान के पाठ्यक्रमों, पाठ्यचर्या और प्रशिक्षण के ढंग का निरीक्षण या अन्वेषण करेगा और उनका बाद दोनों संस्था में किसी अभ्यर्थी द्वारा बितायें गए समय के पहले की सीमानत छूट, दिए जाने का निर्देश देने की अनुज्ञा दे सकेगा।

19. साधारण निर्वाचन :

(1) यथास्थिति अर्हक समुद्री सेवा या निगरानी सेवा की संगणना ऐसी निष्पत्ति की प्रारंभ होने की तारीख से लेकर उसकी समाप्ति तक और उसके दौरान ही गई छुट्टियों की अवधि की कटौती करके की जाएगी। जहाँ कोई पोत या मत्स्यन जलयान किसी पत्तन में अकारण कर से काकां लम्बी अवधि तक पड़ा रहे अर्थात् वह किसी पत्तन में कुन सेवा अवधि के एक तिहाई से अधिक की अवधि के लिए या चार मन्ताह इतने से जो भी कम हो, के लिए पड़ा रहा हो, तो ऐसी अवधि की संगणना यथास्थिति अर्हक सेवा या निगरानी सेवा के लिए नहीं की जाएगी।

(2) सेवा या निरंतर सेवामुक्ति में दर्ज की गई प्रविष्टियों समुद्र सेवा के प्रमाण के रूप में ऐसे प्रविष्टियों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ किए जाने से किसी अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार के सभनता प्रमाणपत्र की परीक्षा में बैठने के लिए मुख्य परीक्षक के अनुसोचन के अंशोंन रहते हुए चार मास की अवधि के लिए निरहित किया जाएगा।

(3) किसी मत्स्यन जलयान पर अक्षती संहार 15 मीटर से कम न हों जाएगी की गई अर्हक समुद्री सेवा या निगरानी सेवा का निर्वाचन पूरी दर पर किया जाएगा।

(4) किसी मत्स्यन जलयान पर जिसकी संहार 15 मीटर से कम हो की गई यथास्थिति अर्हक सेवा या निगरानी सेवा का निर्वाचन अर्धक

सेवा के रूप में पूरी दर पर किया जाएगा जो सेट मत्स्यन जलयान पर सभनता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिए अधिकतम 30 मास होंगे और मत्स्यन जलयान ग्रेड-II या ग्रेड-III के स्कीपर के रूप में मक्षमता प्रमाणपत्र के लिए निगरानी सेवा 2/3 या अधिकतम 12 मास होगी।

(5) यंत्रबालित मत्स्यन जलयानों पर जो अर्धकतम न अर्धकतम पंजीकृत नहीं है की गई अर्हक समुद्री सेवा चाहे दरपर अधिकतम 12 मास तक निर्धारित की जाएगी परन्तु सेवा अभिनेत्र, पत्तन या सोना गुरुक विभाग के जहाँ से ऐसे जलयान सामान्यतः यंत्रबालित किये जाते हैं, के किसी अधिकारी द्वारा उचित रूप से प्राच्यप्रमाणित किए गए हों।

(6) किसी व्यापारिक पोत पर की गई अर्हक समुद्री सेवा नियम 20 के अनुसार निर्धारित की जाएगी। किसी व्यापारिक पोतों पर की गई सेवा नियम 21 के अनुसार निर्धारित की जाएगी। जहाँ किसी अभ्यर्थी ने भागतः किसी व्यापारिक पोत पर और भागतः किसी गैर व्यापारिक पोत पर और भागतः किसी मत्स्यन जलयान पर मिश्रित सेवा की है, तो सभी ऐसी सेवा अर्हक समुद्री सेवा के लिए संगणित की जाएगी।

(7) जहाँ किसी अधिकारी की निगरानी सेवा में जलयान के दौरान की हुई बोहरी निगरानी सेवा सम्मिलित हो तो ह्य प्रकार की गई वास्तविक निगरानी सेवा की अवधि का केवल दो तिहाई भाग 9 मास की अधिकतम अवधि के प्रमाण रहते हुए गणना में विचार जाएगा।

(8) यथास्थिति अर्हक समुद्री सेवा या निगरानी की संगणना कैलेण्डर मास द्वारा की जाएगी अर्थात् किसी मास में दो गई किसी तारीख और उस मास के बाद आने वाले मास की पूर्वे दिन जिनके अन्तर्गत यह दिन भी है, के बीच आने वाला समय सम्मिलित है। पहले पूरे किए गए मासों की संख्या संगणित की जाएगी और उसके बाद बचे हुए दिनों की संख्या की संगणना की जाएगी। जब कुछ सेवा की संगणना की जाएगी तब बचे हुए दिनों को जोड़कर 30 दिन को एक मास के रूप में संगणित किया जाएगा।

20. व्यापारी पोतों पर सेवा :

(1) मत्स्यन जलयान के सेट के रूप में सभनता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिए इन नियमों के अंशोंन अर्धक समुद्री सेवा की यदि व्यापारिक पोत पर की गई है, तो नियम 4 और 19 के उल्लंघनों के अंशोंन रहते हुए पूरी संगणित की जाएगी।

(2) जहाँ किसी अभ्यर्थी ने भारतीय पोत में मिनकिसी व्यापारिक पोत पर सेवा की हो, उसकी समुद्री सेवा ह्य नियम के उल्लंघनों के अनुसार निर्धारित की जाएगी परन्तु ऐसी सेवा नियम 11 के उल्लंघनों के अनुसार संगणित द्वारा सममित होगी।

21. गैर व्यापारिक पोतों पर की गई सेवा :

(1) निम्न प्रकार के पोतों, जिनमें नौचन के यांत्रिक उपकरण लगे हों और जो समुद्रगामी हों, में की गई समुद्री सेवा विचार के लिए मुख्य परीक्षक को प्रस्तुत की जाएगी। ऐसी सेवा को स्वीकार किए जाने और जिन सीमा तक ऐसी सेवा को स्वीकार किया गया है, का बाबत मुख्य परीक्षक का विनिश्चय अंतिम होगा :

- (क) वे पोत जो पत्तन प्राधिकारियों द्वारा नियंत्रित हो जैसे ड्रेजर, हापर बन्दरे, पाइलट जलयान, सर्वेक्षण जलयान, आदि,
- (ख) दीप घर टेंडर
- (ग) कैबल पोत,
- (घ) समुद्र विज्ञान, प्रवेक्षण या अनुसंधान जलयान,
- (ङ) तट से दूर स्थित निगरानी में इस्तेमाल किए जाने वाले तट से दूर प्रारंभित पोत,
- (च) गैरगामी पोत।

(उ) प्रवाह मुक्त और मानव प्रवाहपूर्ण बन के पूरे नियोजित कर्णोकाए (टा), और

(ख) भक्ति नोदित यांच ।

(2) ऐसे पोतों पर की गई सेवा निम्नलिखित को ध्यान में रखकर निर्धारित की जाएगी :

(क) परिवालन क्षेत्र,

(ख) जलयानों की दूरी,

(ग) परतन और समुद्र में ठहरने को वास्तविक प्रवधि और परतन में और समुद्र पर की गई संकियाओं का स्वरूप और ।

(घ) निगरानी कार्यों पर संबंधित अधिकारी द्वारा किए गए कार्य की प्रकृति यदि कोई हो ।

3. ऐसे पोतों पर की गई समुद्री सेवा के निर्धारण के लिए आवेदन किसी जिले के प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग के माध्यम से उप-नियम (2) के अधीन अपेक्षित विवरणों के अधीन के साथ संसाधन प्रस्तुत किए जाएंगे। ऐसे संसाधन मास्टर और स्वामी द्वारा पृष्ठांकित होंगे ।

## 22. नाविक और नौबल नाविक :

(1) किसी व्यापारिक पोत के डेक विभाग में नाविकों द्वारा की गई समुद्री सेवा और भारतीय नौसेना और तट रक्षक की संचार शाखा में डेक नाविकों या दृष्टि संकेतन नाविकों द्वारा की गई समुद्री सेवा उप-नियम (2) (3) और (4) के अनुसार अधिकतम 30 मास के अधीन रहते हुए निर्धारित की जाएगी इस प्रकार निर्धारित की गई संगणना प्रवधि संगणना किसी मत्स्यन जलयान के मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिए प्रार्थना में की जाएगी और अभ्यर्थी को यदि वह नियम एक की अपेक्षा पूरी करता हो तो इस परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी ।

(2) किसी व्यापारिक पोत के डेक विभाग में किसी नाविक की हस्तियत में या सामान्य प्रयोजन के कर्मावल के सदस्य के रूप में की गई समुद्री सेवा की संगणना पूरी मानी जाएगी ।

(3) भारतीय नौसेना और तट रक्षक के समुद्रगामी पोतों के डेक विभाग में नाविकों द्वारा की गई समुद्री सेवा यावा की गई वास्तविक सेवा के दो तिहाई की दर से निर्धारित की जाएगी ।

(4) भारतीय नौसेना और तट रक्षक के समुद्रगामी पोतों पर संचार शाखा में दृष्टि संकेतन नाविकों द्वारा की गई समुद्री सेवा यावा की गई वास्तविक सेवा के भाग्ये दर पर निर्धारित की जाएगी ।

## 23. वाणिज्यिक नौसेना अधिकारी :

(1) नियम 5 के उप नियम (3) में प्रस्तावित किसी बात के होते हुए भी ऐसा कोई अभ्यर्थी जिसके पास वाणिज्यिक पोत और मेट परीक्षा नियम, 1979 के अधीन दिया गया विदेश गामी पोत के द्वितीय मेट या नौपरिवहन निगरानी अधिकारी के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र है वह मत्स्य जलयान श्रेणी II के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाण पत्र की परीक्षा के लिए पात्र होगा परन्तु उसके पास व्यापारिक पोतों पर की गई कम से कम 18 मास की निगरानी सेवा और किसी मत्स्यन जलयान पर जिसकी लंबाई 15 मीटर से कम न हो कम से कम किसी ग्रहंत अधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन मत्स्यन और त्रिज निगरानी से संबंधित कार्यों में कम से कम 6 मास की हो ।

(2) नियम 8 के उप-नियम (3) में प्रस्तावित किसी बात के होते हुए भी ऐसा कोई अभ्यर्थी जिसके पास वाणिज्यिक पोत (मास्टर और मेट परीक्षा) नियम, 1979 के अधीन दिया गया विदेश गामी पोत के प्रथम मेट या द्वितीय व्यापारिक पोत के मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र है, वह किसी मत्स्यन जलयान श्रेणी 1 के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र

की परीक्षा के लिए पात्र होगा परन्तु उसके पास व्यापारिक पोतों की गई कम से कम 30 मास की निगरानी सेवा होनी चाहिए और किसी मत्स्यन जलयान पर जिसकी लंबाई 24 मीटर से कम न हो किसी ग्रहंत अधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन मत्स्यन और त्रिज निगरानी से संबंधित कार्यों में कम से कम 6 मास सेवा की हो ।

(3) यथास्थान ऐसा प्रत्येक अभ्यर्थी नियम 5 या 6 के उप नियम (1) (2) और (4) का अनुपालन करेगा किन्तु उसे नियम 5 और 6 के उप-नियम (1) में निर्दिष्ट भाग क और ग की परीक्षा से छूट मिलेगी ।

## 24. भारतीय नौसेना आफिशर :

(1) भारतीय नौसेना की कार्यकारी शाखा का कोई मिडशिपमैन या कमींडिंग ऑफिसर कार्य आफिशर जिसने भारतीय नौसेना या तट रक्षक के समुद्रगामी पोत पर सेवा की है किन्तु जिसके पास पूर्ण नौसेना निगरानी प्रमाणपत्र नहीं है, वह मत्स्यन जलयान के मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिए यदि वह नियम 4 का पालन करता है तो पात्र होगा। ऐसे अधिकारी को समुद्री सेवा के रूप में पूरी दर पर 30 मास की अधिकतम सेवा के अधीन रहते हुए निर्धारित की जाएगी ।

(2) भारतीय नौसेना की कार्यकारी शाखा में कोई कमींडिंग आफिशर जिसके प्रस्तावित और जिसके पास पूर्ण नौसेना निगरानी प्रमाणपत्र है वह किसी मत्स्यन जलयान श्रेणी 1 या श्रेणी 2 के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिये उप-नियम (3) के अधीन रहते हुए पात्र होगा ।

(3) (क) नियम 5 के उप-नियम (3) में प्रस्तावित किसी पोत के होते हुए भी प्रत्येक अभ्यर्थी किसी मत्स्यन जलयान श्रेणी 2 के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिये पात्र होगा, परन्तु उसके पास पूर्ण नौसेना निगरानी प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् कम से कम 18 मास की निगरानी सेवा होनी चाहिए और उसके किसी मत्स्यन जलयान जिस की लंबाई 15 मीटर से कम न हो किसी ग्रहंत अधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन मत्स्यन और त्रिज निगरानी से संबंधित कार्यों में कम से कम 6 मास की सेवा होनी चाहिए ।

(ख) नियम 6 के उप-नियम (3) में प्रस्तावित किसी बात के होते हुए भी ऐसा प्रत्येक अभ्यर्थी मत्स्यन जलयान श्रेणी 1 के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिये पात्र होगा परन्तु उसके पास पूर्ण नौसेना निगरानी प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् कम से कम 30 मास की निगरानी सेवा होनी चाहिए और उसने किसी मत्स्यन जलयान पर जिसकी लंबाई 24 मीटर से कम न हो, किसी ग्रहंत अधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन मत्स्यन और त्रिज निगरानी से संबंधित कार्यों में कम से कम 6 मास की सेवा की होनी चाहिए ।

(ग) ऐसा प्रत्येक अभ्यर्थी नियम 5 या 6 के यथास्थिति, उप-नियम (1) (2) और (4) का अनुपालन करेगा ।

## 25. भारतीय नौसेना आफिशरों के लिये समुद्री सेवा में छूट :

(1) मत्स्यन जलयान के मेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिये बैठने वाला भारतीय नौसेना का कोई मिडशिपमैन या कार्यकारी आफिशर उपनियम (2) में यथास्थिति प्रार्थना समुद्री सेवा में छूट के लिये अधिकतम 12 मास के अधीन रहते हुए, पात्र होगा जैसा कि उप-नियम (2) में निर्दिष्ट है, बगलें अधिकतम छूट 12 महीनों की हो । ऐसी छूट नियम 4 के उप-नियम (3) (क) में यथा-निर्दिष्ट मत्स्यन जलयानों पर की गई सेवा को लागू नहीं होगी ।

(2) (क) नौसेना कैंडेट द्वारा राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी बड़कवासला में भित्तिया समय, की संगणना 6 मास की समुद्री सेवा के रूप में की

जायेगी परन्तु उन अभ्यर्थी ने और राष्ट्रीय सेवा प्रकाशनी द्वारा संचालित अंतिम परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की हो।

(ख) नौसेना प्रकाशनी, कोचीन में प्रशिक्षणाधीन नौसेना कैडेटों या उन लेफ्टिनेन्टों द्वारा बिताया गया समय की संगणना प्रवेशित समुद्री सेवा के लिये अधिकतम 6 मास के अधीन रहते हुए प्राये वर की जायेगी परन्तु अभ्यर्थी उस नौसेना मुख्यालय से नौसेना प्रकाशनी में उसकी समाधान-प्रव रूप से उपस्थिति दर्जित करने वाला प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा।

(ग) भारतीय नौसेना आई.ए.एन.एस. "वेल्डिंग" पर किसी अधिकारी द्वारा जो कार्यकारी सब-सेफ्टिनेट की रैंक से कम का न हो, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में बिताया समय की संगणना प्रवेशित समुद्री सेवा के लिये रूप में अधिकतम 6 मास के अधीन रहते हुए प्राये वर पर की जायेगी परन्तु वह अभ्यर्थी उस नौसेना मुख्यालय से ऐसे पाठ्यक्रम में उसकी समाधानप्रव रूप से उपस्थिति दर्जित करने के लिये प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा।

(3) इस नियम के अधीन वाचा की गई समुद्री सेवा में छूट नियम 17 में उपबंधित छूटों के अधिकतम 12 मास के अधीन रहते हुए अतिरिक्त होगी।

26. भारतीय नौसेना आफिसरों के आवेदन :

(1) भारतीय नौसेना में कोई निडगिनिमेंट या कार्यकारी आफिसर जिसके अन्तर्गत विशेष कार्य आफिसर भी हैं नियम 24 की अपेक्षाओं का समाधान करता हो, तो वह परिशिष्ट "च" में दिये गये विहित प्ररूप में परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन कर सकेगा।

(2) ऐसे प्रत्येक आवेदन के साथ जन्म का प्रमाणपत्र नौसेनाध्यक्ष या उसके द्वारा अपनी उसकी ओर से नियुक्त किये गये किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणपत्र यथास्थिति अर्हक समुद्री सेवा या अभ्यर्थी द्वारा भारतीय नौसेना में की गई निगरानी सेवा की पूरी विधिद्वियों और नौसेना निगरानी प्रमाणपत्र और की प्रविष्टियों के साथ नियम 25के अर्थात् अन्तर्गत प्रशिक्षण संस्थान में प्राप्त प्रशिक्षण के प्रमाणपत्र वाणिज्यिक जलमार्गों नौसेना और मत्स्यन समुद्री सेवा की बाबत नियम 11 के अनुसार प्रमाणापत्रों यदि कोई हो सक्षमता प्रमाणपत्र या सेवा, यदि कोई हो और मत्स्यन जलयानों में कोई गई समुद्री सेवा के विवरण से भेजे जायें।

(3) आवेदन अभ्यर्थी द्वारा नौसेनाध्यक्ष के माध्यम से स्वीकृत परीक्षा पत्तन के प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग को भेजा जायेगा और आवेदन परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक मास पूर्व पहुंच जाना बाह्य परिशिष्ट "ज" में विनिर्दिष्ट फीस प्रधान अधिकारी को सीधे भेजी जायेगी।

27. परीक्षा के स्थान और तारीख :

(1) इन नियमों में विहित सक्षमता प्रमाणपत्र के लिये परीक्षा वाणिज्यिक समुद्री विभाग मुम्बई, कलकत्ता, मद्रास, बिशाखापत्तनम और कोचीन और इन संबंध में मुख्य परीक्षक द्वारा अधिसूचित किसी अन्य पत्तन में आयोजित की जायेगी।

(2) प्रत्येक श्रेणी के लिये लिखित परीक्षा मुख्य परीक्षक द्वारा अधिसूचित तारीख और समय पर आयोजित की जायेगी।

(3) मौखिक और संकेत परीक्षाओं के लिये तारीख और समय परीक्षक द्वारा नियत किया जायेगा और उसकी पर्याप्त अधिम सूचना अभ्यर्थियों को दी जायेगी।

28. समय-पत्रावली :

प्रत्येक अभ्यर्थी उचित को समय पर परीक्षा शुरू होने से पहले परीक्षा हाल में उपस्थित होगा। विलंब से आने वाले अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने नहीं दिया जायेगा सिवाय विशेष परिस्थितियों में जहां

परीक्षक का यह समाधान हो जाये कि विरोध का कारण अभ्यर्थी के नियंत्रण से परे था। ऐसे मामलों में परीक्षक का विनिर्णय अंतिम होगा।

29. उन व्यक्तियों के जिनको कार्य पर रहना आवश्यक है, से भिन्न व्यक्ति को परीक्षा हाल में आने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी।

30. फालतू कागज-पत्र और पुस्तकें :

नियम 31 में यथा उपबंधित के सिवाय, कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा हाल में कोई फालतू कागज-पत्र संबंधी पुस्तकें या अन्य नोट या प्रकाशन नहीं रखेगा। परीक्षा प्रारंभ होने से पहले ऐसे कागज-पत्र, पुस्तकें प्रकाशन या नोट परीक्षा हाल से बाहर निकाल दिये जायेंगे। किसी अभ्यर्थी द्वारा किसी प्रकार के व्यतिक्रमी होने पर इन नियमों के अर्थात् अन्तर्गत उसे व्यतिक्रमी माना जायेगा। और ऐसे व्यतिक्रमी को परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा। इन नियमों के अधीन उसे किसी परीक्षा में बैठने से, मुख्य परीक्षक के अनुमोदन के अधीन रहते हुए अधिकतम 6 मास की अवधि के लिये विवजित भी किया जा सकेगा।

31. प्रकाशनों और सारणियों के लिये उपबंध :

(1) प्रत्येक अभ्यर्थी को समुचित परीक्षा के समय निम्नलिखित सारणियां और पुस्तकें दी जायेगी, अर्थात् :—

(क) अटलांटिक महासागर और हिन्द महासागर के लिये नाव-धिकरण ज्वार-भाटा सारणियां,

(ख) भारतीय पत्तनों के लिये भारतीय ज्वार भाटा सारणी,

(ग) नौ-संचांग

(घ) मौसम रिपोर्टों के लिये अन्तर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संहिता, और

(ङ) किसी चुने गये मत्स्यन जलयान का मुकाबल और स्थिरता।

2. अभ्यर्थी समुचित परीक्षा के समय अपनी नौ-सारणी जिसके अन्तर्गत लघुगणक सारणियां भी हैं, लायेंगे। ऐसी सारणियों पर कोई हस्तलिखित नोट नहीं होंगे और परीक्षा प्रारंभ होने से पहले परीक्षक को समीक्षा के लिये प्रस्तुत की जायेगी इन नियमों के अर्थात् किसी व्यतिक्रमी को दुराचार्य माना जायेगा और व्यतिक्रमी को परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझा जायेगा। उसे किसी परीक्षा में बैठने से, अधिकतम 3 मास से अधिक अवधि तक मुख्य परीक्षक के अनुमोदन के अधीन विवजित भी किया जा सकेगा। नौरी और बर्टन्स नौ-सारणियों के उपयोग को समुचित परीक्षा के समय सामान्यतः अनुज्ञा दी जायेगी।

32. उपकरण :

परीक्षक को पूर्ण अनुज्ञा के अधीन रहते हुए अभ्यर्थी परीक्षा हाल में अपने उपकरण ला सकते हैं और उनका उपयोग प्रश्नपत्रों के उत्तर देने के लिये कर सकते हैं। मत्स्यन जलयान के मेल के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों से भिन्न अभ्यर्थी को किसी स्टाइट रूल या चार बुनियादी गणनाओं और किसी एकल स्मृति वाले इलेक्ट्रोनिक कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी। दोनों मामलों में उम्मीदवार को संपूर्ण कार्य विधाना होगा।

33. सारणियों, पुस्तकों या उपकरणों का गुन्धान :

ऐसा कोई अभ्यर्थी, जो परीक्षक द्वारा उसके उपयोग के लिये दिये गये किसी सारणियों, पुस्तकों या उपकरण को विकसित करे उन पर धम्बा या उन पर निम्न अन्यथा किसी को क्षति पहुंचाते हैं तो वह ऐसी क्षतिग्रस्त सारणियों, पुस्तकों या उपकरण के स्थान पर नये देने का बायी होगा। जब तक ऐसी वस्तुओं का प्रतिस्थापन नहीं हो जाता तब तक नियम 10 के अधीन अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये कागजात परीक्षक द्वारा रोक दिये जायेंगे और अभ्यर्थी को परीक्षा में अनुत्तीर्ण माना जायेगा और जब तक ऐसी वस्तुओं का प्रतिस्थापन नहीं हो जाता तब तक वह अभ्यर्थी को परभावती परीक्षा में बैठने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी।

## 34. परीक्षा हाल छोड़ना :

कोई भी अभ्यर्थी परीक्षक की अनुमति में बिना और उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका सीपे बिना परीक्षा हाल नहीं छोड़ेगा। किसी भी स्थिति में किसी अभ्यर्थी को जब तक उसकी परीक्षा चल रही हो तब तक भवन छोड़ने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी। व्यतिक्रमी को परीक्षा में असफल माना जायेगा।

## 35. उत्तर पुस्तिकाएं :

(1) कोई भी अभ्यर्थी उसकी ही गई उत्तर पुस्तिकाओं के प्रत्यावा किसी पत्र पर प्रश्न हल नहीं करेगा। अभ्यर्थी को दिये गये स्थायी सोख पत्र का उपयोग करने कार्य के लिये नहीं किया जायेगा। ऐसे स्थायी सोख पत्र प्रत्येक दिन के अन्त में परीक्षक को वापिस कर दिये जायेंगे। व्यतिक्रमी को परीक्षा में असफल माना जायेगा।

(2) उत्तरपुस्तिकाओं में सभी कार्य स्थायी से किये जायेंगे परन्तु रेखाचित्र पेन्सिल में कीये जायेंगे।

(3) उत्तर साफ और सुवाच्य लिखे जायें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लिखते समय उमका क्रमांक उत्तरपुस्तिका के बायीं ओर के हाशिये में लिखा जायेगा।

## 36. परीक्षा को दौरान नकल करना :

अन्य अभ्यर्थी की उत्तरपुस्तिकाओं से या अप्राधिकृत पुस्तकों, प्रकाशनों, नियमों या अन्य पाठ्यलिपियों जो भी हों से नकल करना या अपनी उत्तरपुस्तिका से नकल करने में किसी अन्य अभ्यर्थी की मदद करना अन्यथा किसी दूसरे उम्मीदवार को कोई सूचना देना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। ऐसे किसी व्यतिक्रमी को परीक्षा में असफल माना जायेगा और मुख्य परीक्षक के अनुमोदन के अधीन रहते हुए 6 मास से अधिक समयवधि के लिये इन नियमों के अधीन किसी परीक्षा में बैठने से भी विवर्जित होगा।

37. दुराचरण :—जब तक इन नियमों में अन्यथा उपबंधित है ऐसा कोई अभ्यर्थी जो किसी प्रकार का दुराचरण, जिसके अन्तर्गत किसी परीक्षक या अन्य परीक्षा कर्मचारियों के साथ धृष्टता भी सम्मिलित है करे या कोई अभ्यर्थी परीक्षा हाल में अनुचित या बृहच्छब्द आचरण करे या इन नियमों में से किसी एक को भंग करे तो वह नीचे विनिर्दिष्ट एक या अधिक तरीकों से दंड का भागी होगा, अर्थात् :—

(1) जहां परीक्षा शुरू नहीं हुई हो या समाप्त नहीं हुई हो वहां अभ्यर्थी को यथास्थिति परीक्षा में बैठने से या परीक्षा में आगे उसमें भाग लेने से उसे विवर्जित कर दिया जाएगा।

(2) जहां परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया हो वहां ऐसे अभ्यर्थी का परिणाम मुख्य परीक्षक के अनुमोदन के अधीन रहते हुए संशोधित किया जा सकेगा।

(3) जहां अभ्यर्थी की परीक्षा में सफल घोषित कि गया हो लेकिन उसे प्राथमिक प्रमाणपत्र नहीं दिया गया हो वहां प्रमाण-पत्र ऐसी अवधि के लिए जो मुख्य परीक्षक द्वारा विनिश्चित की जाय, रोक जा सकेगा।

(4) इसके प्रतिरिक्त अभ्यर्थी को ऐसी अवधि के लिए जैसे मुख्य परीक्षक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, इन नियमों के अधीन किसी परीक्षा में बैठने के लिए विवर्जित किया जाएगा।

38. पाठ्यक्रम :—नियम 48 के उपबंधों के अधीन रहते हुए कोई अभ्यर्थी सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा जिसके लिए वह पात्र है, के किसी भाग या भागों की परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेगा जैसा नियम 4.5 और 6 के खप नियम (1) में विनिर्दिष्ट है। सभी भागों की परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम, परिशिष्ट "अ" में यथा बनिदिष्ट है।

## 39. लिखित परीक्षा :

(1) प्रत्येक श्रेणी की परीक्षा के लिखित भाग के विषय, प्रत्येक विषय के प्रश्न के उत्तर देने के लिए अनुज्ञात समय, प्रत्येक विषय के लिए आवेदन कूल अंक और उस प्रश्नपत्र तथा लिखित भाग में उत्तीर्ण होने के लिए प्राप्त किये जाने वाले अर्थात् अर्थात् प्रतीकता विनिर्दिष्ट सारणियों में यथाविनिर्दिष्ट है :—

किसी मस्स्यन जलदान का मेंट	घंटे	कुल अंक	उत्तीर्ण होने के लिए प्रतिशतता
(क) सोमनाथप, मुरभा और निगरानी	3	150	50%
(ख) मौसम विज्ञान	2	100	50%
(ग) नौबानल	3	200	70%
(घ) चाई कार्य	2	150	70%
कुल	—	600	60%

## किसी मस्स्यन जलदान श्रेणी II का स्कीपर :

(क) नौबानल के प्रयोग और सिद्धांत	3	200	70%
(ख) चाई कार्य	2	150	70%
(ग) निर्माण और स्थिरता	3	150	50%
(घ) दिक्बालक साधन	2	100	50%
कुल	—	600	60%

## मस्स्यन जलदान श्रेणी I का स्कीपर

(क) नौबानल के प्रयोग और सिद्धांत	3	200	70
(ख) चाई कार्य	2	150	70
(ग) निर्माण और स्थिरता	3	150	50
(घ) दिक्बालक साधन	2	100	50
कुल	—	600	60

(2) कोई अभ्यर्थी किसी सक्षमता प्रमाणपत्र की इस परीक्षा में विद्यमानों में उसकी तीसरी कमजोरी के कारण असफल हो जाता है तो उसे इस परीक्षा में पुनः बैठने की अनुज्ञा देने के पहले, मुख्य परीक्षक के अनुमोदन के अधीन रहते हुए किसी अनुमोदित संस्थान से अनुवेद्य पाठ्यक्रम, जिसकी समयवधि 6 महीनों से अधिक हो, पूरा करेगा।

(3) संबंधित अनुमोदित संस्थान के प्रधान से ऐसे पाठ्यक्रम के दौरान उपस्थिति की अवधि, आचरण और दक्षता दिखाने वाला कोई प्रमाणपत्र अभ्यर्थी को पुनः परीक्षा में बैठने की अनुमति देने के लिए पर्याप्त प्रमाण समझा जाएगा।

## 40. मौखिक परीक्षा :

(1) परीक्षा के मौखिक भाग के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी नियत समय पर परीक्षा के लिए स्वयं उपस्थित होगा यदि अभ्यर्थी बिना उचित आक्षार के ऐसा करता है तो वह परीक्षा में अनुत्तीर्ण समझा जाएगा।

(2) कोई उम्मीदवार, किसी समयवधि प्रमाण-पत्र की इस परीक्षा में व्यावहारिक ज्ञान में उसकी तीसरी कमजोरी के कारण असफल रहे तो उसे :



(क) आगे 6 मास से अधिक अवधि के लिए समुद्री सेवा करना :  
श्रीर/या

(ख) किसी संस्थान में, इस परीक्षा में पुनः बैठने की अनुमति देने से पूर्व 6 मास से अधिक अवधि के लिए अनुदेश पाठ्यक्रम के उपस्थित होना आवश्यक होगा ।

(3) ऐसी समुद्री सेवा किसी मत्स्य जलयान के डेक में किसी भी हिसाबत में की होनी चाहिए और ऐसी अतिरिक्त सेवा को नियम 17 और 25 के उपबंध लागू नहीं होंगे । अनुमोदित संस्थान में उपस्थिति को संबंधित अनुमोदित संस्थान के प्रमुख से उपस्थिति की अवधि प्राचरण और ऐसी अवधि के दौरान प्राप्त प्रवीणता को बतलाने के लिए एक प्रमाणपत्र द्वारा मांजित करना होगा ।

#### 41. संकेत परीक्षा :

(1) परीक्षा के संकेत भाग के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी ऐसी परीक्षा में नियत समय पर स्वयं उपस्थित रहेगा । किसी अभ्यर्थी के ऐसा करने में असफल रहने पर उसे परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ ऐसा माना जाएगा ।

(2) (क) पाठ्य विवरण में विनिर्दिष्ट मोस प्रकाशन संकेत परीक्षा में प्रत्येक सही अक्षर या परीक्षण कांड के अक्षरों के लिए दो-तिहाई अंक और वर्तनी संशोधन के प्रत्येक सही शब्द के लिए 5 अंक नियत होंगे । वर्तनी संशोधन में 12 शब्द होंगे ।

(ख) मोस प्रकाशन संकेत और सेमाफोर परीक्षण में पुष्कल रूप से कुछ अंकों के 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाला अभ्यर्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ ऐसा माना जाएगा बशर्ते वह यथोचित ग्रेड के पाठ्य विवरण में विनिर्दिष्ट शेष विषयों में अपनी प्रवीणता से परीक्षक का समाधान करे ।

42. पुनः परीक्षा :—कोई अभ्यर्थी नियम 39 और 60 के उपबंधों के अधीन रहते हुए उसके अन्तिम प्रयत्न से एक मास के समाप्त होने के पश्चात् पुनः परीक्षा के लिए स्वयं उपस्थित कर सकेगा ।

#### 43. आंशिक उत्तीर्ण :

(1) जहाँ कोई अभ्यर्थी परीक्षा के किसी एक या अधिक भागों में उत्तीर्ण होता है वहाँ उसे परीक्षा में आंशिक रूप से उत्तीर्ण माना जाएगा और इस प्रकार आंशिक रूप से उत्तीर्ण होना परीक्षा की तारीख से 12 मास की अवधि के लिए विधिवान्म्य होगा ।

परन्तु मुख्य परीक्षक, विशेष परिस्थितियों में, आंशिक रूप से उत्तीर्ण विधि मान्यता को दो मास से अधिक अवधि तक बढ़ा सकेगा ।

(2) जहाँ कोई अभ्यर्थी किसी आंशिक रूप से उत्तीर्ण किसी मान्यता की अवधि के लिए दौरान परीक्षा के शेष सभी भागों को उत्तीर्ण करने में असफल रहता है वहाँ उसे उसके अगले प्रयत्न में उस भाग या भागों में फिर से बैठने की अपेक्षा की जाएगी ।

(3) आंशिक रूप से उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थी का परीक्षा परिणाम परिशिष्ट "ब" में उपजित प्ररूप में उपवर्जित किया जाएगा । उस अभ्यर्थी को यदि वह ऐसा चाहे तो परिशिष्ट "द" में उपवर्जित प्ररूप में परीक्षा का परिणाम दिया जा सकेगा । दोनों विहित प्ररूपों में परीक्षा के संबंधित भाग में अभ्यर्थी के उत्तीर्ण होने की तारीख उसके अगले प्रयत्न के लिए जिसके लिए वह पात्र है परीक्षा में बैठने की तारीख और जहाँ अभ्यर्थी से आगे समुद्री सेवा या कोई दिशा पाठ्यक्रम करना अपेक्षित हो तो ऐसी समुद्री सेवा या ऐसे पाठ्यक्रम में उपस्थित की अवधि विनिर्दिष्ट की जाएगी ।

(4) इस नियम के प्रयोजनों के लिए परीक्षा की तारीख से उस मास की पहली तारीख अभिप्रेत है ।

.276 GI/87—2

#### 44. प्राधिकार-पत्र :

(1) ऐसा अभ्यर्थी जो नियम 39, 40 और 41 के अधीन (श्रीर नियम 4, और 6 के अंगेजानुसार अतिरिक्त प्रमाणपत्र धारण करता है) सम्पूर्ण परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ माना जाएगा ।

(2) ऐसे उत्तीर्ण अभ्यर्थी को परिशिष्ट "द" में विहित प्ररूप में अभ्यर्थी द्वारा विकल्प दिए गए पत्र के प्रधान प्राधिकार को संबोधित करते हुए एक प्राधिकार-पत्र दिया जाएगा जिसके अन्तर्गत में जब सक्षमता प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए तैयार हो सक्षमता प्रमाण-पत्र परिवर्तित किया जाएगा ।

(3) जब तक उप-नियम (2) में निर्दिष्ट पत्र मुख्य परीक्षक द्वारा या उसकी ओर से रद्द नहीं कर दिया जाता उस समय तक जब तक कोई सक्षमता प्रमाण-पत्र अभ्यर्थी को जारी नहीं किया जाता उसका मान्य होगा मानो वह इन नियमों के अधीन संबंधित ग्रेड के लिए कोई सक्षमता प्रमाण-पत्र जारी किया हो ।

#### 45. अर्थापत्त सेवा :

(1) यदि किसी परीक्षा के परिणाम की घोषणा के पश्चात् यह पता चलता है कि अभ्यर्थी को जिसे परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया है, यथास्थिति अर्थापत्त समुद्री सेवा या निगरानी सेवा के अभाव के कारण उस परीक्षा में बैठने के लिए पात्र नहीं था, सक्षमता प्रमाण-पत्र या प्राधिकार-पत्र जारी नहीं किया जाएगा ।

(2) ऐसे अभ्यर्थी की यथास्थिति अर्थापत्त समुद्री सेवा, या निगरानी सेवा पूरी करने के पश्चात् पुनः परीक्षा लेना अनेक्षित होगा ।

परन्तु मुख्य परीक्षक, जहाँ उसका समाधान हो जाता है कि यथास्थिति समुद्री सेवा, या निगरानी सेवा की संगणना में की गलती अभ्यर्थी की ओर से किसी त्रुटि या जानबूझकर मिथ्या अभिप्रेत करने के कारण नहीं की उसे पुनः परीक्षा से छुट दे सकेगा और ऐसी दशा में अभ्यर्थी को सेवा में कर्मी को पूरा करने के पश्चात् सक्षमता प्रमाण-पत्र या प्राधिकार-पत्र जारी किया जा सकेगा ।

#### 46. सक्षमता प्रमाणपत्रों के पृष्ठांकन :—

(1) इन नियमों के अधीन जारी किए गए सक्षमता प्रमाणपत्र का धारण करने वाला कोई व्यक्ति सरकार से कोई पुरस्कार प्राप्त करने पर ऐसे पुरस्कार से संबंधित साक्ष्य अपने सक्षमता प्रमाण-पत्र सहित मुख्य परीक्षक को प्रमाण-पत्र पर समुचित पृष्ठांकन के लिए प्रस्तुत करेगा ।

(2) इन नियमों के अधीन जारी किए गए किसी सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करने वाला कोई व्यक्ति उसके नीचे विनिर्दिष्ट से कोई प्रमाणपत्र प्राप्त करने पर उसे मुख्य परीक्षक को ऐसे प्रमाणपत्र से संबंधित उसके सक्षमता प्रमाणपत्र पर पृष्ठांकन करने के लिए प्रस्तुत करेगा, अर्थात् :—

(क) वाणिज्य पोत परिवहन (मास्टर और सेट परीक्षा) नियम, 1979 के अधीन दिया गया सक्षमता प्रमाणपत्र ।

(ख) संचार मंत्रालय द्वारा रेडियो अधिकारी के रूप में जारी किया गया प्रवीणता प्रमाणपत्र ।

(ग) नौबहन और परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी या अनुमोदित रखर रखरबाब प्रमाणपत्र ।

(घ) प्रतिनियम की धारा 80 के अधीन दिया गया सेवा प्रमाण-पत्र ।

#### 47. सक्षमता प्रमाणपत्र की प्रमाणित सत्य प्रति जारी करना :

(1) जहाँ इन नियमों के अधीन जारी किया गया कोई सक्षमता प्रमाणपत्र या प्राधिकार-पत्र नष्ट या अन्यथा गुप्त

हो जाता है वहाँ धारक मुख्य परीक्षक से उसकी प्रति प्राप्त कर सकेगा। ऐसी प्रमाणित प्रति के लिए किसी जिले के वाणिज्यिक समुदाय विभाग प्रधान प्राधिकार के माध्यम से मुख्य परीक्षक को परिशिष्ट "ड" में विहित प्ररूप में आवेदन किया जाएगा। ऐसे आवेदन पत्र के साथ, उन परिस्थितियों को जिनमें मूल सक्षमता प्रमाणपत्र या प्राधिकार पत्र नष्ट विकृत या अन्यथा गुम हुआ या स्पष्टीकरण करते हुए एक घोषणा संलग्न होगी। घोषणा उस प्रधान प्राधिकार को जिसको आवेदन पत्र प्राय मुख्य परीक्षक को भेजने के लिए किया जाता है की उपस्थिति में की जाएगी।

- (2) ऐसे प्रत्येक आवेदन के साथ परिशिष्ट "ज" में विनिर्दिष्ट समुच्चिन फीस भेजी जाएगी।

परन्तु जहाँ सक्षमता प्रमाणपत्र या प्राधिकार पत्र की हानि का कारण पोत का नष्ट होना या पोत पर भार लगना है, वहाँ कोई फीस देय नहीं होगी।

#### 48. कठिनाइयों का निराकरण:—

- (1) ऐसा अभ्यर्थी जिसने वाणिज्य पोत परिवहन (मत्स्य जलयान के स्कीपर और सेकण्ड हैंड परीक्षा) नियम, 1964 के उपबंधों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है इन नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के लिए नीचे दिए गए ब्यौरे अनुसार पात्र होगा:—

नियम 1964 के अधीन अभ्यर्थी द्वारा धारित सक्षमता प्रमाणपत्र का ग्रेड	इन नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र का ग्रेड जिसके लिए वह पात्र है	पूर्ववर्ती शर्तें
(क) सेकंड हैंड (मत्स्य जलयान)	मत्स्य जलयान ग्रेड-II का स्कीपर	नियम 5 का पूर्ण रूप से अनुपालन
(ख) स्कीपर (म. ज.)	मत्स्य जलयान ग्रेड-I का स्कीपर	नियम 6 का पूर्ण रूप से अनुपालन

परन्तु इन नियमों के प्रवृत्त होने के समय किसी अभ्यर्थी के पास 1964 के नियमों के अधीन मत्स्य जलयान के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद 24 मीटर से कम लंबाई के मत्स्य जलयान के प्रभावो कमान में 24 मास की सेवा या 24 मीटर से कम की लंबाई के मत्स्य जलयान की प्रभावो कमान में 36 मास की सेवा की है तो

परिशिष्ट "क"

नियम 2 (घ) देखिए

#### सेवा का अभिलेख

धारक के हस्ताक्षर .....  
 मर्यापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर .....  
 नाम .....  
 पता .....

क. सं. ....

धारक का चित्र
---------------

जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम और मुद्रा

नियम 6 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट उच्च मत्स्य जलयान ग्रेड I के स्कीपर के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिखित और संकेत भागों से छूट दी जाएगी।

- (2) ऐसा अभ्यर्थी जो 1964 के नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा में बैठे है और इन नियमों के प्राप्त होने की तारीख को उस परीक्षा में सफल नहीं होता है तो वही नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा में बैठने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:—

1964 के नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र	इन नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र का समतुल्य ग्रेड	पूर्ववर्ती शर्तें
(क) सेकंड हैंड (म.ज.)	मत्स्य जलयान का ग्रेड	नियम 4 का पूर्ण रूप से अनुपालन
(ख) स्कीपर	मत्स्य जलयान ग्रेड II का स्कीपर	नियम 5 का पूर्ण रूप से अनुपालन

- (3) 1964 नियमों के अधीन परीक्षा के संकेत और मौखिक भागों में प्रांशिक रूप से उत्तीर्ण होने का उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट समतुल्य सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए संबंधित परीक्षा में प्रांशिक रूप से उत्तीर्ण माना जाएगा और उस अभ्यर्थी को उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट समतुल्य सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए उस परीक्षा के लिखित भाग में बैठने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

- (4) ऐसा अभ्यर्थी जो 1964 के नियमों के अधीन परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हुआ है किंतु उस परीक्षा के मौखिक या संकेत भाग में उत्तीर्ण नहीं हुआ है, उसे उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट समतुल्य सक्षमता प्रमाणपत्र की परीक्षा के संकेत या मौखिक भाग को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा परंतु ऐसे अभ्यर्थी को 1964 के नियमों के अधीन सक्षमता प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

- (5) इस नियम के उप-नियम (3) और (4) में विनिर्दिष्ट परीक्षा के लिखित संकेत या मौखिक भागों में विधिमत्स्य प्रांशिक रूप से उत्तीर्ण होने से इन नियमों के लागू होने की तारीख से 6 मास की अवधि के लिए और विधिमत्स्य होगा।

(कृपया अंतिम पृष्ठ पर का रिमार्क देखिए)

धारक का पूरा नाम .....

(स्पष्ट अक्षरों में)

रैंक/श्रेणियाँ .....

पिता/स्थायी अभिभावक का नाम .....

घर का स्थायी पता .....

जन्म तारीख .....

स्थान .....

राष्ट्रियता .....

बालों का रंग .....

आँखें .....

वर्ण .....

पहचान चिह्न .....

शैक्षिक अर्हताएं .....

## प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र का प्रकार	सं. जारी करने की तारीख और स्थान	जारी करने की तारीख
1. निरंतर लगातार सेबोमुक्ति प्रमाणपत्र		
2. पासपोर्ट		
3. नौसेना समुद्री सेवा प्रमाणपत्र		
4. पूर्ण समुद्री सेवा प्रशिक्षण प्रमाणपत्र		
5. रेडार प्रेक्षक-प्रमाणपत्र		
6. जीवन रक्षा नाविक प्रमाणपत्र		
7. समुद्री प्राथमिक उपचार-प्रमाणपत्र		
8. समजीविन समुद्री जीवन रक्षा प्रमाणपत्र		
9. अग्नि शमन प्रमाणपत्र		
10. रेडार अनुकारी प्रमाणपत्र		
11. रेडियो-टेलीफोन ऑपरेटर प्रमाणपत्र		
12. प्राथमिक मत्स्य प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र		
13. उच्च मत्स्य प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र		
14. ....		
15. ....		
16. ....		
17. निगरानी प्रमाणपत्र		
18. ....		
19. ....		

20. मत्स्य जलयान सेवा का सक्षमता प्रमाणपत्र  
 21. मत्स्य जलयान के स्कीपर ग्रेड- II सक्षमता प्रमाणपत्र  
 22. ....  
 23. ....

## मत्स्य जलयान सेवा

क्र.	जलयान का नाम सं. और संख्या	तारीख और स्थान नियोजन	रैंक	आवरण	योग्यता	संकेत	टिप्पणियाँ	हस्ताक्षर
------	-------------------------------	--------------------------	------	------	---------	-------	------------	-----------

## टिप्पण.

- यह अभिलेख नियोजक द्वारा तैयार किया जाएगा और इसे मत्स्य जलयान में सम्मिलित होने से पूर्व रेटिंग को जारी कर दिया जाएगा।
- प्रमाणपत्रों के संबंधित में प्रविष्टियाँ जब वह उन्हें अर्जित करें रेटिंग द्वारा जारी जाएंगी।
- मत्स्य जलयान सेवा से संबंधित प्रविष्टियाँ मत्स्य जलयान में सेवानुक्ति के समय स्कीपर द्वारा भरी जाएंगी। इस मारणी में कोई संशोधन की उस स्कीपर द्वारा सम्यक् रूप से सम्मिलित की जाएगी जिसने मूल प्रविष्टि की है।
- यह अभिलेख रेटिंग के कब्जे में रहेगा जिससे कि नियोजन के बदलते समय असावधानी से बचा जा सके।
- नियोजक और स्कीपर के भविष्य में सत्यापन या पुष्टि, यदि कोई हो के लिए इस दस्तावेज में की गई प्रविष्टियों के अभिलेख रखेंगे।

## परिशिष्ट "ख"

[नियम 3 (2) देखिए]

भारत सरकार

मत्स्य जलयान—I के स्कीपर

के रूप में

सक्षमता प्रमाणपत्र

भारत सरकार द्वारा  
जारी किया गया।  
सेवा में

आपको मत्स्य जलयान पर मत्स्य जलयान ग्रेड I के स्कीपर के कर्तव्य करने के लिए सम्यक् रूप से प्रहृता प्राप्त पाया गया है, केन्द्रीय सरकार वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) के अधीन अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको यह सक्षमता प्रमाणपत्र प्रदान करती है।

तारीख .....

प्रतिहस्ताभरित  
मुख्य परीक्षक,  
गीबहन महानिदेशालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकृत,

नीबहन महानिदेशक

भारत सरकार

मत्स्य जलयान ग्रेड—II के स्कीपर

के रूप में

सक्षमता प्रमाणपत्र

भारत सरकार द्वारा  
जारी किया गया।  
सेवा में

आपको मत्स्य जलयान पर मत्स्य जलयान ग्रेड-II के स्कीपर के कर्तव्य करने के लिए सम्यक् रूप से प्रहृता प्राप्त पाया गया है, केन्द्रीय सरकार वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) के अधीन अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको यह सक्षमता प्रमाणपत्र प्रदान करती है।

तारीख .....

प्रति हस्ताभरित :  
मुख्य परीक्षक,  
गीबहन महानिदेशालय  
बम्बई में रजिस्ट्रीकृत,



भारत सरकार  
मत्स्य जलयान के मेट  
के रूप में  
सक्षमता प्रमाणपत्र

भारत सरकार  
द्वारा जारी किया गया  
सेवा में

आपका मत्स्य जलयान पर मत्स्य जलयान के मेट के कर्तव्य करने के लिए सम्पूर्ण रूप से प्रहृता प्राप्त पाया गया है, केन्द्रीय सरकार वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) के अधीन अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आपको यह सक्षमता प्रमाणपत्र प्रदान करती है।

तारीख .....

प्रतिहस्ताक्षरित  
मुख्य परीक्षक,  
नीवहन मंत्रालय,  
नम्बई में रजिस्ट्रीकृत,

नीवहन मन्त्रालय

परिशिष्ट—ग

[नियम 7 (1) देखिए]

प्राथमिक मत्स्य प्रौद्योगिकी के लिए पाठ्यविवरण

1. मत्स्य गियर और डिजाइन
  - (1) मत्स्य गियर का परिचय
  - (2) वेगो मत्स्य गियर का वर्गीकरण
  - (3) आधुनिक मत्स्य गियर और उसका वर्गीकरण
  - (4) विभिन्न प्रकार के मत्स्य गियर—गियर जालियाँ, जालपोत, कोनाजालियाँ, डोरियों, बैलेदार जालियों, ट्रैपों आदि के डिजाइन के मूल सिद्धांत।
  - (5) जाली और जाली चयनात्मकता
  - (6) जाली गांठदार और गाढ़ रहित निवार
  - (7) प्रबलम्ब और प्रसत
2. मत्स्य गियर सामग्री का परिचय और मत्स्य तथा मत्स्यन पद्धतियों के संबंध में सामग्री का चयन।
  - (2) मत्स्य गियर सामग्री का विवरण प्राकृतिक रेशे और कृत्रिम रेशों का वर्णन और ध्योरे। सामग्री के गुण घनत्व, प्रबलता, अपघर्षण प्रतिरोधी आदि लकड़ी का सामान।
  - (3) द्विनी और रस्सियों की संख्या प्रणाली—जेबेनियर, टेक्स मिट्रिक और उमका परिवर्तन।
  - (4) द्विनी और रस्सियों की संरचना ऐसे सूत मरोड़ना गुम्फन आदि।
  - (5) इस्पात रस्सियाँ—सामग्री और संरचना मिश्रित व्यवस्था।
  - (6) प्लब प्रयोजन और प्रकार—उत्प्लावकता, अतिरिक्त उत्प्लावकता।
  - (7) निमज्जका प्रयोजन और प्रकार
3. मत्स्य तकनीक :
  - (1) मछली पकड़ने के सिद्धांत
2. मछलियों को पकड़ने के संबंध में विभिन्न मत्स्य पद्धतियों का वर्णन :
  - क. क्लोम की जाली—मूल सिद्धांत
  - क-1 साधारण क्लोम की जाली (क-2) महाजाल (क-3) संयुक्त क्लोम की जालियाँ उर्ध्व और शैतिज संयोजन
  - क-4 मत्स्यन गहराई तल मध्य जल और पंथी—जाल और प्रवाही जाल।
  - ख. कोना जाल (घेरना) मूल सिद्धांत
  - क-1 किनारा कोना जाल या तट कोना जाल
  - ख. 2 नौका कोना जाल—सम्पारा, रूकी कोना जाल
  - ग. मत्स्यनौका मूल सिद्धांत
  - ग-1 मत्स्य नौका का वर्गीकरण—मोटर मत्स्य नौका बाह्य रिगर मत्स्य नौका और मध्यधारा मत्स्य नौका।
  - घ. डोरियों से मत्स्यन।
  - घ. 1 साधारण डोरी, बहुल राध डोरी और लंबी डोरी।

- घ. 2 टुना लंबी रस्सी
- घ. 3 शार्क और श्मय मच्छली पकड़ने की लंबी डोरी ।
- ड. सेट थैला ज रलियों मूल सिद्धांत
- ड. 1 पणजासियां
- च. जाल मत्स्य—मूल सिद्धांत

## 4. डेक उपकरण :

1. डेक उपस्करों का परिचय तथा अनसा प्रयोजन
2. विभिन्न प्रकार के मत्स्यन के लिए विभिन्न प्रकार के डेक उपस्कर
  - 2.1 महाजाल विषे
  - 2.2 खर्की कोना विषे
  - 2.3 विष संयोजन
  - 2.4 जाल विषकु (जाल ड्रम)
  - 2.5 डोरी बहक गिल जाल और गुर्दी लम्बी डोरी बहक
  - 2.6 हस्तरील
  - 2.7 रस्सी रजक
  - 2.8 शक्ति ब्लाक और ध्यानांतरण ब्लाक
3. अपर के कार्यकारी सिद्धांत

## 5. मत्स्य उशामास :

1. ओट्टर-बोर्डे, निमाष या उत्थान यंत्र, विस्थापन, धरन महाजाल, शीष उद्देश्य
2. प्लव डलबों डम्पनों—प्रयोजन
3. स्टोपर लिंक सहित खर्की मित्रिय शकल धिम्बल जी लिंक केस्वी की आँख
4. बाफिक गियर

## 6. डेक विन्यास

विभिन्न प्रकार के मत्स्यन के लिए जिसके अंतर्गत संयोजन भी है, डेक विन्यासों को विभिन्न प्रकार

1. क्लोम जालक.  
नौका बीजन यंत्र, डडसा बीजन यंत्र और रील गिल जालक
2. मत्स्य नौका  
ड बूसा मत्स्य नौका, पाश्वर्य मत्स्य नौका और बाह्य-रिगर मत्स्य नौका
3. खर्की मत्स्यक नौकोनाजाय
4. लंबी डोरी
5. जलयानों आदि का संयोजन (मत्स्यन नौका-खर्की कोनाजाल, मत्स्य नौका गिल जालक और उनके प्रयोजन)

## 7. मत्स्यन जीव विज्ञान और मच्छली कोसंभालना :

1. समुद्री पर्यावरण
2. मच्छलियों का स्थानांतरण
3. भारतीय समुद्री मत्स्यता
4. जालक पर मच्छली कोसंभालना

## 8. समुद्री विज्ञान और समुद्री मीसम विज्ञान ।

1. बायुमंडल, बायुमंडलीक दाब, बायुमंडल में जल-वाष्प, दृश्यता, बादल
2. दाब प्रवेणता और बायु, हिन्दमहासागर में साधारण दाब और बायु बितरण नियतकामिक और स्थानीय बायु ।
3. मौसम सन्देश
4. मत्स्यन जलयानों में साधारणतया उपयोग किए जाने वाले जालीदार उपकरण ।

## 9. मच्छलियों का पता लगाना :

1. प्रारम्भिक ध्वनि विज्ञान
2. मत्स्यन में उपयोग किए जाने वाले ध्वनिकीतिक उपस्कर

## 10. मूल-गियर के प्रयोग :

- मूल बंड पर छिद्रद्वार जाती-लगाना-जाती तानना और आड़ी जाती और समग्र जाती तानना।
- जाती बनाने के उपकरण निम्न प्रकार हैं
  - मूल रूप से जाती बनाना-महाजाल-गांड, पृष्ठ गांड, (गोल गांड, दोहरी गांड आदि) का अभ्यास।
  - गुंथी हुई जाती का आकार देना--सिलबट डालना, मच्छला का धारा डालना।
  - सिलार्ड द्वारा जाती का आकार देना
  - लटकन (आरोपण) जाती लगाना, शीर्ष और पार्श्व आरोपण, लटकन अनुपात को विभिन्न पद्धतियां
  - जाती को जोड़ना
  - परम्पत करना
  - समनुबंधन-रस्सी समनुबंधन और तान रस्सी समनुबंधन

परिशिष्ट "घ"

[नियम 7 (2) देखिए]

उच्च मत्स्य प्रौद्योगिकी पाठ्य विवरण के लिए पाठ्य विवरण:

- मत्स्य गियर और डिजाइन
  - मत्स्य गियर का परिचय--मच्छली पकड़ने के मूल सिद्धांत
  - आधुनिक मत्स्य गियर का वर्गीकरण
  - विभिन्न प्रकार के मत्स्य गियरों के डिजाइन तैयार करने के सिद्धांत
    - गिल जाती
      - पृष्ठ गिल जाती
      - पैडी गिल जाती--रूख और डूरी
      - बड़ी परकार जाती
      - ऊर्ध्व र संयोजन और क्षैतिज संयोजन जाती
    - जाती लगाना--छिद्र जाती, छड़, जाल तानना, आड़ी जाती
    - जाती को आकार देना गुथना धारा लगाना
    - विशेष प्रकार की मच्छली के संबंध में विभिन्न प्रकार के मत्स्य गियर के लिए लटकन अनुपात का महत्व।
- मत्स्य गियर सामग्री :
  - विभिन्न प्रकार की जाती बनाने की सामग्री-- प्राकृतिक और कृत्रिम
  - मच्छली तथा मत्स्य पद्धतियों के संबंध में सामग्रियों का चयन अवेक्षित घनत्व अपघर्षण प्रतिरोधी ध्यास लपेटन, प्रबलता डूबना गति आदि।
  - इस्पात के तार की रस्सियों का चयन और संयोजन रस्सियों का निर्माण नभ्यता, प्रबलता।
- मत्स्यन तकनीक
  - आधुनिक मत्स्य पद्धतियां
    - आधुनिक मत्स्य पद्धतियों की विशेष प्रकार वर्णन
    - मत्स्य ग्रहण, खर्ची--कोना जाल पर प्रकाश लगाना
    - आधुनिक मत्स्य ग्रहण पद्धतियां जैसे लक्य किए महाजाल से मत्स्य खर्ची --कोना जाल पर प्रकाश लगाना, बिजली से मत्स्यन आदि का आधुनिक विकास और सुधार
    - मध्य धारा महाजाल से मत्स्य एकल नौका और द्विकल नौका
  - गिल जालियां
    - मरल गिल जाती, बड़ी परकार जाती, ऊर्ध्वार और क्षैतिज सहित गिल जाल-पृष्ठ पैडी और स्तंभ-रूख और डूरी
  - कांटा और मत्स्यन डोरी
    - कलवा के लिए रोल हथ डोरियां
    - टुना लंबी डोरी लगाना
    - शार्क के लिए लंबी डोरी लगाना-
    - अन्य मच्छलियों के लिए डोरी लगाना
  - स्किब्ड
  - जाल मत्स्यन

## 4. डैका उपस्कर :

1. सामान्य डैक उपकरण, विद्युत् गुर्धी डोरी कावर्णन शक्ति बनाक मोफिया रस्सी जालू पिच-आल ड्रम, रोल रक्षक, जहाजी खूटा आदि
2. डैक मस्स उपस्कर
  - (ग) महाजाल विद्युत् (डोरी और सामानात्मरित ड्रम में) (वर्णन, कार्यकरण क्षमता) सार क्षमता और भार ग्रहण क्षमता, गति क्षमता तथा चयन
  - (ख) खर्ची--कोना विद्युत् (उपरोक्तानुसार)
  - (ग) संयोजन विद्युत् (उपरोक्तानुसार)
  - (घ) स्प्रिन्ट विद्युत् (उपरोक्तानुसार)
  - (ङ) जाली विद्युत् (उपरोक्तानुसार)
  - (च) गुर्धी--वर्णन, कार्यकरण, गति, भार ग्रहण क्षमता, चयन
  - (छ) फुमान डोरी--वर्णन, कार्यकरण और गति, भारग्रहण क्षमता, चयन
  - (ज) हथ डोरी रोल--वर्णन, कार्यकरण और चयन
  - (झ) ब्लाक परिवर्तन--वर्णन, कार्यकरण और चयन
  - (ञ) महाजाल आर्टि विद्युत् (वेबल विद्युत्)
  - (ट) जालीदार कबल चयन
  - (ठ) त्रिप्लेक्स जालीदार विद्युत्--वर्णन और कूल

## 6. मस्स उपसाधन :

1. ओटटेर फलन
- 1.क. धायताकार
- 1.ख. प्रणवाकार
- 1.ग. धी--फार्म
- 1.घ. उर्ध्वाकर चक्र
- 1.ङ. क्षीतिज चक्र--आउटटेर फलकों का चयन
2. धरत ("महाजाल धरतों के लिए) वर्णन, प्रकार
3. महाजाल शीर्ष (महाजाल धरतों के लिए) वर्णन, कार्यकरण और प्रकार
4. निभाव/उत्थापन यंत्र--वर्णन, कार्यकरण और प्रकार
5. डोलने कृत्य प्रकार और वर्णन
6. प्लवन, सिंकर, बोधिन रस्सी आदि, कृत्य, वर्णन, प्रकार, चयन
7. खर्ची--बलय, काठ सिरा बलय, गैकलस् फिस्की थिम्बल--कृत्य वर्णन, प्रकार और चयन
8. रस्सी रक्षक--कृत्य वर्णन और कार
9. जहाजी खूटे, क्लीटस्, डोलखर्ची आदि
10. हाइड्रोप्रांफिक विद्युत् प्रयोजन

## 6. डैक विस्थापन :

1. गिल आसक
 

जलयाम के प्रकार और आकार, डैक की आकृति हंडन की स्थिति, वसा प्रचालन के लिए डैक विस्थापन, गियर को संभालने के लिए समुचित डैक उपस्कर लगाना (मंडवान बीजम यंत्र, पिच्छन बीजम यंत्र, रोल गिल आसक।
2. महाजाल:
 

विद्युत् के प्रकार, रसा रस्सी के प्रकार, गैलोस् के प्रकार, स्थिति और संस्थापन, पिच्छल महाजाल, खरा प्रकार के लिए व्यवस्थाएं, काठ सिराओं बालों के लिए व्यवस्थाएं, आउटरिगर महाजाल के लिए व्यवस्थाएं।

  - (ख) पाइवं महाजाल

विद्युत्, रसा रस्सियां गैलोस् तीकपर्ण ब्लाक--प्रकार, आकार चयन, स्थिति और संस्थापन

  - (ग) आउट रिगर महाजाल

विद्युत् रसा रस्सियां, आउड रिगर धरत का प्रकार आकार और लंबाई, चयन स्थिति और संस्थापन।



## (घ) छर्की कोनाजाल :

- घ. 1. छर्की कोनाजाल विच, (प्रकार, क्षमता, गति, चयन, स्थिति और संस्थापन) ।
- घ. 2. छर्की सेविट—प्रकार, स्थिति और संस्थापन ((ढाका बाज या जमना बाजू—बरोबन्दी की विधा—दक्षिणावर्त/प्रतिदक्षिणावर्त) ।
- घ. 3. मंदास प्रणोदक, पिच्छल प्रणोदक—कृत्य
- घ. 4. जाल खींचने की विच (द्विप्लेक्स जाल विच—कृत्य, प्रकार स्थिति और संस्थापन) ।
- घ. 5. शक्ति ब्लोक—क्षमता, गति, प्रकार, स्थिति, और संस्थापन
- घ. 6. स्थानांतरण ब्लोक—प्रकार, स्थिति तथा संस्थापन
- घ. 7. नासीवार जासी—स्थिति :
  - क. लम्बी रस्सी—जलयान का आकार और मत्स्य स्वल्प के संबंध में सहज शक्ति लंबी रस्सी कर्षण—प्रकार, आकार, गति (परि-वर्तनशील गति) चयन, स्थिति तथा संस्थापन
  - ख. शूटिंग डू और नासी स्थिति
  - ग. चारा—तेरा आक्षण—भंडारण
  - घ. कर्षण के समय बाहक पद्धति
  - ङ. रेल रोलर—प्रकार, कृत्य, स्थिति तथा संस्थापन
  - च. मत्स्य पकड़ने की स्थिति और क्षमता
  - छ. प्रसंस्करण सुविधा। संयोजन जलमान सहित उक्त के लिए विशेष डेक व्यवस्थाएं—बच प्रयोजन के लिए संयोजन की सर्वोत्तम प्रकार।

## 7. मत्स्य जी-विज्ञान और मछली को संभालना:

1. परिष्कायी और तलप्लायी मत्स्यकी के बीच आपसी संबंध समुद्र तल जीव और तल पैदी मत्स्यन भारतीय महत्वपूर्ण बाणिज्यिक मत्स्य के श्रोत मत्स्य गियर के संबंध में मत्स्य व्यवहार मछली को संभालना

## 8. मछली बुंदना :

1. मत्स्यन में इलैक्ट्रानिकी
2. मछली ध्वनिज, सोनार और आली ध्वनिज, व्यावहारिक रूप से लागू करना
3. प्रतिध्वनि ग्राम का निर्बंधन

## 9. समुद्री विज्ञान और मौसम विज्ञान

1. पर्यावरण अवस्थाओं के संबंध में मछली का व्यवहार
2. मौसम की चेतावनी

## 10. प्लोट संबंध :

1. मत्स्य प्लोट संगठन  
श्रोतों मत्स्यन/स्वलों/प्रणाली विज्ञान की तुलना में अपेक्षित जलयान का प्रकार और आकार
2. तट सुविधाएं
2. क. घाट लगाना—लघाई/उत्तरार्ध
2. ख. ईंधन लेना
2. ग. तोजा जल
2. घ. भंडारण
2. घ. 1. शीत भंडारण बैंक संभग
2. घ. 2 मत्स्य गियर
2. घ. 3. इजन के फालतु पुर्ज
2. घ. 4. सामान्य
2. घ. 5. प्रसंस्करण—द्विमीकरण/द्विभाबंधी

## 3. वार्षिक प्रबंध

## परिक्षित—३

(नियम 8 देखिए)

दृष्टि परीक्षण

भाग—1

## 1. प्राथमिकः

- (क) इन परीक्षणों का उद्देश्य यह पता लगाना है कि अभ्यर्थी की दृष्टि पर्याप्त रूप से अच्छी हो ताकि वह समूह में दूर के पोंतों के प्रकाश को सही ढंग से पहचान सके। अनुभव से ज्ञात हुआ है कि इस उद्देश्य के लिये उसे एक और बर्ण बोध में कतिपय न्यूनतम मानकों तक योग्य होना चाहिये।
- (ख) लिये जाने वाले परीक्षणों में "अक्षर परीक्षण" और "प्रकाश परीक्षण" सम्मिलित है जिसके ध्येरे नीचे दिये गये हैं। अक्षर परीक्षण केवल रूप बोध का परीक्षण है और प्रकाश परीक्षण रूप और बर्ण बोध दोनों का संयुक्त रूप से परीक्षण है।
- (ग) परीक्षक अभ्यर्थी द्वारा अक्षर परीक्षण और प्रकाश परीक्षण दोनों में भी गई सभी भूलों का अभिलेख रखेगा।

## 2. लागू होगा :

- (क) प्रत्येक ऐसा अभ्यर्थी जो समूह में पहली बार किसी जलयान के डेक विभाग में सेवा के लिये जा रहा हो और ऐसा कोई अन्य अभ्यर्थी जो सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षा के किसी भाग से भिन्न दृष्टि परीक्षण की बाधा करता हो, इस परिशिष्ट के उपबन्ध में विहित प्ररूप में आवेदन करेगा और परिशिष्ट "अ" में विहित फीस का संवाय करेगा।
- (ख) सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षा के लिये किसी अभ्यर्थी से दृष्टि परीक्षण के लिये पृथक रूप से आवेदन करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी और वह सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षा के लिये परिशिष्ट "ब" में विहित फीस से भिन्न किसी फीस का संवाय नहीं करेगा।

भाग—2

## अक्षर परीक्षण

## 3. साधित :

ऐसा प्रथमपरीक्षक जो अभ्यर्थी से अपेक्षित है वह अक्षर परीक्षण होगा और जो अक्षर कागजों के सहायता से सेनेन निदान्त पर संवाहित होगा। हर कागज पर पांचवीं, छठी और सातवीं पंक्तियां क्रमशः : 8/12, 8/9 और 6/6 मान के प्ररूप होगी।

## 4. कृत्रिम साहाय्य

परीक्षण प्रारंभ होने से पूर्व ऐसा अभ्यर्थी जो नया प्रवेशकर्ता नहीं है परीक्षक की सलाह देगा कि वह दृष्टि के लिये कृत्रिम साहाय्य का प्रयोग करना चाहता है या नहीं। दृष्टि के लिये ऐसे साहाय्यों बर्णों या कन्टेक्ट लेंस होंगे। रंगदार लेंसों को अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।

## 5. अपेक्षित दृष्टि का मानक :

- (क) अभ्यर्थी के प्रत्येक नेत्र का पृथक रूप से परीक्षण होगा।
- (ख) नये प्रवेशकर्ता से भिन्न किसी ऐसे अभ्यर्थी से, जो कृत्रिम साहाय्यों प्रयोग के बिना दृष्टि परीक्षण का प्रयास करता है उससे नीचे निम्नी सातवीं पंक्ति को अष्टो नेत्र से और उसके नीचे तथा दूसरी आंख से छठी पंक्ति को पढ़ने की अपेक्षा की जायेगी।
- (ग) नये प्रवेशकर्ता से भिन्न किसी ऐसे अभ्यर्थी से, जो कृत्रिम साहाय्यों को उपयोग करते हुए दृष्टि परीक्षण कराने का प्रयास करता है उतने निम्नलिखित अपेक्षित होगा।
- (1) वह कृत्रिम साहाय्यों से नीचे और अधिक अष्टो नेत्र से सातवीं पंक्ति को और उसके नीचे तथा दूसरे नेत्र से छठी-पंक्ति को पढ़े, और
- (2) कृत्रिम साहाय्यों के बिना नीचे और अधिक अष्टो नेत्र से पांचवीं पंक्ति को और उसके नीचे तथा दूसरे नेत्र से तीसरी पंक्ति को पढ़े।
- (घ) ऐसे अभ्यर्थी से, जो नया प्रवेशकर्ता है यह अपेक्षित होगा कि वह नीचे अष्टो नेत्र से सातवीं पंक्ति और दूसरे नेत्र से छठी पंक्ति को पढ़े। उससे यह भी अपेक्षा की जायेगी कि वह दोनों नेत्रों से सातवीं पंक्ति में सभी अक्षरों को पढ़े। उसे कृत्रिम साहाय्यों का प्रयोग करने की अनुज्ञा नहीं होगी।

## 6. परीक्षण की पद्धति :

- (क) परीक्षण कार्ड को किसी सुविधाजनक ऊंचाई पर रखा जायेगा और उसे समुचित रूप से प्रवीप्त किया जायेगा, दिन के प्रकाश का उपयोग नहीं किया जायेगा। परीक्षण काल साधारणतया प्रकाशित किया जायेगा जिससे परीक्षण कार्ड और उसकी पृष्ठभूमि के मध्य अव्यतिक्रम विषमता से बचा जा सके।
- (ख) अभ्यर्थी, कार्ड से उसकी और वर्गाकार रूप से मुंह करते हुए ठीक 6 मीटर की दूरी पर खड़ा होगा। तब उससे कागज पर ऊपर से प्रारंभ करके दाएँ से बाएँ और ऊपर से नीचे की ओर अक्षरों को पढ़ने की अपेक्षा की जायेगी।
- (ग) अभ्यर्थी की ओर से किसी धोके की संभावना के विरुद्ध बचाव के लिये परीक्षण शीट के क्रम में फेरफार करके सावधानी बरती जायेगी।

## 7. अवसक्तता :

यदि कोई अभ्यर्थी पहली शीट पर अपेक्षित मानक स्तर तक पहुंचने में असफल रहता है तो, उसका क्रम से क्रम बार शीटों में उसका परीक्षण किया जायेगा। यदि वह बार शीटों में से कम से कम तीन में मानक स्तर तक पहुंचने में असफल रहता है तो उसे निम्नलिखित विकल्प स्पष्ट किये जा सकेंगे।

- (क) वह परीक्षण छोड़ दे और तीन मास से अग्र्यून की अवधि में पुनः परीक्षण के लिये स्वयं को उपस्थित करेगा, इस वधा में उसे इस परिशिष्ट के अपबन्ध 2 में विहित प्ररूप में असफलता का प्रमाण जारी किया जायेगा, या
- (ख) यदि वह नया प्रवेशकर्ता नहीं है और उसने अपने पहले प्रयास में कृत्रिम साहाय्यों का उपयोग न किया है, तो वह किसी भी समय कृत्रिम साहाय्यों सहित साथ पुनः परीक्षण के लिये स्वयं को उपस्थित हो, या
- (ग) वह प्रकाश परीक्षण के लिये जा सकेगा। इस वधा में अक्षर परीक्षण में की गई भूलों का रखा जायेगा और प्रकाश परीक्षण में की गई सभी भूलों के अभिलेख यदि कोई हो, मुख्य परीक्षक को भेज दिया जायेगा, जो यह विनियत करेगा कि अभ्यर्थी दृष्टि परीक्षण में उत्तीर्ण है या अनुत्तीर्ण।

## भाग—3

## प्रकाश परीक्षण

## 8. उपकरण :

- (क) इस परीक्षण के लिये विशेष लाइटेन और वर्ण उपलब्ध कराई जायेगी। परीक्षण अंधेरे कम में किया जायेगा जिससे सभी प्रकार से बचा जा सके
- (ख) लाइटेन प्रत्यक्षतः दर्पण के सामने रखी जायेगी जिससे कि लाइटेन का अग्र भाग दर्पण से ठीक 3.05 मीटर की दूरी पर हो और ऐसी व्यवस्था में हो कि उसे अभ्यर्थी लाइटेन के बायीं ओर से देखे तो उसे दर्पण में परावर्तित प्रकाश स्पष्ट रूप से दिखाई दे।

## 9. कृत्रिम साहाय्य :

नये प्रवेशकर्ता से भिन्न ऐसा कोई अभ्यर्थी जिसने अक्षर परीक्षण में कृत्रिम साहाय्यों का उपयोग किया है, लाइटेन—परीक्षण में भी ऐसे साहाय्यों का उपयोग करता रहेगा।

## 10. अंधेरा अनुकूलन :

यदि कोई अभ्यर्थी प्रकाश परीक्षण के प्रारंभ में भूल करता है तो उसे कम से कम एक चौपाई घंटे तक सम्पूर्ण अंधेरे या प्राकृतिक रूप से अंधेरे कम में रखा जायेगा और तब पुनः परीक्षण प्राप्त होगा।

## 11. परीक्षण की पद्धति :

- (क) परीक्षण के लिये प्रदान की गई लाइटेन इस तरह निर्मित होगी कि उसमें एक बड़ा प्रकाश या दो छोटे प्रकाश दिखाई दे, और उसमें लाल संकेत और हरे तीन रंगों के कांच लगे हुए होंगे। परीक्षण के प्रारंभ में अभ्यर्थी को बड़े छिद्र से प्रकाश को श्रुद्धता दिखाई जायेगी और उससे उन रंगों का नाम बताने की अपेक्षा की जायेगी जो उसे दिखाई दे।
- (ख) बड़े छिद्र उसके पश्चात् अभ्यर्थी को दो छोटे छिद्रों से चार सम्पूर्ण परिपथों और एक दृढ़ परिपथ दक्षित किया जायेगा जो बायें से दायें दो प्रकाशों के दो सेटों के रंग का नाम बसायेगा।

## 12. परिणाम :

- (क) अक्षर परीक्षण उत्तीर्ण करने के पश्चात् यदि कोई अभ्यर्थी प्रकाश परीक्षण में भूल नहीं करता है, तो उसे सम्पूर्ण परीक्षण में उत्तीर्ण समझा जायेगा और परीक्षक इस परिशिष्ट के उपबन्ध 2 में विहित प्ररूप में उस प्राणय का प्रमाणपत्र जारी करेगा।
- (ख) यदि कोई अभ्यर्थी लाइटेन के दोनों छिद्रों से लाल के लिये हरा या हरे के लिये लाल की भूल करता है तो उसे प्रकाश परीक्षण में असफल समझा जायेगा और उसे इस परिशिष्ट के उपबन्ध—11 में विहित प्ररूप में प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा।
- (ग) यदि कोई अभ्यर्थी प्रकाश परीक्षण में कोई भूल करता है अर्थात् यदि वह "सफेद" को "लाल" या लाल को "सफेद" बताता है या हरे और सफेद में भ्रम रखता है तो उसका मामला मुख्य परीक्षक को प्रस्तुत किया जायेगा, और उसे सूचित किया जायेगा कि वह उत्तीर्ण हुआ है या अनुत्तीर्ण या उसे अग्र परीक्षण करवाना चाहिये और उसे सम्पूर्ण अनुक्रम से संसूचित किया जायेगा। मुख्य परीक्षक के अनुवेदों की प्राप्ति तक कोई अभ्यर्थी इस अभिव्यक्त समझ के साथ कि उसके दृष्टि परीक्षा में असफल होने की वधा में यह परीक्षा रद्द हो जायेगी।

## 13. असफल अभ्यर्थी का पुनः परीक्षण :

ऐसे किसी अभ्यर्थी का, जो प्रकाश परीक्षण में असफल हो जाता है स्वतंत्र रूप से पुनः परीक्षण नहीं किया जायेगा जब तक कि मुख्य परीक्षक यह निवेदन न दे कि उसका इस प्रकार परीक्षण किया जाये।

## भाग—3

## विशेष परीक्षा और अपील

## 14. विशेष परीक्षा :

ऐसे किसी अभ्यर्थी की वधा में जिसके पैरा 12 के उप पैरा (ग) के उपबन्धों के अधीन मुख्य परीक्षक को निर्दिष्ट किया गया है, मुख्य परीक्षक किसी विशेष परीक्षा के लिये प्रबंध कर सकेगा।

## 15. अपील :

ऐसा कोई अभ्यर्थी, जिसे प्रकाश परीक्षण में असफल अभिविनियत किया गया है, पुनर्विचार के लिये अपील कर सकेगा। प्रत्येक वधा में मुख्य परीक्षक अभ्यर्थी की परीक्षा के लिये प्रबंध करेगा। प्रत्येक ऐसा अपीलार्थी परिशिष्टों में विहित अधीन नियम का पालन करेगा, जो यदि उसे परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ भीषित कर दिया जाता है, तो उसे वापस कर दी जायेगी।

## 16. परीक्षा बोर्ड :

विशेष और अपील परीक्षाएं बोर्ड द्वारा संचालित की जायेंगी, जिनमें मुख्य परीक्षक या उसका नामनिर्दिष्टिती तथा मुख्य परीक्षक द्वारा नियुक्त कोई नेत्र दृष्टि की विशेषज्ञ सलाहकार होगा।

## 17. उपस्थिति की पाबंधी :

- (क) जब कभी बोर्ड द्वारा किसी विशेष या अपील परीक्षा का प्रबंध किया जाता है तो मुख्य परीक्षक अभ्यर्थी को ऐसी परीक्षा की तारीख और समय की सूचना पर्याप्त समय पूर्व देगा।
- (ख) कोई अभ्यर्थी, जो परीक्षा में उपस्थित होने देने में असमर्थ है तुरंत अपनी असमर्थता और उसके कारणों की मुख्य परीक्षक को सूचना देगा यदि मुख्य परीक्षक का समाधान हो जाता है, तो वह परीक्षा कार्यक्रम में परिवर्तन कर सकेगा और वह अभ्यर्थी को परीक्षा की पुनरीक्षित समय-सारणी की सूचना देगा।
- (ग) यदि कोई अभ्यर्थी जो पैरा 14 के अधीन विशेष परीक्षा में नियत तारीख और समय पर परीक्षा में बैठने में असफल रहता है, तो मुख्य परीक्षक किसी अनिश्चित अवधि तक उसकी परीक्षा को आस्थगित कर सकेगा।
- (घ) यदि कोई अभ्यर्थी, जो पैरा 15 के अधीन अपीलार्थी है, नियत तारीख और समय पर परीक्षा में बैठने में असफल रहता है तो उसके द्वारा संवत् फीस समय कर ली जायेगी। परीक्षा के बोर्ड, पैरा 15 के अधीन और फीस के संदाय पर किसी अन्य तारीख को उसकी परीक्षा का प्रबंध कर सकेगा।

## 18. असफलता :

- (क) जहां पर 14 या 15 के अधीन बोर्ड के समक्ष परीक्षा में बैठने वाले किसी अभ्यर्थी की नेत्र दृष्टि में कोई स्थायी दोष पाया जाता है जिससे वह समुद्री सेवा के लिये उपयोग्य हो जाता है, तो ऐसा अभ्यर्थी को अंतिम रूप से अस्वीकृत कर दिया जायेगा और उसे भविष्य में पैरा 19 के अधीन के सिवाय किसी अवसर पर दृष्टि परीक्षण में बैठने के लिये अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।
- (ख) कोई ऐसा अभ्यर्थी जो परीक्षण में असफल हो जाता है किन्तु उसे किसी स्थायी दृष्टि दोष से मुक्त पाये जाने होने पर उसके कारणों से अंतिम रूप से अस्वीकृत नहीं किया जाता है तो वह अपने चयन पर पैरा 15 के अधीन किसी अपीलार्थी के रूप में बोर्ड के समक्ष उस परीक्षा की तारीख से तीन मास की समाप्ति पर परीक्षा में बैठ सकेगा या पैरा 19 के अधीन पुनः परीक्षा में बैठने का आवेदन कर सकेगा।

## 19. पुनः परीक्षा :

- (क) कोई ऐसा अभ्यर्थी जो अपील परीक्षा में, नेत्र में स्थायी दोष के कारण या उनके बिना परीक्षा में असफल रहता है तो परिशिष्ट 8 में बहिष्त फीस के संदाय पर उसकी ओर से नेत्र प्रत्य चिकित्सा की उपस्थिति में बोर्ड द्वारा पुनः परीक्षा में बैठने का आवेदन कर सकेगा। चाहे अभ्यर्थी अंतिम रूप से उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण/अधिनिर्णीत किया जाता है वापस नहीं की जायेगी।
- (ख) मुख्य परीक्षक अभ्यर्थी और नेत्र-मल्य चिकित्सक के परामर्श से पुनः परीक्षा की तारीख और समय नियत की जायेगी; यदि अभ्यर्थी पुनः परीक्षा में बैठने में असफल रहता है, तो फीस समग्रहृत कर ली जायेगी। इस पैरा के अधीन में केवल और फीस के संदाय पर अन्य किसी तारीख को पुनः परीक्षा का प्रबंध किया जा सकेगा।

अक्रान्त रूप से .....  
(केवल कार्यालय उपयोग के लिए)

## उपाबंध-5

दृष्टि परीक्षण के लिए आवेदन पत्र

- (1) परीक्षा का स्थान .....
- (2 क) उप नाम .....
- (ख) पूरा नाम .....
- (3) स्थायी पता .....
- (4) सेवानुमित पुरितिका सं. ....
- (यदि कोई हो)
- (5) राष्ट्रिकता .....
- (6) जन्म तारीख .....
- (7) जन्म स्थान .....
- (8) ऊंचाई (से. मी.) .....
- (9) आँखों का रंग .....
- (10) रंग .....



- (11) पहचान चिह्न .....  
 (12) रैंक (यदि समुद्र में सेवागत हों) .....  
 (13) यदि समुद्र में जाने वाले हों .....  
 (क) कम्पनी का नाम .....  
 (ख) देशिकता .....  
 (14) अनेकों दृष्टि परीक्षण की तारीख .....  
 उ-परिणाम ..... उत्तीर्ण/प्रत्यूत्तीर्ण.

अभ्यर्थी की घोषणा:—मैं घोषणा करता हूँ कि उपर कथित विविधियों मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और सत्य है। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि स्तंभ 14 में कथित के सिवाय मेरी दृष्टि अथवा किसी बाणिज्यिक समुद्री विभाग में नहीं की गई थी। मैं दृष्टि के कृत्रिम साहाय्यों का उपयोग करता हूँ/नहीं करता हूँ।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

उत्तीर्ण घोषणा पर मेरा उत्स्विका में हस्ताक्षर किए गए थे।

मास्टर और मेंट

बाणिज्यिक समुद्री विभाग

जिला

का परीक्षक

(ख) दृष्टि परीक्षण के लिए ..... कीमत प्राप्त हुई।

तारीख

हस्ताक्षर

स्थान

(ग) परीक्षक का प्रमाणपत्र :—

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर उचित अभ्यर्थी का बाणिज्यिक पोत परिवहन (मत्स्य जलयान के स्तोत्र और मेंट की परीक्षा) दिनांक 1981 के परिशिष्ट ख के उपबंधों के अधीन दृष्टि परीक्षण किया गया था।

परीक्षण के परिणाम निम्नलिखित थे :

	दृष्टि साहाय्य के या उनके बिना	रूप	रंग	परिणाम
मानक				
नई प्रविष्टि				

- (1) उसकी दृष्टि के कृत्रिम साहाय्यों के साथ किसी भी समय परीक्षा की जाए।
- (2) उसकी परीक्षा तीन मास अवगत होने पर परीक्षा की जा सकेगी।
- (3) उसकी परीक्षा मुख्य परीक्षक के पूर्व अनुमोदन के बिना पुनः परीक्षा नहीं की जाएगी।

परीक्षक

टिप्पणी:—यदि असफल हो जाता है या अपने सलाह के लिए निर्दिष्ट किया जाता है, तो इस आवेदन प्रारूप की एक प्रति एक विस्तृत रिपोर्ट सहित मुख्य परीक्षक को भेजी जाएगी।

\*यदि परीक्षा नहीं हुई है तो "नहीं हुई" उपबंधित करें। जो लागू न हों उन्हें काट दें।

कक्ष—1

उपबंध-2

दृष्टि परीक्षण प्रमाण पत्र

पूरा नाम :

(स्पष्ट अक्षरों में)

जन्म की तारीख

स्थान

रैंक

अंश

अक्षरों का रंग

बाल

शरीर का रंग

पहचान चिह्न

परीक्षा का परिणाम

\*दृष्टि की सहायता के लिए हल्किम सहाय्यों सहित या उसके बिना ।

- \*1. किसी भी समय स्थानीय तौर पर हल्किम सहाय्यों के साथ परीक्षा की जा सकती है ।
2. स्थानीय तौर पर तीन मास के भीतर परीक्षा की जा सकती है ।
3. मुख्य परीक्षक के आदेश के बिना स्थानीय तौर पर परीक्षा नहीं की जा सकती ।

\*जो कब्य लागू न होते हों, उन्हें काट दीजिए ।

में प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर दी गई विविधियाँ सही हैं ।

तारीख ..... जिला

तारीख ..... 19 .....

परीक्षक के हस्ताक्षर :

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :

टिप्पण :—अभ्यर्थी को यह प्रमाणपत्र पुनः प्रीक्षा करते समय पेश करना चाहिए ।

परिशिष्ट—ब

मिगम ७ (1), 43 (3) के लिए

बन्धनमुक्त म सं .....  
(केवल कार्यालय में उपयोग के लिए)

मत्स्यन जलमाल के लिए स्कीपर और मीलों की परीक्षा के लिए आवेदन

1. परीक्षा का क्षेत्र .....
2. परीक्षा का स्थान : पूर्व/कलकत्ता/मद्रास/विशाखापट्टनम/कोचिन

3. (क) उप नाम .....

(स्पष्ट प्रश्नों में)

4. (क) स्थायी पता : .....

(ख) वर्तमान पता : .....

(ग) टेलिफोन सं. (यदि कोई है) .....

5. संबन्धित पुस्तिका या सेवा अभिलेख सं. ....

6. राष्ट्रीयता : .....

7. जन्म तिथि .....

(सबूत पेश करना होगा)

8. जन्म स्थान .....

9. ऊंचाई ..... सें. भी.

10. आंखों का रंग ..... बाल .....

11. शरीर का रंग .....

12. अंकित चिह्न .....

13. सख्तमता/सिवा पूर्व-प्रमाणपत्र (यदि कोई हो) के ब्यारे

(क) ग्रेड ..... एफजी/एचडी

(ख) प्रमाणपत्र सं. ....

(ग) जारी करने की तारीख ।

कोटी  
(एक प्रति लगाइए और पत्र-प्रमाणित प्रति संलग्न की जाजिए)

14. क्या आपका प्रमाणपत्र किसी प्राधिकारी द्वारा रद्द या निर्दिष्ट किया गया या ब्योरे दीजिए:.....

15. शैक्षिक योग्यता और कृतिक प्रमाण के ब्योरे :--

(क) शैक्षिक योग्यता : विद्यालय/महाविद्यालय.....  
उत्तीर्ण परीक्षा.....

(ख) समुद्र पूर्व प्रशिक्षण : साल बहादुर शास्त्री नौसैनिक महाविद्यालय/भारतीय नौसेना अन्य

(ग) पहले प्रयास के पूर्व सी. आई. एफ. एन. ई. टी./ए. आई. डी. सी./राजेश्वर/सीडी/ताजिक पर तारीख.....से  
उपस्थिति की अवधि (प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा) तारीख.....तक

ध्यान दें :—कोई व्यक्ति जो अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए उद्योगता या सेवा प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने प्रयोजन के लिए कोई भ्रष्टाचार प्रयत्न करता है, करता है या उसमें सहायता देता है, तो वह प्रत्येक अवसर के लिए भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 के अधीन छल करने के लिए

धीरे धारा 182 के अधीन लोक सेवक को जानबूझकर भ्रष्टाचार प्रमाणपत्र देने के लिए जो भारतीय दण्ड संहिता की दण्ड का भागी होगा।

16. समुद्री सेवा की पूरी विविधियां

वर्ग	जलयान का नाम	लंबाई	रजिस्ट्री का पत्तन और	क्षमता	आरंभ की तारीख से	तारीख तक	व्यक्ति का नाम
------	--------------	-------	-----------------------	--------	------------------	----------	----------------

17. केवल कार्यालय में प्रयोग के लिए :

प्रमाणपत्र विविधियां सं.

बारी करने की तारीख

कुछ समुद्री सेवा जिसके लिए प्रमाणपत्र प्राप्त किया जा रहा है।

समुद्री सेवा.....

(1) अभ्यर्थी की अभिलेख पुस्तिका की जांच की गई और वह संतोषजनक पाई गई/ नहीं पाई गई

व्यवस्था.....

नियंत्रणी सेवा

(2) ऊपर उचित अभ्यर्थी के रूप में उद्योगता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा में भाग लेने का पात्र है।

(कुल संख्या).....

सक्षमता/दिवा

समुद्र में प्राथमिक उपकरण

धीरे धारा

अनुभाग में विषयवस्तु के अधीन

रजिस्ट्रार प्रोसेस

रजिस्ट्रार अनुकारी

रेडियो टेलीफोन पाठ्यक्रम प्रकाशक

प्राथमिक मरस्थान प्रौद्योगिकी

उच्च मरस्थान प्रौद्योगिकी

परीक्षक

18. अभ्यर्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा :

“मैं घोषणा करता हूँ कि इस प्रश्न के पैरा 1 से 18 में दी गई विविधियां सही हैं और मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य हैं। वे दस्तावेज जिनकी विविधियां पैरा 17 में दी गई हैं और जो इस प्रश्न के साथ प्रेषित किए जा रहे हैं, सत्य और अवली हैं और उन व्यक्तियों द्वारा दिए गए तथा हस्ताक्षरित हैं जिनके नाम उनके ऊपर दिए गए हैं - मैं यह घोषणा भी करता हूँ कि पैरा 16 में दिए गए विवरण बिना किसी अपवाद के मेरी पूर्ण समुद्री सेवा का सत्य और सही लेखा प्रस्तुत करते हैं, और मैं यह घोषणा निष्ठापूर्वक और उच्च सत्य भावों से कर रहा हूँ।”

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

उपरोक्त घोषणा पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

परीक्षक

कार्यालयिक समुद्री विभाग

मुंबई/मद्रास/कलकत्ता/विशाखापट्टनम/कोचीन

19. परीक्षा में स्थान के आबंटन के लिए निवेदन

प्रयास की सं.	मास सबसे फीस	परीक्षा का भाग			अभ्यर्थी के हस्ताक्षर और तारीख
		क	ख	ग	
रकम तारीख द्वारा प्राप्त					

20. परीक्षा का परिणाम :-

वृष्टि परीक्षण पत्तन/तारीख	परिणाम	हस्ताक्षर	परीक्षा भाग			टिप्पण	हस्ताक्षर
			क	ख	ग		

21. नियम ..... और ..... के उपबंधों के अधीन हस्त अभ्यर्थी से निम्नलिखित अनुदेश पाठ्यक्रम में भाग लेने/और समुद्री सेवा करने की अपेक्षा की जाती है :-

मास	परीक्षा का पत्तन	अपेक्षा-	भाग के लिए पात्रता	परीक्षक के हस्ताक्षर	अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
-----	------------------	----------	--------------------	----------------------	-----------------------

22. परीक्षा का प्रमाणपत्र :

मैं प्रमाणित करता हूँ कि :

- (क) अभ्यर्थी ने समुद्री सेवा/निगरानी सेवा के संतोषप्रद शंसापत्र और सबूत पेश कर दिए हैं।
- (ख) अभ्यर्थी ने वाणिज्यिक पीट परिवहन नियमों की अपेक्षा की (मरस्पन जलयानस्कीपर और वेट परीक्षा) निम्नलिखित बातों के सिवाय पूर्ति की है। तथापि नियम ..... के उपबंधों के अधीन उसे परीक्षा में भाग लेने की अनुज्ञा दी गई है।

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.
- 7.
- 8.
- 9.
- 10.

- (ग) अभ्यर्थी ने ..... के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र परीक्षण उत्तीर्ण कर ली है और उसे प्राधिकार पत्र सं. तारीख ..... जारी किया गया है। उसका सक्षमता प्रमाणपत्र वाणिज्यिक समुद्री विभाग ..... को, ऊपर पैरा (ख) के अनुपालन के अधीन रहते हुए किए जाने के लिए भेजा जा सकता है।

परीक्षक  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग  
..... जिला

परिशिष्ट छ

[नियम 11 (1) देखिए]

निगरानी प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री ..... ने तारीख ..... से तारीख ..... तक ..... पर मेर कमान के अधीन प्रथम/द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ निगरानी आफिसर की हैसियत से सेवा की है।

हस्त अवधि के दौरान श्री ..... सेवा के प्रत्येक 24 घंटों में से 816 घंटे से अनुमन तक निगरानी के पूर्ण आस्थापक आफिसर थे।

इसके अतिरिक्त उन्होंने ने मच्छली पकड़ने के जलयान के अनुकरण की भावत सेवा के प्रत्येक 24 घंटों में से सेवा के 3 घंटों से अस्पृश प्रवधि तक अतिरिक्त नैमित्तिक कर्तव्य भी नियमित रूप से किए।

\*इस प्रवधि के दौरान श्री ..... का निगरानी कर्तव्यों के संबंध में सहयोग श्री ..... के अधीक्षण के अधीन लिया गया जो कि ..... के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के धारक हैं। यह निगरानी कर्तव्य सेवा के प्रत्येक 24 घंटों में से ..... से अस्पृश प्रवधि के थे।

\*निम्नलिखित अवधियों के दौरान किन्तु किसी अन्य अवधि में नहीं, पुनः निगरानी का दुगुना कार्य दिया गया था।

\*इन अवधियों के दौरान श्री ..... ने दो निगरानी अधिकारियों के ज्येष्ठ/कनिष्ठ के रूप में सेवा की।

\*ऊपर उल्लिखित सेवा की अवधि के दौरान श्री ..... की तारीख ..... से ..... तारीख तक अनुपस्थिति रहने के लिए छूट मंजूर की गई थी/नहीं की गई थी।

\*तारीख ..... से ..... तारीख तक प्रवधि के दौरान जलयान दुर्घटना गौरी में घा/हिल और डेक की मरम्मत में था।

आवरण की रिपोर्ट .....

योग्यता की रिपोर्ट

गोपनीय की भावत रिपोर्ट

स्कीपर के हस्ताक्षर  
नाम

परिशिष्ट (अ)

नियम 13, 26 (3), 47(2) और

परिशिष्ट-क के पैरा 2,

15 और 19 देखिए

फॉस

1. समुद्री सेवा का निर्धारण (सभी ब्रेडों के लिए)	- 30 रुपए
2. मत्स्यन जलयान नेट परीक्षा के प्रत्येक भाग के लिए	- 10 रुपए
3. मत्स्यन जलयान स्कीपर परीक्षा ब्रेड 2 के प्रत्येक भाग के लिए	- 20 रुपए
4. मत्स्यन जलयान स्कीपर परीक्षा ब्रेड 1 के प्रत्येक भाग के लिए	- 30 रुपए
5. दृष्टि परीक्षा	- 10 रुपए
6. दृष्टि परीक्षा अधोल	- 100 रुपए
7. दृष्टि परीक्षा पुनः आंच	- 200 रुपए
8. सक्षमता प्रमाणपत्र या प्राधिकार पत्र की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि दिए जाने के लिए	- 60 रुपए

उपबंध - अ

नियम 14 देखिए

पोंत पर काम करने के लिए अधिकारी के बाल्ने स्वास्थ्यता प्रमाणपत्र

परीक्षा की तारीख :

अभ्यर्थी का नाम :

अभ्यर्थी का स्थायी पता :

आयु :

लंबाई :

पहचान चिह्न :

1-

2-

3-

स्वास्थ्य परीक्षा का परिणाम :

अधिकारी के हस्ताक्षर या प्रमूठा चिह्न :

मुद्रा

स्थान

तारीख

पासपोर्ट/सी डी सी सं.

अधियों का रंग.

बाल :

भारीर का रंग :

निकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर

टिप्पण : यदि किसी अभ्यर्थी को प्रयोग्य घोषित किया जाता है, तो प्रयोग्यता के कारण दीजिए।

## परिशिष्ट - अ

## नियम 38 देखिए

मछली पकड़ने के जलयान के नेट का पाठ्यक्रम

## भाग - क

3 घंटे

शंक : 150

## 1. सुरक्षा, नीविकल्प और निगरानी

मुख्य आयामों की साधारण परिभाषा। मछली पकड़ने के जलयान के मुख्य भागों के नाम।

## 2. क. ब्लॉक गूणांक, विस्थापन और कुल भार पदों के अर्थ।

उत्प्लावन बन्धु के सिद्धांत। वात प्रवाह या फ्री बोर्ड से स्पोर्टा या मिट्टी पत्थर के भार का ध्वजारण करने के लिए प्रति सेंटीमीटर बुझाव मापमान के आधार पर विस्थापन और टनों का उपयोग। वात प्रवाह या फ्री बोर्ड पर जल घनत्व का प्रभाव।

ताजा जल छूट।

उत्प्लावन पदों के अर्थ।

## ख. गुस्वाकर्षण केन्द्र, उत्प्लावन केन्द्र, घ्राप्लव ऊंचाई, राइडिंग लीवर और राइडिंग कण पदों के अर्थ।

स्थिर, अस्थिर और सामान्य संतुलन।

पोत, गुस्वाकर्षण केन्द्र, उत्प्लावन केन्द्र, घ्राप्लव ऊंचाई और लिस्ट पर भार में वृद्धि करने और भार हटाने का प्रभाव। मछली पकड़ने के जलयान को धारुणित किए गए स्थिरता और द्रव स्थैतिकक आकड़ों का उपयोग और उन पर आधारित संगणनाएँ।

## 3. क. मछली पकड़ने के जलयान का रख-रखाव।

ख. सभी जीवन रक्षा और अग्नि सांकेतिक प्रकाश और ध्वनी संकेतों की सुरक्षा सावधानी तथा रखरखाव और मछली पकड़ने के समय धपनाई जाने वाली सुरक्षा पद्धतियाँ।

## 4. क. सेक्सटैंक - समुद्री सेक्सटैंक, जिसके अंतर्गत अंतर्ग्रस्त प्रकाशोप सिद्धांत भी हैं की संरचना और प्रयोग। सेक्सटैंक त्रुटियों का पता लगाना और सुधार करना। बरनियर और माइक्रोमीटर मापमानों के सिद्धांत और प्रयोग।

ख. क्रोनोमीटर - समुद्री क्रोनोमीटर का प्रयोग और देखभाल तथा उसकी त्रुटियाँ।

ग. चुम्बकीय दिशा सूचक - चुम्बकीय दिशा सूचक का प्रयोग और देखभाल। चुम्बकीय और चुम्बकीय सामग्री और उनका दिशा सूचक पर प्रभाव। दिशा सूचकों की जांच पड़ताल। चुम्बकीय दिशा सूचक की व्यावहारिक सीमाएँ।

घ. घूर्णा अस्थायी विकसूचक - समुद्री घूर्णाअस्थायी विकसूचक का बुनियादी ज्ञान, प्रयोग और देखभाल, जिसके अंतर्गत उसे चालू करने और गेकने की प्रक्रिया भी है। दिन प्रतिदिन तेल देना और सफाई। दिन प्रतिदिन सक्रियतात्मक जांच। आक्षाओं का उपयोग तथा गति त्रुटियाँ।

ङ. बीयरिंग उपसाधन - दिग्गो दर्पण की संरचना और प्रयोग। दिग्गो दर्पण की पूर्णतः जांच की प्रक्रिया। पेलोरेम की संरचना और प्रयोग।

च. लीवरहन धमिलेखों का रखा जाना।

समय : 2 घंटे

शंक : 100

## 2. मौसम विज्ञान

क. भूमि और समुद्र पर वायु चक्र के दैनिक परिवर्तन और वायुमंडलीय तापक्रम के मौसमी परिवर्तन का साधारण ज्ञान।

ख. वायुमंडल दबाव - अर्थ - दैनिक परिवर्तन और मौसमी परिवर्तनों बैरोमीटरी प्रवृत्ति वायुमंडलीय दबाव का संश्लेषण करके तूफान की पूर्ण घोषणा। बैरोमीटरी संश्लेषणों और मौसमी संकेतों का किसी एक स्टेशन पर उपयोग। दबाव या तूफान के प्रारंभ होने की पूर्ण घोषणा के लिए उपयोग।

ग. वायुमंडल में जल वाष्प। वाष्पीकरण, संघनन, वर्षण, घाेषिक आर्द्रता संतुष्टि, ओस बिन्दु, ओस का बनना। बूँदा-बाँदी, वर्षा और ओलों के बीच अंतर।

घ. वृष्यता - परिभाषा, दृष्यता का निर्णय और सूचना। कुहारा, कोहरा, भुम्भ स्प्रे के अर्थ और वृष्यता पर उनका प्रभाव।

ङ. आदन - आमाध्यतौर पर डेखे जाने वाले दस आकार भूत प्रकारों और ऊंचाई के अनुसार वर्गीकरण और परकटन तथा उनके सर्वोपकार।

च. दबाव प्रवणता और वात - समदाब और दबाव प्रवणता। दक्षिणवर्तन, वामावर्तन, छोका बोर चंडावत के अर्थ बाइस बैसेट नियम और अरुसागर तथा बंगाल की खाड़ी में चक्रवातों पर उसे लागू करते समय ध्यान रखने योग्य बातें। उनका संभाव्य मार्ग और तूफान के आरंभकारता नियम। स्पूफोर्ट वात मापमान और स्पूफोर्ट मौसम बिहूत। वास्तविक और आभासी वात-उनका अर्थ और अंतर। समुद्र में वात की दिशा और बल के प्राथकत्व की पद्धतियाँ वास्तविक और आभासी वात की साधारण समस्याएँ।

ज. हिन्द महासागर में साधारण दबाव और वात विचरण।



- म. आबधिक और स्थानीय बाटें—भूमि और समुद्री समीर, मानचूच, मार्सेटर तथा एलिफेंटा ।  
 न. पोत परिवहन के लिए उपलब्ध मोसमी संबेधों का ज्ञान भारतीय नदों पर लुफान केताबनी संकेत ।  
 ट. मछली पकड़ने के जलपानों पर सामान्य रूप से प्रयोग में आने वाले मोसम विज्ञान संबधी उपकरणों का विस्तृत ज्ञान ।

समय : 3 घंटे

अंक : 200

## 3. व्यवहारिक नौबहन

- क. पृथ्वी का आकार । ध्रुव, भूमध्य रेखा, धार्म्यांतर, अक्षाणों का समानान्तर, अक्षाणों और रेखाणों के अनुसार स्थिति विकुण्ण दूरी माप के युनिट आक्षाणों के अंतर, रेखाणों के अंतर, अक्षांतर, माध्य और मध्यम आक्षाणों, रेखांकित भागों के अंतर और उनके बीच संबध । रेखा की रण सहित या रण रण रहित स्थिति ।  
 ख. सम, सामान्तर और मर्केटर तरण की व्यवहारिक समस्याएं ।  
 ग. अनुप्रस्थ सारिणियों का पोत की किसी समय स्थिति ज्ञात करने के लिए उपयोग, विकुण्णलक मार्ग, फेर-फार मार्गांतर और दीर्घमानी के आधार पर अभिलिखित या समय के आधार पर संगणित रन तथा प्राक्कलित गति, वात और प्रवाह, यदि कोई हो, के प्रभाव और छूट देना ।  
 घ. किसी खगोलीय पिंड की रेखांकित ऊंचाई से आक्षाणों का पता लगाना ।  
 ङ. रेखांकित से बाह्यूर सूर्य का संश्लेषण करके स्थिति रेखा और उस स्थिति का पता लगाना जिससे होकर वह गुजरती है ।  
 च. किसी खगोलीय पिंड का वास्तविक विकुण्ण, विकुण्णलक लुटियों और पोत शीर्ष की दिशा का चुम्बकीय विकुण्णलक के जरिये मार्गांतर ।

समय : 2 घंटे

अंक : 150

## 4. चार्ट कार्य

- क. सही मार्गों को विकुण्णलक मार्गों में और विकुण्णलक मार्गों में परिवर्तित करने के लिए चुम्बकीय विकुण्णलक या धूर्णसंस्थाई विकुण्णलक की विभिन्नताएं और बिचलन ।  
 विकलनों के नमूना टयूब में से बिचलनों का पता लगाना और सब सही मार्गों को चुम्बकीय और विकुण्णलक भागों में परिवर्तित करना । दो स्थितियों के बीच विकुण्णलक मार्ग । मार्ग का पता लगाना ।  
 ख. धारा का गति पर प्रभाव । अपमार्ग के लिए छूट । परिवर्तित भाग, पोत की गति और दिशा तथा धारा की दर देकर तय किए गए सही भाग का पता लगाना ।  
 धारा को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन मार्ग का पता लगाना । परिवर्तित मार्ग और तन का गई पूरा देने पर दो स्थितियों के बीच अनुभव की गई धारा की स्थिति और गति ।  
 ग. सामान्तर अनुप्रस्थ विकुण्णलकों और रेखा से चार्ट पर स्थिति निश्चित करना, नौबहन में रेखियों की सह्युधता से या आवश्यक संगोघन करने के परधा, किसी और समुच्चय से स्थिति संबधी जानकारी ।  
 घ. एक या अधिक वस्तुओं के बीच दूरी । विकुण्णलक की स्थिति, धारा को ध्यान में रखते हुए, स्थिति निश्चित करना और वह दूरी पता लगाना जिस पर पोत किसी निश्चित बिन्दु से गुजरेगा ।  
 ङ. किसी पद्धति द्वारा अभिप्राप्त रेखाओं और वृत्तों की स्थिति का उपयोग ।  
 च. मानक पस्तनों पर ऊंचे और निम्न जल का समय और ऊंचाई पता लगाना ।  
 छ. धर्म्यधियों की चार्ट या प्लान पर सी गई जानकारी के बारे में, विशेषकर निम्नलिखित की बाबत, मौखिक परीक्षा ली जाएगी :—  
 बोया, प्रकाश, रेखियों बिचन, नौबहन सरण, गहराईयां और तल की प्रकृति गहराई नाम का उपयोग, तट की पहचान और रकार ग्राही जन्म, गहराई और ऊंचाई समोच्च रेखा ।  
 ज. धर्म्यधियों से निम्नलिखित की अपेक्षा की जाएगी, अर्थात् :—  
 i. तरण विशाओं, एडमिरेलिट, सारिणियों या चार्टों और प्रकाश सूचियों के बुद्धिमतापूर्ण उपयोग की बाबत योग्यता का प्रदर्शन ।  
 ii. नौवाइकों को सूचनाओं में उपयोग का ज्ञान और चार्ट लुटियों की प्रक्रिया से परिचित होना ।  
 iii. जल प्लावित नौबहन साहाय्यों पर प्रत्येक घस्पस्ट विश्वास के खतरों का ज्ञान ।  
 iv. डैका नेटिल चार्टों का डैका लुटि लोटी के प्रयोग का प्रज्ञान ।

भाग 3

मौखिक

- क. डेरोमीटर और शर्मामीटर का पढ़ना, समझना और प्रयोग । मौसम कार्यालय द्वारा दिए गए उपकरणों की मानक समझना ।  
 ख. दिग्शी दर्पण पेलोरस (विकुण्णलक ज्वेड) या विकुण्णलक निकालने के प्रत्येक उपकरणों का प्रयोग ।  
 ग. ऊंचाई और शीतल कोणों का पता लगाने के लिए सेक्सटेन्ट का प्रयोग, जाक् और बंध, दोनों स्थितियों में सेक्सटेन्ट को पढ़ना, ऐसे सेक्सटेन्ट को सही करना जिसमें लम्बत्व, साइड या इम्बन संबधी एक या अधिक लुटियां हो गई हैं । सेक्सटेन्ट की इम्बन लुटि का पता लगाना ।

- ग. मछली पकड़ने के जलयान की डिगिंग, रस्सों के, जिसके अन्तर्गत संश्लिष्ट फाइबर और लोहे के रस्से भी हैं, प्रयोगात्मक प्रयोग के साथ या उनके बिना प्रमाण और सुरक्षित कार्यभार को अभिभविष्यत करने की पद्धति। डिगिंग त्रय और उनके उपयोग से प्राप्त होने वाली प्रतिशत तक्ति का ज्ञान। गाँठें, बांधे और बेड़ों का सामान्य प्रयोग सिरिंग, रैकिंग रखने और चैन स्टॉपर। समन्वयन संग्रहित और बहु-गुणित मनीला तथा संश्लिष्ट फाइबर रस्से और तार के रस्से - बीरा प्रकृति के प्रति पूर्ण निर्विक सहित। क्लिप अनुक्रम का समावेश, डिगिंग और बोलिंगवेयर तथा पाइपट लेबर।
- घ. सामान्य सोड लाइनों का विद्युत्तांकन और प्रयोग।
- च. माननी होने की तैयारियाँ। समुद्र पर घसरते होने से पूर्व के कर्तव्य। बन्दरगाह प्रवेश, घाट जैदी या अन्य पोत के किनारे लंगर डालना और बोया लगाना।
- छ. हैलम आवेश, मछली पकड़ने के जलयान का पोत बालन। मछली पकड़ने के जलयान की स्टीयरिंग पर नोडकों का प्रभाव। रोकना, तारों के सहाये बालन, मछली पकड़ने के जलयान को घुमाने फिराने की क्षमता का ज्ञान, जिसके अन्तर्गत टनिंग संकट, रोकने की दूरियाँ आदि भी हैं; मछली पकड़ने के जलयान की समूह पर वायु और धाराओं का प्रभाव। मछली पकड़ने के जलयान को समूह पर वायु और धाराओं का प्रभाव। मछली पकड़ने के जलयान को छोटे चक्र से घुमाना। आपात अभ्यास। आपात की दशा में मछली पकड़ने के जलयान का एकत्र लंगर डालना। पोत के कामिक।
- ज. समुद्र पर, लंगर को स्थिति में और खुले मार्गों पर निगरानी प्राफिटर के कर्तव्य।
- झ. लंगर और केबल, उनका उपयोग और लीधार।
- ञ. सभी डेक साधियों के प्रयोग का ज्ञान जिसके अन्तर्गत आपात स्टीयरिंग लीवर भी हैं।
- ट. ध्वनिकारी साधियों का प्रयोग और रख-रखाव; प्रकाश ध्वनि संकेतन उपकरण जिसके अन्तर्गत पाइरोस तकनीकी प्रकार भी हैं, प्रयोग और रख-रखाव।
- ड. जीवन रक्षा साधियों का, जिसके अन्तर्गत, समूह विच्छेदणताएँ, सर्जिनिंग और जीवन रेपटों का नोभरण भी हैं, प्रयोग और रख-रखाव। आपात संकेत, पोत परिव्याग संकेत, उनका बेंडिंग, सेटिंग और प्रवेश, चप्पू, बाइबल गति की सहायता से चल रहे और विपरीत मौसम में नौकाओं का नियंत्रण समुद्र में से नौकाओं का निकालना, तट पर लगाना या लंगर बाधना। जीवन नौकाओं और जीवन रेपटों पर बचाव की प्रक्रिया। राकेट और लाइन फेंकने वाले साधियों का प्रयोग और रख-रखाव।
- ड. धनि साधियों का, जिसके अन्तर्गत धुआँ हैलमेट, आपात धनि पंप और स्वतःपूर्ण स्वर्ण साधित भी हैं, प्रयोग और रख-रखाव।
- ड. धान कफ पता लगने पर की जाने वाली कार्रवाई—
- (i) पसलों में,
- (ii) समुद्र में
- ग. समुद्र वातावरण में प्रदूषण रोकने के लिए धपलाई जाने वाली पूर्वाधानियों का ज्ञान
- ग. टक्कर विनियमों की विषय वस्तु का पूर्ण ज्ञान और उपयोग।
- घ. संकट और पाइपेट संकेत; दुस्ययोग के लिए शास्ति। अन्तर्राष्ट्रीय जीवन रक्षा संकेत।
- घ. वाणिज्य पोत सूचनाओं और नौवाहक सूचनाओं की विषय वस्तु का ज्ञान। नौवाहक और वाणिज्य पोत सूचनाओं, तलाशी और रेड्यूम सेन्युशल (एन ई आर एच ए आर) का प्रयोग।
- घ. बोया की आई ए-एल ए पद्धति, प्लवित नौवाहन साहाय्यों जैसे, बोया, प्रकाश जलयान आदि का प्रयोग करते समय पूर्वाधानियाँ।
- न. यदि अभ्यर्थी द्वारा दस्ययी कमजोरी के कारण ऐसा करना आवश्यक समझा जाए तो परीक्षा अभ्यर्थी से लिखित कार्य में से ऊँचे वाले प्रश्न में, सकता है।

भाग—ग

संकेत

1 संकेत भेजना और प्राप्त करना:

क. सेमाफोर पे घाँठे शब्द प्रति मिनट तक।

ख. मोस कीड। फ्लैश लैम्प द्वारा छह शब्द प्रति मिनट तक।

ग. अन्तर्राष्ट्रीय संकेत कीड।

2. मछली पकड़ने के जलयान पर रेडियो टेलिफोन का दिक्कालन, बेताकपी, अवश्यकता और संकट संदेशों का पोत में प्रेषित करने और प्राप्त करने के लिए प्रयोग।

मछली पकड़ने के जलयान के स्वीपर ग्रेड 2 का पाठ्यक्रम

भाग—क

समय: 3 घंटे

पृष्ठ: 200

1. व्यावहारिक नौपरिबहन और उसके सिद्धान्त:

टिप्पण: मछली पकड़ने के जलयान के नेट के लिए पाठ्यक्रम के विषय प्रश्नवियों को निर्मासिद्धित का ज्ञान होने की अपेक्षा की जाएगी:

(क) विषय गोसक, विक्षात, कोण, अक्ष, वास्तव समय कोण। विषय क्षेत्र में किसी पिंड की स्थिति—कीणात और ऊँचाई, माध्य त्रुप के पार्श्व वास्तविक या स्थानीय समय सहित विक्षात, कतिबलन क्षेत्र का प्रथम बिन्दु। गीतबिच और अन्य मानक समय, मध्य समय, प्राभासी समय, पार्श्व व्यावहारिक समय, समय का समीकरण, देशांतर और समय के बीच संबंध।

- (ब) धूम खारे को देखकर, प्रकाश का पता लगाना।  
 (ग) स्थित रेखा की दशा का और जम स्थिति से जिसने कि वह गुजर रही है, किसी तारीख या वर्ष को धूमिल देखकर अनुमानित करना।  
 (घ) तारों को देखकर या किसी तारे और सूर्य का दोनों के बीच रम को देखकर या किसी तारे तथा स्थानीय वस्तु का विक्षिप्त देखकर दोनों समापास्तर परिकीलाओं के आधार पर पोल की स्थिति का अनुधारण करना।

समय : 2 घंटे

अंक : 130

## 2. चाट्टी कार्य :

- (क) तट तक पहुंचने में एकल स्थित रेखा का उपयोग।  
 (ख) चाट्टी की विश्वसनीयता  
 (ग) विक्षिप्त के लिए या क्षैतिज कोणों के आधार पर पोल की स्थिति नियत करने के लिए उचित बिन्दुओं का चयन।  
 (घ) लंगर स्थापन तक पहुंच और तंग जल क्षेत्र में नौपरिवहन।  
 (ङ) घने और साफ मौसम में भूमि तक पहुंचना या तट के किनारे प्रथम होना।  
 (च) सभी दशाओं में निर्दिष्ट तल क्षेत्रों के भीतर मार्ग अंकित करके तब जब दिव्यता बाधापूर्ण हो, संसार पृथकरण स्कीमों और गहन ज्वार भाटा क्षेत्रों में नौवहन करना और यात्रा की योजना करना।  
 (छ) ज्वार भाटों और जलघाराओं की बाबत सही समुचित प्रकाशनों का प्रयोग तथा किसी बिंदु गए शालक पतेन के किसी बिंदु गए समय पर ज्वार भाटा दशाओं की गणना करना।  
 (ज) उपर्युक्त में से किन्हीं प्रश्नों का, जिन्हें परीक्षक आवश्यक समझता है, उत्तर देना।

समय : 3 घंटे

अंक : 130

## 3. निर्माण और स्थिरता :

क. धर्म्यर्था से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह मछली पकड़ने के जलजाम के मध्यपोत सेसन और देशांतरीय तथा अनुप्रस्थ मैनिंग, बीम और बीम सी, जलरोधी स्वतंत्रीय स्फुटन मार्ग और अन्य करने के साधन, जलरोधी विश्वसनीयता बनाएं रखने की पद्धतियां, क्षैतिज फलन, रबर स्टैबरिन विधर, शैल और डेक प्लेटिंग, बिन्ज कोल, डबल काटम और पीक टैंक, विलजेज स्टर्न प्रेम्स, छानी पाइपों, बायु पाइपों, झरोकों, साधारण पम्पिंग म्पल्स, पेंटिंग के प्रतिरोध के लिए सुवृद्ध और मजबूती पैदा करना, पार्जिंग और देशांतरीय कर्षण से बने व्यवहारिक परिवहन प्रकट करें।

ख. पोल के तनिर्माण में संरक्षण के बोड़ी संरक्षण को छोड़कर, कारण और बचाव की साधारण पद्धति :

ग. मसार्द, रिबेट लगाया और रिटर्न करने के कार्य का साधारण नाम तथा जब ऐसी प्रक्रियायें मछली पकड़ने के अलमान पर गुजरी हों तब साधारण प्रावधानियां।

घ. मछली पकड़ने के जलजाम के संबंध में निम्नलिखित का ज्ञान :

- (1) जीवन रक्षा साधन
- (2) अग्नि साधन

च. लवान और स्थिरक भार की विभिन्न दशाओं के लिए पोल की गुह्रवाकर्षण केन्द्र की स्थिति का अनुधारण।

च. भार बढ़ाने, हटाने, स्थान परिवर्तन करने या लटकाने का या गुह्रवाकर्षण केन्द्र की स्थिति का प्रभाव अनुपस्थित प्राप्ति केन्द्र, प्रारम्भिक स्थिरक और उसकी झुकाव के मामूली कोणों के संबंध में सीमाएं। तथोरा या ठोस मिट्टी पत्थर को स्थान परिवर्तन का प्रभाव भार की लवान बढ़ाने और स्थान परिवर्तन करने के कारण ट्रिम और (डाउट बात प्रवाह) में परिवर्तन। साधारण परिदृश्य।

छ. आई. एम. सी. प्रो. की मछली पकड़ने के जलजामों के स्थिरीकरण की शिकारियों को बुनियादी ज्ञान और पोल पर उपलब्ध कराए गए स्थिरत्व आंकड़ों का ज्ञान।

ज. पोल पर, जिसके अस्तगत मत्स्य गियर भी है, शिकार का लदान और सुरक्षा।

झ. मछली पकड़ने के संक्रियाओं के दौरान गियर के कारण पहुंच के विशेष संदर्भ में लवान और उत्तरार्ध संक्रियायें।

ञ. डेक, सुपर स्ट्रक्चर डेक, डेक प्रोपेलिया और नौद्वियां तथा नौसैनियों पर नौकर्मों रम के बचाव के लिए किए जाने वाले उपार्यों का साधारण ज्ञान।

समय : 2 घंटे

अंक : 100

## 4. नौवहन साहाय्य

क. चुम्बकीय विकसूचक :

कठोर और मृदु लोहे के अर्थ का साधारण ज्ञान। साधारण चुम्बक, चुम्बकीय आकर्षण। पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र, ऊर्ध्वधर तथा सुवृष्टीय सफटक, विकसूचक की चुम्बकीय सामग्री के सजीव्य के प्रति निर्देश से सेट करना और विद्युत संचालन।

ख. इलेक्ट्रॉनिकी नौवहन साहाय्य :

- (1) राडार का वर्णन और राडार का सिद्धांत। संकटरोधी युक्ति तथा नौवहन साहाय्य के रूप में उनका उपयोग और उसकी सीमाओं का विज्ञान राडार प्लेटिंग।
- (2) रेखा-साधारण सिद्धांतों की ममता, सुनिश्चितता, वृद्धियां और सीमाएं।

- (3) प्रतिष्पन्नि—प्रतिष्पन्नि पद्धति का नौबहन के लिए साधारण प्रयोजन का वर्णन और मछली पकड़ने के प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले विशेष इलेक्ट्रॉनिक सहाय्य ।

## भाग—ख

मछली पकड़ने के जलयान के गेट की परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम के प्रतिरिक्त; अभ्यासीयो को निम्नलिखित बिषयों के बारे में जानकारी होनी चाहिए और संतोषप्रद उत्तर देने चाहिए ।

क. ध्रुवसर होना/वायु और जलधारा की निश्चित यथाओं में बर्ष करना और बर्ष से हटना ।

ख. जलयान को लंगर डालने के लिए ले जाना और लंगर से हटना ।

ग. बरान मौसम में सागर में पोट के शोष को किस प्रकार माधा जाए, यदि उसका मस्तूल हटाया जाए, या उमके इंसन खराब हो जाए ।

घ. मुकाम (ड्रिफ्ट) कम करने का बर्ष और तेल का प्रयोग ।

च. मछली पकड़ने की संक्रियाओं के दौरान जलयान का घुमाव-फिराव विशेष रूप से जालों को फिसाने और समेटने की और ध्यान रखते हुए ।

छ. बरान मौसम में नौकाओं या जीवन-रेफ्टों को उतारने के लिए अभ्यास संबंधी पूर्वानुमानिया और जीवित व्यक्तियों को पोट पर लाने की पद्धति, जीवन नौकाओं या जीवन रेफ्टों की बाबत प्रक्रियाएं । पोट पर व्यक्तियों से संबंधित प्रक्रियाएं ।

ज. उमके जल और तंग जल-सारणी में कम गति पर नौबहन का महत्व जिससे कि म्रपने ही पोट की बो । स्टर्म घारके कारण नुकसानी न हो ।

झ. अग्नि अभ्यासों, कक्षाओं का आबोजन, अग्नि रसायन, अग्निशामन उपस्कर का प्रयोग ।

ड. अग्नी से लगने, उतरते हुए या अमीन से लग गए जलयान की उक्त स्थिति से पूर्व और पश्चात् सहायता लेकर या सहायता के बिना कार्रवाई ।

ढ. भापातकाल में नौकर्मियों की रखा और बचाव के साधारण उपाय । पोट का परित्याग ।

ण. यदि जलयान में रिमन होने लगे तब की जाने वाली कार्रवाई, जलयान को बीच करने समय बरती जाने वाली पूर्वानुमानियां ।

त. रिमिंग और जूरी रडार का प्रयोग ।

थ. बरान मौसम में गहरे सागर की लीड का किस प्रकार पता लगाया जाए ।

द. जलयान के परिचलन पर पेशों का प्रभाव । नदियों और बन्दरगाहों में जलयान का घुमाव-फिराव ।

धूसर, क्षति दुर्व्यवहार, पोट पर ली जाने वाली क्षति और जलयान की दुर्घटना की वषा में अधिनियम के अधीन क्या किया जाना चाहिए । नौकर्मियों की सूची, करारों, मजदूरी या भेयरी के बातों और सेवानुक्ति प्रमाण-पत्रों का, जो मछली पकड़ने के जलयान की बाबत लागू होते हैं, का वापस किया जाना ।

ण. वाणिज्य पोट परिवहन अधिनियम और अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशनों का वहां तक ज्ञान जहां तक वे मछली पकड़ने के जलयानों को लागू हैं ।

त. मछली पकड़ने के जलयान के स्कीपर के कर्तव्यों की बाबत कोई अन्य व्यवहारिक प्रश्न जिन्हें परीक्षक आवश्यक समझता है ।

## भाग—ग

## संकेत

## 1. संकेत भेजना और प्राप्त करना :

क. आठ शब्द प्रति मिनिट तक सेमाफोर ।

ख. छह शब्द प्रति मिनिट तक फ्लैश लैम्प द्वारा मासंकोड ।

ग. अंतर्राष्ट्रीय संकेत संहिता ।

2. मछली पकड़ने के जलयान पर रेडियो टेलीफोन उपस्कर का नौबहन चेताना, अभ्यास्यकता और संकट के संदेश प्रापात के समय देने में प्रयोग ।

मछली पकड़ने के जलयान के स्कीपर के ग्रेड-1 का पाठ्यक्रम

## भाग—क

समय : 3 घंटे

अंक : 200

## 1. नौबहन का व्यवहारिक ज्ञान और सिद्धांत ।

इस परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम नहीं होगा जो मछली पकड़ने के जलयान के ग्रेड-2 के लिए नौबहन में व्यवहारिक ज्ञान और सिद्धांतों के लिए बिलित किया गया है ।

समय : 2 घंटे

अंक : 200

## 2. चार्ट कार्य

इस परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम नहीं होगा जो मछली पकड़ने के जलयान के स्कीपर, ग्रेड-2 के लिए चार्ट कार्य के लिए बिलित किया गया है ।

समय : 3 घंटे

अंक : 150

## 3. सन्निर्माण और स्थायित्व

अभ्यर्थी से मछली पकड़ने के जलयान के स्कीपर, ग्रेड-2 के लिए विहित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त निम्नलिखित के संबंध में अपना व्यवहारिक ज्ञान प्रदर्शित करने की अपेक्षा की जाएगी।

- क. प्रपञ्चैतिक और स्थायित्व प्राकड़ों का मछली पकड़ने के जलयान के स्थायित्व को धारण करने के लिए उनका उपयोग तथा चार्ज एम सी जो का इस संबंध में अनुपालन।
  - ख. अग्निशमन साधन और अग्नि को फैलने से रोकने के लिए व्यवस्थाएं।
  - ग. जीवन रक्षक साधन।
  - घ. जब बाहरी शक्तियों का जैसे किसी विशिष्ट मछली पकड़ने की पद्धति के कारण या तेज वायु और हिलने झुलने के कारण, डेक पर चलने के कारण मछली पकड़ने के होल्ड में फलडिंग के कारण धावस्थक हो तब मछली पकड़ने के जलयान का समुद्रगमन सुनिश्चित करने के लिए अपनाई गई डिजाइन् और सन्निर्माण के पहलू।
  - ङ. भ्रान्ति परीक्षण।
  - च. मछली पकड़ने के जलयानों तथा उनका निरीक्षण और रखरखाव, जिसके अंतर्गत हल, स्प्लशीय, डबल-भाटम, बीप और पीक टैंक, बिस्त्र पाइपलाइन् रबर, बंगर और केबल भी हैं। शुल्क बाकिंग प्रक्रिया, साधारण मरम्मत।
- (छ) रंगों के विशिष्ट लक्षण और रंगों का प्रयोग, संघटन नियंत्रण को
- (ज) नौबत मशीन और डेक मशीन, जिनके अंतर्गत विद्युत, चरखियों, स्टैवरिंग गोवर, ज्विन पंप, ग्रारि में हैं, साधारण। मयूरी इंजीनियरी का शब्दावली का साधारण ज्ञान।

समय : 2 घंटे

अंक : 100

## नौबत साहाय्य

4. (क) पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र, ध्रुव और भू-मध्य रेखा। पृथ्वी का कुल चुम्बकीय क्षेत्र इतना कोण, क्षैतिज ऊर्ध्वाधर संघटक।
- (ख) विचलन उसके कारण और प्रभाव अर्थात् स्थायी और चुम्बकीय क्षेत्रों का विकसूचक के विचलन पर प्रभाव का ज्ञान जानकारी। इन प्रभावों की क्षतिपूर्ति के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले सिद्धांत।
- (ग) चुम्बकीय सामर्थ्य और विद्युत साधितों के सामर्थ्य के प्रतिनिर्देश से चुम्बकीय विकसूचक का सेट किया जाना विकसूचक के निकट विद्युत तार ले जाते समय बर्तता जाने वाली सूचानियाँ।
- (घ) दूरस्थ वस्तु का चुम्बकीय दिक्मान का पता लगाना, समदूरस्थ शीघ्रों का दिक्मान पता लगाना और विचलनों को मापनी तैयार करना।
- (ङ) मुक्त धूर्णाभ्रस्थायी, सुकाव और डिपट पूर्वरोधी, नियंत्रण और अवसंवन के सिद्धांत, अक्षणांश, मार्ग और गति कृत्रिम को शुद्ध करना, विभिन्न प्रकार के विकसूचकों, प्राटो पावलट, निर्पिटम और मार्ग अभिलेखों का रख-रखाव।
- (च) नौबत के इलेक्ट्रोनिक का रेडियो साहाय्य का व्यवहारिक प्रयोग (डेक प्रतिचित्रित, छवि रडार प्रिया संकेतक) आंकड़ों की समझ और निबंधन। स्थिति नियंत्रण करना, स्थिर और परिवर्तनीय कृतियाँ संभावना का क्षेत्र। रडार का टक्करों के निराकरण के लिए प्रयोग।

## भाग—ख

## संकेत मौखिक

इस भाग के लिए पाठ्यक्रम नहीं है जो मछली पकड़ने के जलयानों के स्कीपर ग्रेड-2 के लिए भाग-ख मौखिक के विहित किया गया है। अभ्यर्थी से, मछली पकड़ने के जलयानों के स्कीपर ग्रेड-2 के स्तर की विषय का और अधिक गहरा ज्ञान प्रदर्शित करने की अपेक्षा की जाएगी।

## भाग—ग

## संकेत

इस भाग के लिए पाठ्यक्रम नहीं है जो मछली पकड़ने के जलयान के स्कीपर ग्रेड-2 के लिए संकेत परीक्षा के रूप में विहित किया गया है।

[सं. एम. उच्च/5 एम. एम. धार. (14)/82-एम. ए.]

जे. सी. पन्त, प्रवर सचिव

## परिशिष्ट 8

नियम 43(3) के अंतर्गत

तारीख

भागतः उत्तरी

अभ्यर्थी का नाम.....

पञ्जाब्ज सं.....

ग्रेड

प्राथमिक का रंग	बाल	शरीर का रंग
जन्म तिथि	लम्बाई	
पहचान चिह्न		
दृष्टि परीक्षा		
पत्तन	तारीख	परिणाम
		हस्ताक्षर

## परीक्षा का परिणाम

पत्तन	भाग	अगली पाठ्यता का मास	हस्ताक्षर
शारीर	क ख ग		

मैं प्रमाणित करता हूँ कि

1. अभ्यर्थी ने ..... वर्ष ..... मास ..... दिन तक की अवधि का समुद्रा सेवा। निगरानी सेवा के संतोषप्रद प्रशासन और सभ्य वेग कर दिए हैं और तदनुसार उसे ..... के रूप में सक्षमता के प्रमाणपत्र परीक्षा में प्रवेश दिया गया है।
2. परीक्षा का परिणाम ऊपर दर्शाए गए अनुसार है।
3. यद्यपि अभ्यर्थी ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है किन्तु उसे निम्नलिखित प्रतिस्पर्धी प्रमाणपत्रों के अभाव में सक्षमता प्रमाणपत्र या प्राधिकार पत्र नहीं दिया गया :
  - (क) .....
  - (ख) .....
  - (ग) .....
4. अभ्यर्थी में कतिपय गंभीर कमियाँ पाई गई हैं अतः उससे ..... मास की अवधि तक किसी अनुसूचित संस्कार में अनुक्रम अनुक्रम में भाग लेने की अपेक्षा की जाती है।
5. अभ्यर्थी में कतिपय गंभीर कमियाँ पाई गई हैं अतः उससे ..... मास तक समुद्र पर सेवा करने की अपेक्षा की जाती है।

मास्टर और सेंट परीक्षक,  
वाणिज्यिक समुद्रा विभाग,  
मिना .....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

† जो लागू नहीं हो उसे काट दीजिए।

परिशिष्ट--8

नियम 44 (2) केअनुसार

प्राधिकार पत्र

अभ्यर्थक का नाम	
उत्तीर्ण श्रेण	लम्बाई
प्राथमिक का रंग	बाल
पहचान चिह्न	शरीर का रंग
जन्म तिथि	

अभ्यर्थक के हस्ताक्षर

ऊपर उल्लिखित व्यक्ति को, उसके द्वारा कार्यालय विनियम का अनुपालन किए जाने पर, मुख्य परीक्षक द्वारा आपकी भेजे गए सक्षमता प्रमाणपत्र, दे दीजिए।



परीक्षक के हस्ताक्षर

तारीख: .....

सेवा में

प्रधान आधिकारिक  
आणिशियक मसुदा विभाग  
जिला .....

परिशिष्ट-5

नियम 27 (1) के अन्तर्गत

सक्षमता प्रमाणपत्र के लक्ष्यकरण के लिए आवेदन

(क)

आवेदन का नाम .....  
पूर्व प्रमाणपत्र का प्रेरक .....  
जन्म तिथि .....  
पहचान चिह्न .....

(ख)

यन वर्ष के विशिष्टता

प्रतिपक्ष का नाम

रजिस्ट्री पत्र और  
आमकीय सं.

रैंक

यात्रा विवरण

आरम्भ की  
तारीखसमाप्ति की  
तारीखआरम्भ की  
गईसमाप्ति की  
गई

अन्य जनयानों पर सेवा, जिन पर आवेदन के अन्तर्गत प्रमाणपत्रों को प्राप्त करने के पूर्व और पश्चात् सेवा की है।

यान का नाम

रजिस्ट्री पत्र और  
आमकीय सं.

रैंक

यात्रा विवरण

आरम्भ की  
तारीखसमाप्ति की  
तारीख

आरम्भ की गई

समाप्ति की गई

आवेदन की घोषणा

में ..... निवासियों ..... कोषणा करवा है कि,

(i) ..... में सेवा सक्षमता प्रमाणपत्र को ..... स्थान पर  
खा गया हो/हो नष्ट हो गया है,(ii) उपर दिए गए विवरण में से सर्वोत्तम भाग और विवरण  
को प्रमाणपत्र सहित तथा मन्व है।

आवेदन के हस्ताक्षर

यान तारीख ..... 19..... को मेरा समाप्त घोषणा की गई और उस पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रधान आधिकारिक  
आणिशियक मसुदा विभाग  
जिला .....

ध्वरे धोरे और उनके समर्थन में दस्तावेज जैसे पुलिस रिपोर्ट, समाचार पत्र में विज्ञापन आदि, दर्जिए।

(घ)

प्रमाणपत्र का मन्व्य स्थान

में ..... है कि तब तक प्रमाणपत्र मुझे ..... पत्र पर रखा जाए।

आवेदन के हस्ताक्षर

(इ)

वाणिज्यिक समुद्री कार्यालय का पृष्ठान्त

में,

पोत परिवहन महानिदेशालय, समुद्री को भेजा जाना है।

यह निष्कारण भी जाती है कि ..... वर्ष की फीस प्रभाविता की जाए।

तारीख ..... 19 .....

प्रधान आफिसर,  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग  
जिला .....

(त)

मुख्य परीक्षक का निर्देश

प्रमाणपत्र संलग्न है, ..... वर्ष की फीस प्रभाविता की जाए।

तारीख, समुद्री ..... 19 .....

भेजा में,

प्रधान आफिसर  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग  
जिला .....

प्रधान परीक्षक

(ठ)

वाणिज्यिक समुद्री कार्यालय की टिप्पणी

आज तारीख ..... को ..... वर्ष की फीस प्रभाविता और प्रमाणपत्र जारी किया।

प्रधान आफिसर  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग  
जिला .....

\*टिप्पण: यह प्रारूप प्रधान परीक्षक को वापिस किया जाएगा

MINISTRY OF SURFACE & TRANSPORT  
(TRANSPORT WING)

New Delhi, the 18th May, 1987

NOTIFICATION  
(MERCHANT SHIPPING)

G.S.R. 509(E).—In exercise of the powers conferred by clauses (b), (c) and (d) of section 87 read with Section 83 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the Merchant Shipping (Examination for Skippers and Second Hand of a Fishing Vessel) Rules 1964, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

## 1. Short title, commencement and application :—

- (1) These rules may be called the Merchant Shipping (Examination of Skippers and Mate of Fishing Vessels) Rules, 1987.
- (2) They shall come into force six months after the date of their publication in the official Gazette subject to sub rule (3).
- (3) They shall apply to :—

(a) any candidate who is a citizen of India:

(b) any other candidate permitted to be examined under these rules by the Central Government.

## 2. Definitions :—In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (a) 'Act' means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958).
- (b) 'Appendix' means Appendix Annexe to these rules.
- (c) 'Approved' means approved by the Director General of Shipping.
- (d) 'Chief Examiner' means the Chief Examiner of Master and Mate.
- (e) 'Continuous Certificate of Discharge' means a Certificate issued under Merchant Shipping (continuous Discharge Certificate) Rules 1960.
- (f) 'Effective charge' in relation to watch-keeping service means assuming full responsibility for the watch but does not preclude occasional supervision by a senior officer.
- (g) 'Examiner' means the examiner appointed under section 79 of the Act.
- (h) 'Non-trading ship' means ship not going to any foreign country or not trading in home-trade.

- (i) 'Ordinary trading ship' means a foreign going or home trade ship as defined in the Act.
- (j) 'Qualifying Sea Service' means the service performed in the deck department of any fishing vessel or trading ship at sea or of any sea going ship of the Indian Navy or Coast Guard while such vessel is commissioned into service including reasonable time spent in dry-dock, or while undergoing hull or deck repairs unless expressly provided otherwise.
- (k) 'Record of Service' means the record of service on fishing vessels as prescribed in Appendix 'A'.
- (l) 'Watch-keeping service' means :
- (i) the service on a fishing vessel during which a candidate has been in charge or, as the case may be, in effective charge of a watch for not less than eight hours out of every twenty four hours of service claimed, or,
- (ii) the service on a fishing vessel during which a candidate has been in full charge or, as the case may be in effective charge of a watch for not less than six hours out of every twentyfour hours, if he has carried out additional routine duties in connection with fishing operations or the maintenance of the fishing vessel for not less than two hours in every twenty four hours period of service claimed and, in either case, such service shall include reasonable time spent in dry dock or while undergoing hull or deck repairs.
- (m) Words and expressions used in these rules but not defined shall have the meanings respectively assigned to them in the Act :

### 3. Grades of examination for Certificates of Competency :—

(1) Examinations in accordance with these rules shall be held for Certificates of Competency of the following grades, namely :—

- (i) Mate Fishing Vessels;
- (ii) Skipper of Fishing Vessel Grade II ;
- (iii) Skipper of Fishing Vessel Grade I.

(2) Every successful candidate shall be granted a Certificate of Competency in the form prescribed in Appendix B for the respective grades in accordance with the provisions of these rules.

(3) The Certificate of Competency shall be prepared in duplicate and the original shall be issued to the successful candidate holding a letter of authority prescribed in sub rule (2) of rule 44. The duplicate shall be retained by the Chief Examiner.

(4) The Chief Examiner shall maintain a register wherein the details of the Certificate of Competency issued shall be recorded. Such a register shall also

record any cancellation or suspension of the Certificate of Competency made under the Act and any endorsement made thereon within the meaning of rule 46.

### 4. Mate of fishing vessel :—

(1) Examination for the Certificate of Competency as Mate of fishing vessel shall be held in three parts namely :—

- (i) Part 'A' : Written
- (ii) Part 'B' : Oral
- (iii) Part 'C' : Signals.

(2) Every candidate for this examination shall be not less than 19 years of age as on the first day of the month of the examination.

(3) Subject to rules 17 and 19 every such candidate shall have three years of qualifying service of which :—

- (a) at least 6 months service shall have been performed on a fishing vessel of not less than 15 meters in length; and
- (b) at least 3 months service shall have been performed in fishing vessels in the 18 months immediately preceding the month of examination.

(4) Every such candidate shall be in possession of the following certificates :—

- (a) Approved Radar observer's certificate ;
- (b) Approved First aid at Sea certificate ;
- (c) Approved Lifeboatman's certificate ; and
- (d) Elementary fishing technology certificate granted under Rule 7.

Provided that a candidate may be permitted to appear for the examination before obtaining any of the above certificates in which case the Certificate of Competency or letter of authority shall not be issued until all the aforesaid certificates are produced.

### 5. Skipper of fishing vessel grade-II

(1) Examination for the Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade II shall be held in three parts, namely :—

- (i) Part 'A'—Written.
- (ii) Part 'B'—Oral.
- (iii) Part 'C'—Signals.

(2) Every candidate for this examination shall be not less than 20-1/2 years of age as on the first day of the month of the examination

(3) Subject to rules 19, 23 and 24 every such candidate shall have after obtaining the Certificate of Competency as Mate of fishing vessel, at least 18 months watch keeping service on a fishing vessel of which :—

- (a) At least 6 months watch keeping service shall have been performed on a fishing vessel of not less than 15 metres in length, and

- (b) at least 3 months service shall have been performed on fishing vessels in the 18 months immediately preceding the month of examination.

(4) Every such candidate shall be in possession of following additional certificates :—

- (a) Approved First aid at sea certificate.
- (b) Approved Life boatmen's certificate.
- (c) Elementary fishing technology certificate granted under rule 7.
- (d) Approved Certificate of proficiency in fire fighting.
- (e) Approved Radar Observer's certificate.
- (f) Advanced fishing technology certificate granted under rule 7.
- (g) Certificate of proficiency as Radio Telephone Operator (restrictive) granted under the Indian Wireless Telegraphy (Commercial radio Operator's certificate of proficiency and licence to operate wireless telegraphy) Rules 1954.

Provided that a candidate may be permitted to appear for the examination before obtaining any of the above certificates in which case the Certificate of Competency or Letter of authority shall not be issued until all the aforesaid certificates are produced.

#### 6. Skipper of fishing vessel grade—I :—

(1) Examination for the Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade-I shall be held in three parts, namely :—

- (i) part 'A' : written
- (ii) part 'B' : oral
- (iii) part 'C' : signals

Provided that a candidate who holds Certificate of Competency Skipper of fishing vessel grade II shall be exempted from examination in Practical and Principles of Navigation and Chart Work in Part 'A' and the examination in part 'C'.

(2) Every candidate for this examination shall be not less than 21-1/2 years of age as on the first day of the month of examination.

(3) Subject to rules 19, 23 and 24 every such candidate shall have at least 30 months watch keeping service on board fishing vessels as holder of Certificate of Competency as Mate of fishing vessel, of which—

- (a) at least 6 months watch keeping service shall have been performed on a fishing vessel of not less than 24 metres in length, and
- (b) at least 3 months service shall have been performed on fishing vessels in the 18 months immediately preceding the month of examination.

(4) Every such candidate shall be in possession of following additional certificates.

- (a) Approved First Aid at sea certificate.
- (b) Approved Life boatmen's certificate.
- (c) Elementary fishing technology certificate granted under rule 7.
- (d) Approved Certificate of proficiency in fire fighting.
- (e) Approved Radar Observer's certificate.
- (f) Advanced fishing technology certificate granted under rule 7.
- (g) Certificate of proficiency as Radio Telephone Operator (Restricted) granted under the Indian Wireless Telegraphy (commercial radio operator's certificate of proficiency and licence to operate wireless telegraphy) Rules 1954, and
- (h) Approved Radar simulator course certificate. Provided that a candidate may be permitted to appear for the examination before obtaining the above certificates in which case the certificate of Competency or Letter of authority shall not be issued until all the aforesaid certificates are produced.

#### 7 (1). Elementary Fishing Technology Certificates :—

(a) Every candidate who has performed the qualifying service wholly on fishing vessels and is eligible to appear for examination for Certificate of Competency as Mate of fishing vessel shall be granted the elementary fishing technology certificate on successful passing of an examination. If such a candidate has successfully undergone an approved pre-sea institutional training at the Central Institute of Fisheries, Nautical and Engineering Training and has passed the examination at the end of such training, he shall be deemed to have passed the examination for this certificate.

(b) Every candidate who has served on ordinary trading ship and/or on sea going ships of the Indian Navy or Coast Guard shall be permitted to appear for this examination after he has completed an approved course under the guidance of an approved institution. The duration of such course shall be not less than 2 months training in the institution and not less than 4 months training on board fishing vessels.

(c) The examination for this certificate shall be conducted by the Central Institute of Fisheries, Nautical and Engineering Training or other approved institutions as per syllabus prescribed in Appendix 'C'.

#### (2) Advanced Fishing Technology Certificate :—

(a) Every candidate eligible for Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade II or grade I and who has wholly served on fishing vessels shall be granted the advanced fishing technology certificate on successful passing of an examination.

(b) Every candidate who has served on ordinary trading ships and/or on sea going ships of the Indian Navy or Coastguard shall be permitted to appear for this examination after he has completed an approved course under the guidance of an approved institution. The duration of such course shall be not less than 2

months training in the institution and not less than 4 months training on board fishing vessels.

(c) This examination for this certificate shall be conducted by the Central Institute of Fisheries, Nautical and Engineering Training, Cochin (CIFNET) or such other approved institution as per syllabus prescribed in Appendix 'D'.

#### 8. Sight Tests :—

(1) Every candidate for examination for a Certificate of Competency of any grade shall, subject to sub-rule (2), pass the letter test specified in Appendix E before appearing for the examination.

(2) Every candidate for examination for a Certificate of Competency as Mate of fishing vessel in addition to the letter test specified in sub-rule (1), pass the appropriate lantern test specified in Appendix B, before appearing for the examination.

(3) For the purposes of this rule a pass in sight test shall be valid for a period of 6 months.

#### 9. Application forms :

(1) Any candidate satisfying the requirements of rules 4, 5 and 6 may apply for appearing for the examination for Certificate of Competency for which he is eligible in the prescribed form set out in Appendix 'F'.

(2) All entries in the application form shall be filled in accurately. Particulars in respect of sea service, watch keeping service and the rank held by the candidate while performing such service as specified in the appropriate columns of the application form shall correspond with documentary proof produced in support thereof. Any discrepancy in such particulars shall render the application invalid, unless any such discrepancy or gap in sea service is explained by the candidate to the satisfaction of the Examiner.

(3) The application shall be made to the Principal Officer of Mercantile Marine Department at the port of examination as early as possible and in any case not later than 10 days before the date of commencement of the examination.

(4) Every such application shall clearly state the part or parts of the examinations in which the candidate wishes to appear in any particular month.

#### 10. Documents to accompany application :—

(1) Every application shall be accompanied by Certificate of nationality, certificate of birth, testimonials complying with the requirements of these rules, record of service on fishing vessel and or continuous certificate of discharge, Certificate of competency or service, if any, additional certificates complying with the requirements of rules 4, 5, 6, and 7 and evidence of having passed in appropriate sight tests complying with the requirement of rule 8.

Provided that in the case of a candidate who is a citizen of India, the certificate of birth or a certificate of naturalisation shall also be accepted as a certificate of nationality.

#### 11. Testimonials :—

(1) Every candidate for examination for Certificate of Competency for any grade shall produce the

certificate specified in sub-rule (2) duly signed and attested. The certificate shall comment on the conduct, including sobriety, ability and experience of the candidate as assessed by the Master or the Skipper on the basis of the candidate's performance on board a fishing vessel for full period of the qualifying sea service, or as the case may be, watch keeping service. In the case of watch keeping service such certificates shall be in the prescribed form as set out in Appendix "D" stating in addition the exact nature of service and rank on board for the period to which the certificate relates.

(2) Testimonials for any such service shall when performed on an Indian ship or fishing vessels be signed by the Master or the Skipper, provided where the Skippers on a fishing vessel are employed on a voyage basis, the certificate with respect to conduct, sobriety, ability and experience shall be recorded by a Skipper in the service record at the conclusion of the month. Such entry in the record shall be countersigned by the owner or his authorised manager/superintendent. Where any Skipper desires to report adversely on any such candidate with respect to his conduct, ability and sobriety he shall cause an entry to that effect being made in the record giving details of the same.

#### 12. Enquiries in respect of sea service

(1) Where any candidate desires to have his sea service or as the case may be, watch keeping service assessed under these rules, he may submit his application in accordance with rule 9 to the Principal Officer of the Mercantile Marine Department of any district for such assessment.

(2) Where any candidate is not satisfied with assessment of his sea service or, as the case may be, watch keeping service under sub-rule (1) he may apply to the Chief Examiner through the Principal Officer, Mercantile Marine Department of any district for re-assessment of his service citing reasons which lent ground for his dissatisfaction. Every such request shall be accompanied by an application prescribed under rule 9 and documents, testimonials etc. required under rule 10. Every such application shall be considered on its merits by the Chief Examiner whose decision shall be final.

#### 12. (3) Other enquiries :—

All other enquiries pertaining to any aspect of the examinations shall be addressed to the Principal Officer of the Mercantile Marine Department of any district stating the point on which clarification is sought. Such enquiries shall be accompanied by necessary documents for verification.

13. Fees.—Every application shall be accompanied by appropriate fees specified in Appendix 'H'.

#### 14. Medical fitness :

Every candidate appearing for examination for any grade of Certificate of Competency shall produce a Certificate of Physical fitness from a registered Medical Practitioner as prescribed in Appendix 'I'.

#### 15. Unsatisfactory conduct :—

Where by reason of testimonial produced under rule 10, or otherwise a candidate is considered to have



neglected to join a ship or a fishing vessel or to have been found guilty of gross misconduct on board, he may be required to produce satisfactory proof of good conduct at sea for a subsequent period of service not exceeding two years; provided that the Chief Examiner may, after such investigations as he may deem fit, waive the requirement of this rule in the case of any candidate or, as the case may be, reduce the period of subsequent sea service to such extent as he may deem proper.

#### 16. Fraud, Misrepresentations and Bribery :

(1) Any person who makes, or causes to be made, or aids in making, any false representation for the purpose of obtaining or for any other person any certificate of competency under these rules shall be liable to be proceeded against in a criminal court.

(2) Any candidate who offers or attempts to offer any gratification to any officer of the Directorate General or the Mercantile Marine Department for the purpose of being shown any favour in the examination shall not be allowed to take the examination; nor shall he be allowed to be examined again until a period of at least twelve months has elapsed from the date of the rejection of his candidature.

#### 17. Remissions in sea service :

(1) A candidate for the examination for Certificate of Competency as Mate of Fishing vessel shall be eligible for remission in qualifying sea service as specified in sub-rules (2), (3) and (4) subject to a maximum remission of 12 months. Such remission shall not however be applicable to service on fishing vessels as specified in sub-rule (3) (a) of rule 4.

(2) Any candidate who produces a certificate from the Director, Central Institute of Fisheries Nautical and Engineering Training, testifying to his attendance at an approved course, good conduct and proficiency shall be eligible for remission of full time spent in the Institute subject to a maximum of 12 months.

(3) A candidate who has spent time under training for the examination of a fishing vessel in the Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College, Bombay shall on production of a certificate from the Principal of the College in respect of his period of attendance, conduct and proficiency while in college, be eligible for remission to the extent of half the time spent in the college, subject to a maximum of 3 months.

(4) A candidate who has obtained an approved Radar Observer's certificate, an approved Life Boatman's Certificate and an approved First Aid certificate shall, on production of such certificates be eligible for a remission of two weeks in the qualifying sea service :

Provided that a candidate who has not completed the above courses before appearing for the examination of Certificate of Competency of fishing vessel may be allowed such remission for the purpose of appearing for that examination.

#### 18. Recognition of other Training Ships and Shore Based Schools and Colleges :

(1) Any training ship of a shore based Nautical School or College other than those specified in rules

17 or 25 may apply to the Chief Examiner for grant of remission in qualifying sea service in lieu of time spent by a candidate in the said training ship, or, as the case be, Nautical School or College.

(2) On receipt of such application the Chief Examiner may require the syllabus, curriculum and the mode of Training of such institutions to be inspected and investigated as may be deemed necessary and direct the extent of remission that may be permitted in lieu of time spent by any candidate in any such institution.

#### 19. General Assessment :

(1) Qualifying sea service, or as the case may be watch keeping service shall count from the date of engagement to the termination of such engagement after deducting the period of leave therefrom. Where a ship or a fishing vessel is laid up in a port for an unreasonably long period, that is to say that she has been laid up in a port for a period exceeding one third of the total period of service or for 4 weeks which ever is the less, such period shall not count towards qualifying service or, as the case may be watch keeping service.

(2) Entries in the record of service or Continuous Discharge Certificate shall constitute evidence of sea service. Any tampering with such entries shall render a candidate disqualified for appearing for examination for a Certificate of Competency of any grade for a period of 12 months subject to the approval of Chief Examiners.

(3) Qualifying sea service or, as the case may be, watch keeping service on any fishing vessels of not less than 15 metres in length shall be assessed at full rate.

(4) Qualifying sea service or, as the case may be, watch keeping service on fishing vessels of less than 15 metres in length shall be assessed at full rate towards the qualifying service required, to a maximum of 30 months for the examination for the Certificate of Competency as Mate fishing vessel and at two-third rate to a maximum of 12 months watch keeping service for the examination for Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade-I or grade-II.

(5) Qualifying sea service on mechanised fishing vessels not registered under the Act may be assessed at half the rate to a maximum of 12 months provided the record of service is properly authenticated by an officer in the port or the custom department from where such vessels normally operate.

(6) Qualifying sea service rendered on a trading-ship shall be assessed in accordance with rule 20. Service in non-trading ships shall be assessed in accordance with rule 21. Where a candidate renders mixed service, that is to say he renders a part of such service on trading ships, a part on non-trading ships and a part on fishing vessels, all such service shall be counted towards qualifying sea service.

(7) Where watch keeping service of any officer includes doubled watches during a voyage, only two-thirds of the actual watch keeping time so served shall count, subject to a maximum of 9 months.

(8) The qualifying sea service or as the case may be, watch keeping service will be reckoned calendar



months i.e. the time included between any given date in any month and the preceding day of the following month inclusive. The number of completed months shall first be computed, after which the number of odd days shall be counted. When computing total service the odd days shall be added together and reckoned at 30 days a month.

## 20. Service on Trading Ships

(1) Qualifying sea service required under these rules for examination for Certificate of Competency of fishing vessel, shall if rendered on a trading ship, count in full, subject to the provisions of rules 4 and 19.

(2) Where a candidate has served on a trading ship other than an Indian ship, his sea service shall be assessed in accordance with the provisions of this rule, provided that such service is supported by testimonials in accordance with the provisions of rule 11.

## 21. I. Service on Non-Trading Ships

(1) Sea service in the following types of ships which are fitted with mechanical means of propulsion and which go to sea, shall be submitted to the Chief Examiner for consideration. Any decision regarding acceptance of such service and the extent up to which it may be so accepted, shall be final :—

(a) Ships employed by port authorities such as dredgers, hopper barges pilot vessels, survey vessels etc.;

(b) Light house tenders;

(c) Cable ships;

(d) Oceanographic, exploration or research vessels;

(e) Offshore supply ships used in offshore drilling operations;

(f) Excursion ships;

(g) Tugs employed beyond smooth and partially smooth waters; and

(h) Power propelled yachts.

(2) Sea service on such ships shall be assessed taking into account :—

(a) area of operation;

(b) length of voyage;

(c) actual period of stay in port and at sea and the nature of operations performed in port and at sea; and

(d) nature of duties performed by the concerned officer beyond watch-keeping duties if any.

(3) Application for assessment of sea service on such ships shall be submitted through the Principal Officer, Merchantile Marine Department of any district with testimonials giving details of particulars required by sub-rule (2). Such testimonials shall be endorsed by the Masters and the owner.

## 22. Seamen and Naval Sailors

(1) Sea service performed by seamen in the deck department of a trading ship and sea service performed by deck sailors or by visual signalling sailors in that communication branch of the Indian Navy and

Coast guard shall be assessed in accordance with sub-rules (2), (3) and (4) subject to a maximum of 30 months. The period so assessed shall count towards qualifying service for examination for Certificate of Competency as Mate of fishing Vessel and the candidate shall be permitted to appear for this examination, provided he fulfils the requirement of rule 4.

(2) Sea service performed in the capacity of a seaman in the deck department or as member of general purpose crew of a trading ship shall be counted in full.

(3) Sea service performed by sailors in the deck department on board sea going ships of the Indian Navy and Coast guard shall be assessed at two-thirds of the actual service claimed.

(4) Sea service performed by visual signalling sailors in the communication branch on board sea going ships of the Indian Navy and Coast guard shall be assessed at one-half of the actual service claimed.

## 23. Merchant Navy Officers

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3) of rule 5, any candidate who holds the Certificate of Competency as Second Mate of a foreign going ship or Navigational Watch Keeping Officer granted under the Merchant Shipping (Examination of Masters and Mates) Rules, 1979 shall be eligible for the examination for Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade II, provided that he has at least 18 months watch keeping service on trading ships and has served at least 6 months on a fishing vessel of not less than 15 metres in length on duties associated with fishing and bridge watch keeping under the supervision of a qualified officer.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3) of rule 6, any candidate who holds Certificate of Competency as First Mate of a foreign going ship or Mate of a home trade ship granted under the Merchant Shipping (Examination of Masters and Mates) Rules, 1979 shall be eligible for the examination for Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade I, provided that he has at least 30 months watch keeping service on trading ships and has served at least 6 months on a fishing vessel of not less than 24 metres in length on duties associated with fishing and bridge watch keeping under the supervision of a qualified officer.

(4) Every such candidate shall also comply with sub-rules (1), (2) and (4) of rule 5 or 6, as the case may be, but he shall be exempted from the examination in parts A and C as specified in sub-rule (1) of rules 5 and 6.

## 24. Indian Navy Officers

(1) Any midshipman or commissioned special duty officer in the executive branch of the Indian Navy who has served on a seagoing ship of the Indian Navy or Coast guard but does not possess a full Naval watch keeping certificate shall be eligible for the examination for Certificate of Competency as Mate of fishing vessel, provided he complies with rule 4. Sea service of such officers shall be assessed in full towards qualifying service, subject to a maximum of 30 months.

(2) Any commissioned officer in the executive branch on the Indian Navy including a special duty officer, in possession of a full Navy watch keeping certificate shall be eligible for the examination for Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade I or Grade-II, subject to sub-rule (3).

(3) (a) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3) of rule 5, every such candidate shall be eligible for examination for Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade II, provided he has at least 18 months watch keeping service after obtaining the full Naval watch keeping certificate and he has served at least 6 months on a fishing vessel of not less than 15 metres in length on duties associated with fishing and bridge watch keeping under the supervision of a qualified officer.

(b) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3) of rule 6, every such candidate shall be eligible for examination for Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade I, provided he has at least 30 months watch keeping service after obtaining the full Naval watch keeping certificate and he has served at least 6 months on a fishing vessel of not less than 24 metres in length on duties associated with fishing and bridge watch keeping under the supervision of a qualified officer.

(c) Every such candidate shall also comply with sub-rules (1) (2) and (4) of rule 5 or 6, as the case may be.

#### 25. Remission in sea service for Indian Navy Officers

(1) Any midshipman or executive officer of the Indian Navy appearing for examination for any Certificate of Competency as Mate of fishing vessel shall be eligible for remission in qualifying sea service as specified in sub-rule (2), subject to a maximum of 12 months. Such remission shall however not be applicable to service on fishing vessels as specified in sub-rule (3) (a) of rule 4.

(2) (a) Time spent by Naval cadets at the National Defence Academy, Khadakvasla shall be counted\* as sea service of 6 months, provided the candidate has completed the training and has successfully passed the final examination conducted by the National Defence Academy.

(b) Time spent by Naval cadets or Sub-Lieutenants under training at the Naval Academy, Cochin shall count at one half rate towards sea service required subject to a maximum of 6 months, provided the candidate produces a certificate from the Naval Headquarters showing his satisfactory attendance at the Naval Academy.

(c) Time spent in training courses by an officer not below the rank of acting Sub-Lieutenant at the I.N.S. 'Venduruthy' shall count at one half rate towards sea service required, subject to a maximum of 6 months, provided the candidate produces a certificate from the Naval Headquarters showing his satisfactory attendance at such courses.

(d) Remissions in sea service claimed under this rule shall be in addition to those provided in rule 17; subject to a maximum of 12 months.

#### 26. Application of Indian Navy Officers

(1) Any midshipman or executive officer in the Indian Navy including a special duty officer satisfying the requirements of rule 22 may apply for appearing for the examination in the prescribed form set out in Appendix 'F'.

(2) Every such application shall be accompanied by certificate of birth, certificate from Chief of Naval Staff or any other person appointed by him on his behalf stating the full particulars of Qualifying sea service or, as the case may be, watch keeping service performed by the candidate in the Indian Navy along with particulars in respect of the Naval watch keeping certificate and of any training undergone in the training establishments within the meaning of rule 25, testimonials in accordance with rule 11 in respect of sea service in the Merchant Navy and on board fishing vessels if any and Certificate of Competency or service, if any.

(3) Application shall be made to the Principal Officer, Mercantile Marine Department of the port of examination opted by the candidate through the Chief of Naval Staff so as to reach him not later than one month before the date of commencement of examination. Fee specified in Appendix 'H' shall be forwarded to the Principal Officer directly.

#### 27. Places and dates of examinations

(1) Examination for Certificate of Competency prescribed in these rules shall be held in the Mercantile Marine Department at Bombay, Calcutta, Madras, Visakhapatnam and Cochin and at any other port notified by the Chief Examiner in this behalf.

(2) Written examination for each grade shall be held on the dates and times to be notified by the Chief Examiner.

(3) Date and time for oral and signals examinations shall be fixed by the Examiner and sufficient advance notice thereof shall be given to the candidates.

#### 28. Punctuality

Every candidate shall present himself in the examination hall prior to the commencement of examination at the appropriate hour. Late comers shall not be admitted for examination except under special circumstances where the Examiner is satisfied that detention was caused by reasons beyond the control of the candidate. The decision of the Examiner in such matters shall be final.

29. No person other than those whose duties require them to be present will be allowed in the examination hall.

#### 30. Loose papers and books

Save as provided in rule 31, no candidate shall keep any loose papers, reference books or other notes or publications in the examination hall. Any such paper, books, publications or notes shall be cleared out of the examination hall before commencement of the examination. Any default by any candidate shall be deemed to be a misconduct within the meaning of these rules and the defaulter shall be deemed

to have failed in the examination. He may also be debarred from appearing for any examination under these rules for a period not exceeding 6 months, subject to the approval of Chief Examiner.

### 31. Provision of publications and tables

(1) Every candidate shall, at the time of the appropriate examination be supplied with the following tables and books, namely :—

- (a) Admiralty Tide Tables for the Atlantic Ocean and Indian Ocean.
- (b) Indian Tide tables for Indian ports.
- (c) Nautical Almanac.
- (d) International Meteorological Codes for weather reports; and
- (e) Trim and Stability particulars of a selected fishing vessel.

(2) Candidates shall be required to bring their own Nautical tables including Logarithmic tables at the time of the appropriate examination. Such tables shall be free of any hand-written notes and shall be submitted to the Examiner for scrutiny before the commencement of the examination. Any default shall be deemed to be a misconduct within the meaning of these rules and the defaulter shall be deemed to have failed in the examination. He may also be debarred from appearing for any examination for a period not exceeding 3 months, subject to the approval of Chief Examiner. Nories and Burtons Nautical tables shall normally be permitted for use at the appropriate examination.

### 32. Instruments

Candidates may, subject to prior permission of the Examiner, bring into the examination hall their own instruments and use them for answering papers. Candidates other than those appearing for the examination for Certificate of Competency as Mate of fishing vessel may be permitted to use a slide rule or an electronic calculator having four basis functions and a single memory. In either case the candidate shall be required to show the full working.

### 33. Damage to tables, books or instruments

Any candidate who defaces, blots, over writes or otherwise damages any tables, books or instruments supplied by the Examiner for his use shall be liable to replace such damaged tables, books or instruments by new ones. Until such replacement is made documents submitted by him under rule 10 shall be retained by the Examiner and if such replacement is denied the candidate shall be deemed to have failed in the examination and shall not be permitted to appear for any examination subsequently until such replacement is made.

### 34. Leaving examination hall

No candidate shall leave the examination hall without permission and without handing over his answer paper to the Examiner. Under no circumstances will a candidate be allowed to leave the building while his examination is in progress. Defaulters shall be deemed to have failed in the examination.

276 GI/87-6

### 35. Answer papers

(1) No candidate shall work out problems on any paper except the answer papers supplied to him. Blotting paper supplied to candidates shall not be used for rough working. Such blotting papers shall be returned to the Examiner at the end of each day. Defaulters shall be deemed to have failed in the examination.

(2) All work on answer papers shall be in ink but sketches may be drawn in pencil.

(3) Answer shall be written in clear and legible hand. At the commencement of answer for every question its serial number shall be written in the left hand margin of the answer paper.

### 36. Copying during examination

Copying from answer papers of other candidates or use of unauthorised books, publications, rules for other manuscripts whatsoever or affording any other candidate assistance for copying from his own answer papers or otherwise communicating with any other candidate any information shall be strictly prohibited. Any such defaulter shall be deemed to have failed in the examination. He may be also be debarred from appearing for any examination under these rules for a period not exceeding 6 months subject to the approval of Chief Examiner.

### 37. Misconduct

Save as otherwise provided in these rules, a candidate found guilty of any misconduct, including insolence to Examiner or other examination staff or improper or disorderly conduct in the examination shall on a breach of any of these rules may be liable for punishment in one or more of the ways specified herein under, namely :—

- (1) Where the examination has not commenced or is not completed the candidate may be debarred from appearing for or, as the case may be, to take further part in the examination.
- (2) Where the result of the examination is declared, the result of the candidate may be amended subject to the approval of the Chief Examiner.
- (3) Where the candidate has been declared successful in the examination but has not been granted the necessary certificate, the certificate may be withheld for such period as may be decided by the Chief Examiner.
- (4) In addition the candidate may be debarred from appearing in any examination under these rules for such period as may be specified by the Chief Examiner.

### 38. Syllabus

Subject to the provisions of rule 48, a candidate may apply for examination in any part or parts of the examination for the Certificate of Competency for which he is eligible, as specified in sub-rule (1) of rules 4, 5 and 6. Syllabus for the examination for all parts shall be as specified in Appendix 'I'.



## 39. Written examination :

(1) Subjects in written part of the examination for each grade, time allowed for answering question paper for each subject total marks allotted to each subject and the percentage of marks required to be obtained for passing that paper and the written part shall be as specified in the following tables :—

Fishing vessel	Hours	Total Marks.	Passing percentage
(a) Seamanship, safety & watchkeeping	3	150	50
(b) Meteorology	2	100	50
(c) Navigation	2	200	70
(d) Chart work	2	150	70
<b>TOTAL</b>		<b>600</b>	<b>60</b>
<b>Skipper of fishing vessel grade-II</b>			
(a) Practical and Principles of Navigation.	3	200	70
(b) Chart work	2	150	70
(c) Construction and Stability	3	150	50
(d) Navigation Aids	2	100	50
<b>TOTAL</b>		<b>600</b>	<b>60</b>
<b>Skipper of fishing vessel grade-I</b>			
(a) Practical and Principles of Navigation	3	200	70
(b) Chart work	2	150	70
(c) Construction and Stability	3	150	50
(d) Navigational Aids	2	100	50
<b>TOTAL</b>		<b>600</b>	<b>60</b>

(2) Any candidate failing in this examination for any Certificate of Competency through serious weakness shown may, subject to the approval of the Chief Examiner, be required to attend a course of instruction at an approved institution for a period not exceeding 6 months; before being permitted to re-appear for this examination.

(3) A certificate from the head of the approved institution concerned showing period of attendance, conduct and proficiency attained during such a course shall be considered to be adequate proof for permitting the candidate to re-appear.

## 40. Oral examinations :—

(1) Every candidate for the Oral part of the examination shall present himself for such examination at the appointed time. Any candidate failing to do so without reasonable grounds shall be deemed to have failed in the examination.

(2) Any candidate failing in this examination for any Certificate of Competency through serious weakness in practical knowledge may be required :—

(a) to perform further sea service for a period not exceeding 6 months and/or

(b) to attend a course of instruction at an institution for a period not exceeding 6 months before being permitted to re-appear for this examination.

(3) Such sea service may be performed in any capacity on deck of a fishing vessel and provisions of rules 17 and 25 shall not apply to such additional service. Attendance at the approved institution shall have to be proved by a certificate from the head of the approved institution concerned showing period of attendance, conduct and proficiency attained during such period.

## 41. Signals examinations

(1) Every candidate for the signals part of the examination shall present himself for such examination at the appointed time. Any candidate failing to do so shall be deemed to have failed in the examination.

(2) (a) In the morse flashing test specified in the syllabus two-third of a mark for each correct letter or numerical of the test card and five marks for each correct word of the spelling message shall be allotted. The spelling message shall consist of 12 words.

(b) In the semaphore receiving test consisting of 25 words four marks for each correct word shall be allotted.

(3) A candidate obtaining 90 per cent of the total marks separately in morse flashing and semaphore tests shall be deemed to have passed in the examination subject to his satisfying the Examiner of his proficiency in the remaining topic specified in the syllabus for the appropriate grade.

## 42. Re-examination :—

Any candidate may present himself for re-examination after one month has elapsed since his last attempt subject to provisions of rules 39 and 40.

## 43. Partial passes :—

(1) Where a candidate passes in any one or more parts of the examination, he shall be deemed to have passed the examination partially and such partial pass shall remain valid for a period of 12 months from the date of examination.

Provided that the Chief Examiner may, in special circumstances, extend the period of validity of partial passes by a period not exceeding 2 months.

(2) Where any candidate fails to pass in all the remaining parts of the examination during the period of validity of a partial pass he shall be required to appear for that part or parts again as his next attempt.

(3) The results of a candidate who passes the examination partially shall be indicated in the form set out in Appendix 'F'. The candidate may also be given the results of the examination in the form set out in Appendix 'K' if he so desires. Both the forms prescribed shall specify the date on which the candidate has passed in the respective part of the examination, the date on which he is eligible to appear for his next attempt and, where a candidate is required to per-

form further sea service or attend a course of instruction, the period of such sea service or attendance at such course.

(4) For the purposes of this rule the date of examination means the first day of the month in which the examination was held.

#### 44. Letter of Authority :—

(1) A candidate who passes examination under rules 39, 40 and 41 (and holds the additional certificates as required by rules 4, 5 and 6), shall be deemed to have passed the whole examination.

(2) Such successful candidate shall be given a letter of authority in the form prescribed in Appendix 'L' addressed to the Principal Officer of the port opted by the candidate for delivery of the Certificate of Competency in exchange thereof as and when the certificate is ready for issue.

(3) Unless cancelled by or on behalf of the Chief Examiner, Letter of authority referred to in sub-rule (2) shall have the same effect as if it were a Certificate of Competency for the respective grade properly issued under these rules until such time as a Certificate of Competency is issued to the candidate.

#### 45. Insufficient service :—

(1) If after declaration of result for any examination it is discovered that candidate who is declared to have passed the examination was not entitled to appear for it for want of sufficient sea service or, as the case may be, watch-keeping service the Certificate of Competency or Letter of authority shall not be issued to him.

(2) Such candidate shall be required to be re-examined after he has completed necessary sea service, or, as the case may be, watch keeping service.

Provided that the Chief Examiner may where he is satisfied that the error in the calculation of sea service or as the case may be, watch keeping service was not due to any fault or wilful mis-representation on the part of the candidate, dispense with the re-examination and in such case the Certificate of Competency or Letter of authority may be issued to the candidate after he has made up the deficiency in the service.

#### 46. Endorsement of Certificate of Competency :—

(1) Any person holding Certificate of Competency issued under these rules may, on receiving any award from the Government, submit evidence relating to such award to the Chief Examiner together with his Certificate of Competency for an appropriate endorsement on the Certificate.

(2) Any person holding a Certificate of Competency issued under these rules may, on obtaining any of the certificates specified herein under submit the same to the Chief Examiner for an endorsement relating to such Certificate being made on his Certificate of Competency, namely :—

(a) Certificate of Competency granted under Merchant Shipping (Examination of Masters and Mates) rules 1979.

(b) Certificate of Proficiency as Radio Officer issued by the Ministry of Communications.

(c) Radar Maintenance Certificate issued or approved by the Ministry of Shipping and Transport.

(d) Certificate of Service granted under section 80 of the Act.

#### 47. Issue of Certified true copy of Certificate of Competency :—

(1) Where a Certificate of Competency or a letter of authority issued under these rules is destroyed or defaced or otherwise lost the holder may obtain a certified copy thereof from the Chief Examiner. Application for such certified copy shall be made in the form prescribed in Appendix 'M' to the Chief Examiner through the Principal Officer of the Mercantile Marine Department of any district. Such application shall be accompanied by a declaration explaining the circumstances in which the original Certificate of Competency or the Letter of authority was destroyed, defaced or otherwise lost. The declaration shall be made in the presence of the Principal Officer to whom the application is made for onward transmission to the Chief Examiner.

(2) Every such application shall be accompanied by appropriate fees specified in Appendix 'H'.

Provided that no fee shall be payable where the cause of loss of Certificate of Competency or Letter of authority is a shipwreck or a fire on board a ship.

#### 48. Removal of difficulties :—

(1) Any candidate who has passed the examination for Certificate of Competency under the provisions of Merchant Shipping (Examinations for Skippers and Second Hand of fishing vessels) Rules 1964 shall be eligible for the examination for Certificate of Competency under these rules as detailed in the table below :—

Grade of Certificate of Competency under 1964 rules held by the candidate	Grade of Certificate of Competency under these rules for which eligible.	Condition precedent
(a) Second Hand F.V.	Skipper of fishing vessel grade-II	Full compliance with rule 5
(b) Skipper F.V.	Skipper of fishing vessel grade-I	Full compliance with rule 6

Provided that, at the time of coming into force of these rules, any candidate with 24 months service in effective command of fishing vessel of not less than 24 metres in length or 36 months service in effective command of fishing vessels of less than 24 metres in length after obtaining the Certificate of Competency as Skipper F. V. under 1964 rules, shall be exempted from the written and Signals parts of the examination for the Certificate of Competency as Skipper of fishing vessel grade-I as specified sub-rule (1) of rule 6.

(2) Any candidate who has appeared for an examination for Certificate of Competency under 1964 rules and is not successful in that examination on the date when these rules come into force, shall be permitted to appear for an examination for Certificate of Competency as detailed below :

Certificate of Competency under 1964 Rules	Equivalent grade of Certificate of Competency under these rules	Condition precedent
(a) Second Hand (F.V.)	Mate of fishing vessel	Full compliance with rule 4.
(b) Skipper (F.V.)	Skipper of fishing vessel grade-II	Full compliance with rule 5.

(3) A partial pass in signals and oral parts of the examination under 1964 rules shall be considered to

be a partial pass in the respective examination for the equivalent Certificate of Competency specified in sub-rule (2) and the candidate shall be permitted to appear for the written part of the examination for the equivalent Certificate of Competency specified in sub-rule (2)

(4) Any candidate who has passed in the written part of the examination under 1964 rules but has not passed either the oral or the signals part of the examination shall be permitted to complete the signals or oral part of the examination for the equivalent Certificate of Competency specified in sub-rule (2) but such candidate shall be granted a Certificate of Competency under 1964 Rules.

(5) A valid partial pass in written, signals or oral parts of the examination referred to in sub-rules (3) and (4) of this rule shall be valid for a further period of 6 months from the date when these rules come into force.

APPENDIX-A

See Rule 2 (j)

S. No. ....

RECORD OF SERVICE

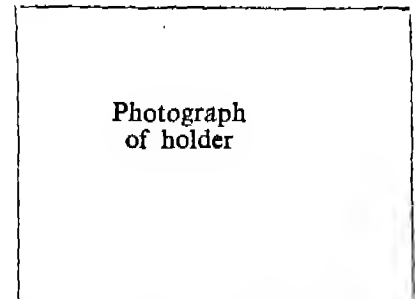
Signature of holder \_\_\_\_\_

Signature of attesting authority \_\_\_\_\_

Name .. \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_

(Please see notes on last page)



Photograph of holder

Name and seal of issuing authority

Name of holder in full \_\_\_\_\_

(BLOCK LETTERS)

Rank/Rating \_\_\_\_\_

Name of Father/local guardian \_\_\_\_\_

Permanent home address \_\_\_\_\_

Date of birth \_\_\_\_\_ Place \_\_\_\_\_

Nationality \_\_\_\_\_

Colour of hair \_\_\_\_\_ Eyes \_\_\_\_\_ Complexion \_\_\_\_\_

Identification marks \_\_\_\_\_

Academic qualifications \_\_\_\_\_



## CERTIFICATES

Type of Certificates	No.	Date of issue & Place	Date of issue
1. Continuous Discharge Certificate			
2. Passport			
3. Naval Sea Service Certificate			
4. Pre-sea Training Certificate			
5. Radar Observer's Certificate			
6. Life Boatmen's Certificate			
7. First Aid at Sea Certificate			
8. Survival at Sea Certificate			
9. Fire Fighting Certificate			
10. Radar Simulator Certificate			
11. Radio Telephone Operator Certificate			
12. Elementary Fishing Technology Certificate			
13. Advanced Fishing Technology Certificate			
14. _____			
15. _____			
16. _____			
17. Watch Keeping Certificate			
18. _____			
19. _____			
20. Mate of Fishing vessel Certificate of Competency			
21. Skipper of Fishing Vessel Grade-II Certificate of Competency.			
22. _____			
23. _____			

## FISHING VESSEL SERVICE

Sl. No.	Name O. No. & length of vessel	Date & place of		Rank	Conduct	Ability	Sobriety	Remarks	Signature
		Engage-ment	Discharge						

## NOTES

1. This record shall be prepared and issued by the employer to the rating before joining the fishing vessel.
2. The entries regarding Certificates shall be filled by the rating as and when he acquires them.
3. The entries regarding fishing vessel service shall be made by the Skipper at the time of discharge from the fishing vessel. Any corrections in this table shall be duly attested by the Skipper who made the original entry.
4. This record shall remain in possession of the rating regardless of change of employment.
5. The employer and Skipper should maintain a record of entries made in this document for further verification or confirmation if any.

## APPENDIX-B

(See rule-3(2))

GOVERNMENT OF INDIA  
CERTIFICATE OF COMPETENCY

AS

## SKIPPER OF FISHING VESSEL GRADE I

Issued by the  
Government of  
India.  
To

Whereas you have been found duly qualified to fulfil the duties of Skipper of Fishing Vessel Grade I on

a fishing vessel, the Central Government in exercise of its powers under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) hereby grants you this CERTIFICATE OF COMPETENCY.

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_

Countersigned :  
Chief Examiner,  
Registered in the  
Directorate General  
of Shipping,  
Bombay.

DIRECTOR GENERAL OF SHIPPING

GOVERNMENT OF INDIA  
CERTIFICATE OF COMPETENCY

AS

SKIPPER OF FISHING VESSEL GRADE II

Issued by the  
Govt. of India.  
To

Whereas you have been found duly qualified to fulfil the duties of Skipper of Fishing Vessel Grade II on a fishing vessel, the Central Government in exercise of its powers under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) hereby grants you this CERTIFICATE OF COMPETENCY.

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_

Countersigned :  
Chief Examiner,  
Registered in the  
Directorate General  
of Shipping,  
Bombay.

DIRECTOR GENERAL OF SHIPPING

GOVERNMENT OF INDIA  
CERTIFICATE OF COMPETENCY  
OF  
MATE OF FISHING VESSEL

Issued by the  
Govt. of India.  
To

Whereas you have been found duly qualified to fulfil the duties of Mate of Fishing Vessel on a Fishing Vessel, the Central Govt. in exercise of its powers under the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) hereby grants you this CERTIFICATE OF COMPETENCY.

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_

Countersigned :  
Chief Examiner,  
Registered in  
the Directorate  
General of Shipping,  
Bombay

DIRECTOR GENERAL OF SHIPPING

## APPENDIX—C

[See rule 7 (1)]

## SYLLABUS FOR ELEMENTARY FISHING TECHNOLOGY

## I. FISHING GEAR AND DESIGN

1. Introduction to Fishing Gear
2. Classification of indigenous fishing gear
3. Modern Fishing Gear and classification
4. Basic principles of designing-different types of fishing gear-gill nets, trawks, seines, lines, bag nets traps etc.
5. Mesh and mesh selectivity
6. Netting—knotted and knotless webbing
7. Hanging ratio

## II. FISHING GEAR MATERIALS

1. Introduction to fishing gear materials and selection of materials in relation to the fish and fishing methods.
2. Classification of fishing gear materials—Natural fibres and man made fibres—description and details. Properties of materials—density, strength, abrasion resistance etc.—Hard ware materials.
3. Numbering system of twines and ropes—Denier, Tex, matric and conversion.
4. Construction of twines and ropes—fibre, yarn, twisting, brading etc.
5. Steel ropes—material and construction—combination ropes
6. Floats—purpose and types—buoyancy, extra buoyancy
7. Sinkders—purpose and types

## III. FISHING TECHNIQUES

1. Principles of catching fish
2. Description of different fishing methods with respect to the type of fish to be caught
  - a. Gill netting—Basic principle
    - a.1. Simple gill net
    - a.2. Trammel net
    - a.3. Combination gill nets (vertical and horizontal combinations)
    - a.4. Fishing depth—surface, midwater and bottom—net and drift.
  - b. Seining (encircling)—Basic principle
    - b.1. Beach seine of shore seine
    - b.2. Boat seine—Lampara, purse seine
  - c. Trawling—Basic principle
    - c.1. Classification of trawls—Beam trawl, otter trawl, out rigger trawl and mid water trawling.
  - d. Fishing with lines
    - d.1. Simple line, multiple hand line and long line.
    - d.2 Tuna long lining
    - d.3 Sharp and other fish long lining
  - e. Set bag nets—basic principle
    - e.1 Stake nets
  - f. Trap fishing—Basic principles

## IV. DECK EQUIPMENTS

1. Introduction to deck equipment and their purpose
2. Different types of deck equipments for various types of fishing
  - 2.1. Trawl winch
  - 2.2. Purse seine winch

- 2.3. Combination winch
- 2.4. Net winch (net drum)
- 2.5. Line haulers/gill net hauler and gurdie long line hauler
- 2.6. Hand reels
- 2.7. Fair leads
- 2.8. Power block and transfer blocks
3. Working principles of the above

#### V. FISHING ACCESSORIES

1. Otter-boards, kites or elevators, suppressors, beams , trawl heads—purpose
2. Floats, sinkers, Danleno—purpose
3. Purse rings, shackles, thimbles, G. link, Kelly's eye, with—stopper Link
4. Chafing gear

#### VI. DECK LAYOUT

Various types of deck layouts for different types of fishing including combinations.

1. Gill netters—  
Bow pickers, stern picker and reel gill netter
2. Trawler—  
Stern trawler, side trawler and out-rigger trawler
3. Purse-seiner
4. Long-liner
5. Combination vessels etc. (Trawler-purse seiner, trawler gill netter, multipurpose)

#### VII. FISHING BIOLOGY AND FISH HANDLING

1. Marine environment
2. Migration of fishes
3. Marine Fisheries of India
4. Handling of fish on board

#### VIII. OCEANOGRAPHY AND MARINE METEOROLOGY

1. Atmosphere, Atm. pressure, water vapour in the atmosphere, visibility, clouds
2. Pressure gradient and wind. General pressure and wind distribution in the Indian Ocean—periodic and local winds
3. Weather messages
4. Net instruments normally used in fishing vessels

#### IX. FISH FINDING

1. Elementary acoustics
2. Electronic equipments used in fishing

#### X. FISHING GEAR PRACTICALS

1. Basic netting—meshbar, mesh size—stretch mesh and cross mesh (Run with the mesh and across mesh)
2. Net making implements—Needle and guage
3. Basic net making—practice with trawl knot reef knot (square knot double knot etc.)
4. Shaping of netting by traiding—creasing, baiting
5. Shaping of netting by tailoring
6. Hanging (mounting) of netting, Top & side mounting, different methods Hanging ratio.
7. Joining of netting
8. Mending
9. Splicing—rope splicing and wire rope splicing

## SYLLABUS FOR ADVANCED FISHING TECHNOLOGY COURSE

## I. FISHING GEAR AND DESIGN

1. Introduction to fishing gear-- Basic principles of catching fish
2. Classification of modern fishing gear
3. Principles of designing different types of fishing gear
  - a. Gill net
    - a.1 Surface gill net } Set and drift
    - a.2 Bottom gill net }
    - a.3 Trammel net }
    - a.4 Vertical combination and horizontal combination net
4. Netting- mesh, bar, stretch mesh, cross mesh
5. Shaping of netting braiding, tailoring
6. Importance of hanging ratios for different types of fishing gear, with respect to the type of fish

## II. FISHING GEAR MATERIALS

1. Different kinds of netting materials -natural and synthetic
2. Selection of materials in relation to fish and fishing methods--specific gravity, abrasion resistance, diameter, twist, strength, sinking speed etc.
3. Selection of steel wire ropes and combination ropes-construction, flexibility, strength

## III. FISHING TECHNIQUE

1. Modern fishing methods
  - 1.1 Description of the important types of modern fishing methods
  - 1.2 Recent developments and improvements on modern fishing methods like aimed trawling, purse-seining with light, electric fishing etc.
  - 1.3 Mid water trawling-single boat and two boat
2. Gill net
 

Simple gill net, trammel net, gill net with vertical and horizontal combinations --surface, bottom and column set and drift
3. Hook and line fishing
  - 3.1 Reel hand lines for kalava
  - 3.2 Tuna long lining
  - 3.3 Shark long lining
  - 3.4 Lining for other fishes
  - 3.5 Squid jigging
  - 3.6 Trap fishing

## IV. DECK EQUIPMENTS

1. General deck equipment, winches, gurdies, line haulers, power blocks. Heaving net winches-net drums, reels, fair leads, bollards etc.
2. Deck fishing equipment
  - (a) Trawl winch (in line and parallel drum)--description, working, capacity (wire capacity and load taking capacity) speed and selection
  - (b) Purse-seince winch (as above)
  - (c) Combination winches--(as above)
  - (d) Split winches--(as above)
  - (e) Net winches--(as above)
  - (f) Gurdie--Description, working, speed, load taking capacity, selection
  - (g) Line hauler --do-

- (h) Hand line reels—description, working capacity and selection
- (i) Transfer block—description, working and selection
- (k) Trawl eye winch (cable winch)
- (l) Net cable winch
- (m) Tripler net winch—description and function

#### V. FISHING ACCESSORIES

1. Otter boards
  1. (a) Rectangular
  1. (b) Oval
  1. (c) V-Form
  1. (d) Vertical curved
  1. (e) Horizontal curved—selection of other boards
2. Beams (for beam trawls) description, size.
3. Trawl head (for beam trawls) description, working and shapes
4. Kites/elevators—description, working and types
5. Suppressors—description, working and types
6. Danleno—function, types and description
7. Floats, sinkers, bobbins, ground rope etc.  
function, description, types, selection
8. Purse-rings, cod end rings, shackles, swivels, thimbles—function, description, type and selection
9. Fair leads—function, description and shapes
10. Bollards, cleats, capstan etc.
11. Hydrographic winch-purpose

#### VI. DECK LAYOUT

1. Gill netter  
Type and size of vessel, deck space, position of engine, deck layout for efficient operation, installation of the appropriate deck equipment for handling the gear (bow picker, stern picker, reel gill netter).
2. Trawler
  - (a) Stern trawler  
Type of winch, type of fairleads, type of gallows, positioning and installation, arrangements for ramp type stern trawling, leading of towing warps, arrangements for heaving cod ends, arrangements for out-rigger trawling.
  - (b) Side trawler—  
Winch, fair leads, gallows, towing blocks—type, size selection, positioning and installation
  - (c) Out-rigger trawler  
Type of winch, fairleads, outrigger beams (size and length), selection, positioning and installation.
  - (d) Purse-seiner
    - (d) 1 Purse-seine winch (type, capacity, speed—selection, positioning and installation)
    - (d) 2 Purse davit—type, positioning and installation (Port-side or starboard side—direction of encircling—clockwise/anticlockwise)
    - (d) 3 Bow thruster, stern thruster—function
    - (d) 4 Net hauling winch (triplex net winch)—function, type, positioning and installation.
    - (d) 5 Power blocks—capacity, speed, type, positioning and installation
    - (d) 6 Transfer block—type, positioning and installation
    - (d) 7 Net chute—positioning



long liner—size of vessel and endurance in relation to fishing ground.

- (a) Long line hauler—type, size, speed (variable speed) selection, positioning and installation
- (b) Shooting tray and chute—positioning
- (c) Bait—bait container—storage
- (d) Conveyor system while hauling
- (e) Rail roller—type function, position and installation
- (f) Positioning of fish hold and capacity
- (g) Processing facility
- (h) Typical deck arrangements for the above with possible alternatives Combination vessels—best type of combination for efficient operations.

#### VII. FISHING BIOLOGY AND FISH HANDLING

1. Interrelationship between plankton and, pelagic fisheries benthic organisms and bottom fisheries.
2. Important commercial fishery resources of India
3. Fish behaviour in relation to fishing gear.
4. Fish handling.

#### VIII. FISH FINDING

1. Electronics in fishing
2. Fish sounder, Sonar and Net sonde, Practical application
3. Interpretation of echo grams

#### IX. OCEANOGRAPHY AND METEOROLOGY

1. Fish behaviour in relation to environmental conditions
2. Weather warning

#### X. FLEET MANAGEMENT

1. Organisation of fishing fleet

Type and size of vessel required vis-a-vis resources/fishing grounds/methodology

2. Shore facilities
  - (a) Berthing-loading/unloading
  - (b) Bunkering
  - (c) Fresh water
  - (d) Storage 2.d.1 Cold storage/ice plant
- d. 2 Fishing gear
  - (d) 3 Engine spares
  - (d) 4 General
2. (e) Processing-freezing/canning
3. Management of personnel.

#### APPENDIXES—E

[See Rule—(8)]

#### SIGHT TESTS

##### PART—I

1. Preliminary :— (a) The purpose of these tests is to ensure that the candidate's eye-sight is sufficiently good to enable him to pick up and identify correctly the lights of distant ships at sea. Experience has shown that for this purpose he must be able to reach certain minimum standards in both form and colour vision.

(b) The tests employed are a "letter test" and a "lantern test" details of which are given below. The letter test is a test of form vision only and the lantern test is one of form and colour vision combined.

(c) The Examiner shall keep a record of all mistakes made by the candidate both in the letter test and in the lantern test.

2. Application :— (a) Every candidate who is going out to sea to serve in the deck department of any vessel for the first time and any other candidate who desires to undergo the sight test other than as part of the examination for a Certificate of Competency, shall apply in the form prescribed in Annexure to this Appendix and shall pay the fees prescribed in Appendix 'H'.

(b) A candidate for examination for Certificate of Competency shall not be required to make a separate application for sight test and no fees shall be paid by him other than the fees prescribed in Appendix 'H' for the examination for a Certificate of Competency.

## PART—II

### LETTER TEST

3. Apparatus :— The first test which the candidate shall be required to undergo shall be the letter test conducted on Scellen's principle by means of sheets of letters. On each sheet the fifth, sixth and seventh lines correspond to standards 6/12, 6/9 and 6/6 respectively.

4. Artificial aids :— Before the commencement of the test, the candidate who is not a new entrant shall advise the Examiner whether or not he intends to use artificial aids to form vision. Such aids shall constitute of either spectacles or contact lenses. Tinted lenses shall not be permitted.

5. Standards of vision required :

(a) Candidate will be tested in each eye separately

(b) A candidate, other than a new entrant, who attempts the sight test without the use of artificial aids shall be required to read down to and including the seventh line with the better eye and down to and including the sixth line with the other eye.

(c) A candidate, other than a new entrant, who attempts the sight test using artificial aids shall be required,—

(i) with artificial aids, to read down to and including the seventh line with the better eye and down to and including the sixth line with the other eye; and

(ii) without artificial aids, to read down to and including the fifth line with the better eye and down to and including the third line with the other eye.

(d) A candidate who is a new entrant shall be required to read down to and including the seventh line with the better eye and down to and including the sixth line with the other eye. He shall also be required to read all letters in the seventh line with both the eyes. He shall not be permitted to use artificial aids.

6. Method of testing

(a) The test card shall be mounted at a convenient height and shall be properly illuminated. Daylight shall not be used. The testing room shall be moderately lighted so that extreme contrast between the test card and background is avoided.

(b) The candidate shall stand exactly 6 metres from the card facing it squarely. He shall then be required to read the letters on the sheet from left to right beginning at the top and going downwards.

(c) Care shall be taken, by varying the order of the test sheets, to guard against the possibility of any deception on the part of the candidate.

7. Failure :— If the candidate fails to reach the standard required on the first sheet, he shall be tested with sheets. If he fails to reach the standard in atleast 3 of the 4 sheets the following alternatives may be explained to him.

(a) He may break off the test and present himself for retesting in not less than three months, in which case a certificate of failure shall be issued to him in form prescribed in Annexure-II to this Appendix; or

(b) If he is not a new entrant and has not used artificial aids at his first attempt, he may present himself for retesting any time with artificial aids, or

- (c) He may proceed to the lantern test. In this case, a record of all mistakes made in the letter test and all mistakes, if any, made in the lantern test shall be forwarded to the Chief Examiner who shall decide whether the candidate has passed or failed in the sight test.

### PART—III

#### LANTERN TEST

##### 8. Apparatus :

- (a) A special lantern and a mirror shall be provided for this test. The test is to be conducted in a room so darkened as to exclude all light.
- (b) The lantern shall be placed directly in front of the mirror so that the front part of the lantern shall be exactly 3.05 metres from the mirror and in such a position that the light reflected in the mirror show clearly when viewed by the candidate on the left of the lantern.

##### 9. Artificial aids :

A candidate, other than a new entrant, who has used artificial aids in the letter test may continue to use such aids in the lantern test.

##### 10. Darkness adaptation :

If a candidate makes mistakes at the beginning of the lantern test, he shall be kept in a completely or partially darkened room for at least a quarter of an hour and shall then begin the test again.

##### 11. Method of testing :

- (a) The lantern supplied for the test shall be so constructed as to allow 1 large or 2 small lights to be visible and is fitted with glasses of 3-colours viz. red, white and green. At the beginning of the test the candidate shall be shown a series of lights through the large apertures and he shall be required to name the colours as they appear.
- (b) Subsequently 4 full circuit and 1 broken circuit with the 2 small apertures shall be shown to the candidate who will name the colours of each set of 2 lights from left to right.

##### 12. Result :

- (a) If a candidate does not make any mistake in the lantern test after passing the letter test, he shall be deemed to have passed the whole test and the Examiner shall issue a certificate to that effect in the form prescribed in Annexure II to this Appendix.
- (b) If, with either the large or small aperture of the lantern, a candidate mistakes red for green or green for red, he shall be deemed to have failed in the lantern test and a certificate shall be issued to him in the form prescribed in Annexure-II to this Appendix.
- (c) If a candidate makes any other mistakes in the lantern test i.e. if he calls white as "Red" or red as "White" or confuses between green and white, his case shall be submitted to the Chief Examiner and he shall be informed that the decision as to whether he has passed or failed or must undergo a further test, shall be communicated to him in due course. Pending the receipt of the Chief Examiner's instructions the candidate may be allowed to proceed with his examination for a Certificate of Competency on the express understanding that this examination will be cancelled in the event of his failure in the sight test.

##### 13. Re-testing of unsuccessful candidates :

A candidate who fails in the lantern test shall not again be tested locally, unless the Chief Examiner directs that he may be so tested.

## PART—IV

## SPECIAL EXAMINATION AND APPEALS

## 14. Special examination: —

In the case of any candidate who is referred to the Chief Examiner under the provisions of sub-paragraph (c) of paragraph 12, the Chief Examiner may make arrangements for a special examination.

15. Appeals :—A candidate who is adjudged to have failed in the lantern test may appeal for a review. In every such case, the Chief Examiner shall make arrangements for examination of the candidate. Every such appellant shall pay appropriate fee as prescribed in Appendixes which shall be refunded to him if he is declared to have passed the examination.

16. Examination Board : The special and appeal examinations shall be conducted by a Board consisting of Chief Examiner or his nominee and a specialist adviser on eye sight appointed by the Chief Examiner.

## 17. Punctual attendance :

- (a) Whenever any special or appeal examination by Board is arranged, the Chief Examiner shall give sufficient advance notice of the date and time of such examination to the candidate.
- (b) Any candidate who is unable to attend the examination shall immediately inform the Chief Examiner of his inability and reasons therefore. If satisfied, the Chief Examiner may alter the programme of examination and give notice to the candidate of revised time schedule of the examination.
- (c) If any candidate for special examination under paragraph 14, fails to appear for the examination at the appointed date and time, the Chief Examiner may defer his examination by an indefinite period.
- (d) If a candidate, being an appellant under paragraph 15, fails to appear for the examination at the appointed date and time, the fee paid by him shall be forfeited. Arrangement for his examination by the Board on any other date may be made on payment of a further fee under paragraph 15.

## 18. Failures :—

- (a) Where, on examination any candidate appearing before the Board under paragraph 14 for 15 as found to have a permanent defect in his eyesight which renders him unfit for a sea career, such candidate shall be finally rejected and may not be permitted to appear for sight test on any occasion in future except under paragraph 19.
- (b) Any candidate who fails in the examination but is not finally rejected by reason of being found to be free from any permanent eye defect, may, at his choice appear before the Board for examination as an appellant under paragraph 15 after a lapse of three months from the date of examination or seek re-examination under paragraph 19.

## 19. Re-examination :—

- (a) Any candidate who fails in the appeal examination whether due to permanent defect in eye or not may seek re-examination by the Board in the presence of an ophthalmic surgeon appearing on his behalf on payment of fee prescribed in Appendix (F). This fee shall not be refunded whether the candidate is finally adjudged to have passed or failed.
- (b) The date and time of the re-examination shall be fixed by the Chief Examiner in consultation with candidate and ophthalmic surgeon. If the candidate fails to appear for the re-examination, the fee shall be forfeited. Arrangement for re-examination on any other date shall be made only on payment of further fee under this paragraph.

## ANNEXURE-I

Rotation No.  
(official use only)

## APPLICATION FOR SIGHT TEST

- A. (1) Place of Examination :  
 (2) (a) Surname : (BLOCK LETTERS)  
 (b) full name : (BLOCK LETTERS)  
 (3) Permanent address :  
 (4) Discharge Book No. (if any) :  
 (5) Notionality :  
 (6) Date of Birth :  
 (7) Place of Birth :  
 (8) Height (cms) :  
 (9) Colour of eyes :  
 (10) Complexion :  
 (11) Identification Marks :  
 (12) Rank (if serving at sea) :  
 (13) If about to go to sea :  
 (a) Name of company :  
 (b) Capacity :  
 (14) (a) Date of previous eye sight test :  
 (b) Results : PASSED/FAILED

## Declaration of candidate :

I hereby declare that the particulars stated above are correct and true to the best of my knowledge and belief. I further declare that except as stated in Column 14. I was not examined in an eyesight test held in any Mercantile Marine Department, I wear/do not wear artificial aids to vision.

Signature of Candidate

The above declaration was signed in presence of

Examiner of Masters and Mates, Mercantile Marine Department..... District.

B. A fee of Rs. .... was received for examination in sight test

Signature .....

Date : .....

Place : .....



**C. EXAMINERS CERTIFICATE :**

I hereby certify that the candidate described above was examined in sight test under the provisions of Appendix 'B' of the Merchant Shipping (Examination of Skippers and Mate of Fishing Vessel) Rules, 1981.

\* The result of the test was as follows :—

	With or without aids to vision	Form	Colour	Results
Standard				
New Entry				

1. He may be examined at any time with artificial aids to vision
2. He may be examined after a lapse of three months.
3. He may not be examined again without the prior approval of the Chief Examiner

EXAMINER

Note : If failed or to be referred for further advise, one copy of this application form shall be forwarded to the Chief Examiner with detailed report.

\*Where not examined, indicate by stating N.E.

†Delete if not applicable.

ANNEXURE—II  
SIGHT TEST CERTIFICATE

Full Name : .....  
(BLOCK LETTERS)

Date of birth ..... Place ..... Rank ..... Height .....

Colour of eyes ..... Hair ..... Complexion .....

Identification Marks .....

Result of examination ..... \*with/without artificial aids to vision

- \* 1. May be examined locally any time with artificial aids
2. May be examined locally in three months time
3. May not be examined locally except by order of the Chief Examiner

\* Delete the words that do not apply.

I hereby certify that the particulars contained above are correct.

Dated at ..... District, this ..... day of ..... 19 .....

Signature of examiner :

Signature of candidate :

Note : The candidate should produce this Certificate when applying for re-examination.

## APPENDIX F

See Rules 9 (1), 26 (1), 43 (3)

Rotation No. ....  
(Official use only)

## APPLICATION FOR EXAMINATION OF SKIPPERS &amp; MATE OF FISHING VESSEL

1. Grade of Examination .....

2. Place of Examination : BOMBAY/CALCUTTA/  
MADRAS/VISAKHAPATNAM/COCHIN3. (a) Surname: .....  
(IN BLOCK LETTERS)(b) Full name: .....  
(as on records BLOCK LETTERS)

Photo  (Stick one copy and attach one certified copy)
--

4. (a) Permanent address: .....

(b) Present address: .....

(c) Telephone No. (if any) .....

5. Discharge Book or Record of service: .....

No. : .....

6. Nationality: .....

7. Date of birth .....

(proof to be produced)

8. Place of birth .....

9. Height .....

Cms.

10. Colour of eyes .....

Hair .....

11. Complexion: .....

12. Personal marks .....

13. Details of previous Certificate of Competency/Service (if any)

(a) Grade: .....

FG/HT

(b) Certificate No. ....

(c) Date passed .....

14. Was your certificate cancelled or suspended by any authority?

Give details: .....

## 15. Details of scholastic education and professional training:--

- (a) Scholastic Education : School/College .....
- Examination passed .....
- (b) Pre-sea training:—LBS N&E College/Indian Navy others.
- (c) Period of attendance at
- CIFNET/AIDC/RAJENDRA/DIRECT/SEAMAN } From
- prior to first attempt. (Certificate to be produced) } To

Take notice—Any person who makes, procures to be made or assists in making any false representation for the purpose of obtaining for himself or any other person, a Certificate of Competency or service is for each offence liable to be punished for cheating under Section 420, of the Indian Penal Code and also for knowingly giving false information to the public servant under Section 182 of the Indian Penal Code.

## 16. Full particulars of sea service

Testimonial	Name of vessel	Length	Port of Registry and O. No.	% Capacity	From	To	Period Y.M.D.	Remarks
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								

## 17. FOR OFFICIAL USE ONLY:

Certificate	Particulars No.	Date issued	Total service at sea for which proof is now produced
Sea Service	.....	.....	(1) Candidate's record book scrutinised and found
Birth	.....	.....	/not to be satisfactory
Watch Keeping (total nos)	.....	.....	(2) Candidate described above is eligible to appear
Competency/Service	.....	.....	for examination for Certificate of Competency
First Aid at sea	.....	.....	as .....
Life Boat	.....	.....	.....
Radar Observer	.....	.....	.....
Radar Simulator Course	.....	.....	Subject to remarks in Section .....
Radio Telephone Operator	.....	.....	.....
Elementary Fishing Technology	.....	.....	.....
Advanced Fishing Technology	.....	.....	.....

EXAMINER

## 18. Declaration to be made by the candidate

"I hereby declare that the particulars contained in paras 1 to 16 of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief and that the documents whose particulars are contained in para 17 and submitted with this form are true and genuine, given and signed by the persons whose name appear on them. I

further declare that the statement in para 16 contains a true and correct account of the whole of my sea service without exception, and I make this declaration conscientiously believing the same to be true".

Signature of candidate

The above declaration was signed in my presence

EXAMINER

Mercantile Marine Department

BOMBAY/MADRAS/CALCUTTA/VISAKHAPATNAM/COCHIN

19. Request for allotment of seat for examination

No. of attempt	Month	Fees paid		Examination parts			Signature of candidate with date
		Amount	date Recd. by	A	B	C	
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

20. Result of examination:

Sight Test Port/Date	Result	Signature	Examination part			Remarks	Signature
			A	B	C		
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

21. Under the provision of rules, ..... and ..... this candidate is required to attend course of instruction/perform further sea service as follows:—

Month	Port of examination	Requirement	Next eligible	Signature of examiner	Signature of candidate
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

22. Certificate of examiner :

I hereby certify that

(a) The candidate has produced satisfactory testimonials and proofs of sea service/watch keeping service.

(b) The candidate complies with the requirement of M.S. (examination of Skippers and Mate of Fishing vessel) Rules with the exception of the following. He has however been permitted to appear for the examination under the provisions of rules.....

- 1.
2.
3.
4.
5.

(c) The candidate has passed the examination for the Certificate of Competency as..... and letter of authority No.....date.....was issued to him. His certificate of Competency may be forwarded to Mercantile Marine Department.....for issue subject to compliance with sub-para (b) above.

Examiner
Mercantile Marine Departmen
.....District

APPENDIX-G

[Sec Rule 11 (1)]

WATCHKEEPING CERTIFICATE

This is to certify that Shri.....has served on..... from.....to.....in the capacity of Ist/2nd/3rd/4th Watch keeping Officer under my command.

\*During this period Shri.....was an officer in full charge of a watch for not less than Eight/Six hours out of every twenty four hours of service.

In addition he has regularly carried out additional routine duties in connection with the maintenance of the fishing vessel for not less than two hours out of every twenty four hours of Service.

\*During this period Shri.....was associated with watch keeping duties under the supervision of Shri.....holding Certificate Competency as.....for not less than.....hours out of every twenty four hours of service.

\*Bridge watches were doubled during the following periods and at no other times.

\*During these periods Shri.....served as Senior/Junior of the two watch-keeping officers.

\*During the period of engagement stated above Shri.....was/was not granted leave of absence from.....to.....

\*During the period from.....to.....the vessel was in dry dock/undergoing hull and deck repairs.

- Report on conduct
Report on ability
Report on sobriety

Signature of Skipper

\*Delete if not applicable

Name.....



## APPENDIX-(H)

See Rules 13, 26(3), 47 (2) and paras 2, 15 and 19 of Appendix-E

## FEES

1. Assessment of Sea service (for all grades)	Rs. 30/-
2. Examination for Mate of Fishing vessel each part	Rs. 10/-
3. Examination for Skipper of Fishing Vessel grade II each part	Rs. 20/-
4. Examination for Skipper of Fishing Vessel grade I each part	Rs. 30/-
5. Sight Test	Rs. 10/-
6. Sight Test appeal	Rs. 100/-
7. Sight Test re-examination	Rs. 200/-
8. Issue of certified true copy of Certificate of Competency or Letter of authority	Rs. 50/-

## APPENDIX-I

See Rule-14

## CERTIFICATE OF MEDICAL FITNESS FOR AN OFFICER TO WORK ON BOARD SHIP

Date of examination: Passport/CDC No.  
 Name of the Candidate: Colour of eyes:  
 Permanent Address of the candidate : Hair :  
 Complexion :

Age :

Height :

Identification marks:

- 1.
- 2.
- 3.

Result of the medical examination:

Signature or thumb impression of officer:

Seal

Place

Date

Signature of the Medical Officer

Note : In case a candidate is declared unfit reasons for unfitness to be indicated.

## APPENDIX-J

See Rule-38

## SYLLABUS OF MATE OF FISHING VESSEL

## PART-A

Time : 3 hours

Marks : 150

## 1. SAFETY, SEAMANSHIP AND WATCHKEEPING

1. General definition of main dimensions. The names of the principal parts of a fishing vessel.
2. (a) The meaning of the terms Block co-efficient, Displacement and Deadweight.

Laws of floating body. Use of displacement and tonnes per centimetre immersion scales to determine weights of cargo or ballast from draught or freeboard.

Effect of density of water on draught and freeboard.

Fresh water allowance.

The meaning of the terms Buoyancy and Reserve buoyancy.

- (b) The meaning of the terms Centre of gravity, Centre of buoyancy, Metacentric height, Righting lever and Righting moment.

Stable, unstable and neutral equilibrium.

The effect of adding and removing weights on ship's centre of gravity, centre of buoyancy, metacentric height and list. Use of stability and hydrostatic data as supplied to fishing vessels and calculations based thereon.

3. (a) Maintenance of fishing vessels.
- (b) Safety care and maintenance of all life saving and fire appliances, light and sound signals and safe practices to be followed when fishing.
4. (a) Sextant—The construction and use of the marine sextant, including the optical principles involved. The detection and correction of sextant errors. The principles and use of the vernier and micrometer scales.
- (b) Chronometer—The use and care of marine chronometer and its errors.
- (c) Magnet Compass—The use and care of magnetic compasses. Magnetic and non-magnetic materials and their effect on the compass. Checking compasses. Practical limitation of the magnetic compass.
- (d) GYRO COMPASS:—An elementary knowledge of the use and care of marine gyro compasses, including the procedure for starting and stopping. Routine oiling and cleaning. Routine operational checks. Application of latitude and speed error.
- (e) Bearing Instruments:—The construction and use of azimuth mirrors. Procedure for checking accuracy of azimuth mirrors. The construction and use of a Pelorus.
- (f) Maintenance of navigational records.

Time : 2 hours

Marks : 100

## 2. METEOROLOGY

- (a) General idea of the atmosphere Diurnal variation and seasonal variation of atmospheric temperature over land and sea.
- (b) Atmospheric pressure—Semi-diurnal variation and seasonal variation Barometric tendency. Storm prediction by observations of atmospheric pressure—The use of barometric observations and weather signs at a single station to predict the onset of a depression or storm.
- (c) Water vapour in the atmosphere. Evaporation, condensation precipitation, relative humidity, saturation, dew point. Formation of dew. The differences between drizzle, rain and hail.
- (d) Visibility—definition, judging and reporting visibility. Meaning of mist, fog, haze, spray and their effect on visibility.
- (e) Clouds—Classification due to height and appearance of the ten basic types commonly seen and their abbreviations.
- (f) Pressure gradient and wind—Isobars and pressure gradient Meaning of veering, backing, gust and squall, Buys Ballot's Law and cautions when applying it to cyclones in the Arabian sea and Bay of Bengal. Their probable tracks and frequencies Laws of storms. The Beaufort wind scale and Beaufort weather notation.
- (g) True and apparent wind—their meaning and difference. Methods of estimating direction and force of wind at sea. Simple problems on true and apparent wind.
- (h) General pressure and wind distribution in the Indian Ocean.
- (i) Periodic and local winds—Land and sea breezes, monsoons, Nor-western and Elephantaas.

- (j) A knowledge of the weather messages available for shipping. Storm warning signals on the Indian Coasts.
- (k) A detailed knowledge of the meteorological instruments normally used on fishing vessels :

Time : 3 hours

Marks : 200

### 3. PRACTICAL NAVIGATION

- (a) The shape of the earth. Poles, equator, meridians, parallel of latitude. Position by latitude and longitude. Bearing distance, units of measurement. Difference of latitude difference of longitude, departure, mean and middle latitude, difference of meridional parts and the relationship between them. Use of position lines with or without run.
- (b) Practical problems on plane, parallel and Mercator sailing.
- (c) The use of the traverse tables to obtain the position of the ship at any time, given compass courses, variation deviations and the run recorded by log or calculated by time and estimated speed, allowing for the effects of wind and current, if any.
- (d) To find the latitude by meridian altitude of a heavenly body.
- (e) To find position line and position through which it passes from an observation of sun out of the meridian.
- (f) To find the true bearing of a heavenly body, the compass error and thence the deviation of the magnetic compass of the direction of the ship's head.

Time : 2 hours

Marks : 150

### 4. CHART WORK

- (a) Given variation and deviation of the magnetic compass or gyro error, to convert true courses into compass courses and vice-versa.
- To extract the deviation from sample table of deviations, thence to convert true courses into magnetic and compass courses.
- To find the compass course between two positions.
- (b) The effect of current on speed. Allowance for leeway. Given compass course steered, the speed of the ship and direction and rate of currents to find the true course made good.
- To find the course to steer allowing for a current. Given the course steered and distance run, to determine the set and rate of the current experienced between two positions.
- (c) To fix a position on a chart by simultaneous cross bearings bearing and range, positional information from radio aids to navigation or by any combination applying the necessary correction.
- (d) To fix the position by bearings of one or more objects with the run between, allowing for a current and to find the distance at which the ship will pass a given point.
- (e) The use of position lines and circles obtained by any method.
- (f) To find the time and height of high and low water at standard ports.
- (g) Candidates will be examined orally on the information given on a chart or plan particularly about :—  
Buoys, lights, Radio Beacons, Navigational Aids, depths and nature of bottom, use of soundings, recognition of the coast and Radar responsive targets, depth and height contours.
- (h) Candidates will be required:—
- (i) To demonstrate the ability to make intelligent use of sailing directions, Admiralty catalogue of charts and list of lights.
  - (ii) To understand the use of Notices to Mariners and to be familiar with the process of chart correction
  - (iii) To understand the dangers of placing implicit reliance upon floating navigational aids
  - (iv) To understand the use of Decca lattice charts and Decca correction sheets.

## PART B

## ORALS

- (a) To read, understand and make use of a barometer and thermometer. The instruments supplied by the Meteorological Office will be taken as standard.
- (b) To use an azimuth mirror, pelorus (bearing plate) or other instrument for taking bearings.
- (c) To use a sextant for taking vertical and horizontal angles, to read a sextant both on and off the arc, to correct a sextant into which has been introduced one or more errors of perpendicularity, side or index; to find the index error of a sextant.
- (d) The rigging of fishing vessels, methods of ascertaining proof and safe-working loads of ropes including synthetic fibre and wire ropes with and without certificates of proof loads. Rigging purchases and a knowledge of the power gained by their use. Knots, hitches and bends in common use. Seizings, rackings, rope and chain stopers. Splicing plaited and multi-strand manila and synthetic fibre rope and wire rope with strict reference to current practice. Slinging a stage, rigging and bosun's chair and pilot ladder.
- (e) Marking and use of ordinary lead lines.
- (f) Preparations for getting under way. Duties prior to proceeding to sea, making harbour, berthing alongside quays, jetties, or other ships and securing to buoys.
- (g) Helm orders, conning the fishing vessel. Effects of propellers on the steering of a fishing vessel Stopping, going astern knowledge of manoeuvring capabilities of fishing vessels including turning circles, stopping-distances etc. Effects of wind and currents on handling of fishing vessels. Turning a fishing vessel short round Emergency manoeuvres. Bringing a fishing vessel to single anchor in an emergency. Man overboard.
- (h) The duties of the watch keeping officer at sea, at anchor and at open roads.
- (i) Anchors and cables: their use and stowage.
- (j) Knowledge of the use of all deck appliances including emergency steering gear.
- (k) Use and upkeep of sounding appliances; Use and care of light and sound signalling equipment including pyrotechnic light.
- (l) The use and care of life-saving appliances including handling characteristic, construction and stowage of life-rafts, Emergency signal, abandon ship signal, Bending, setting and taking in lifeboat sails, management of boats under oars, sails power and in heavy weather, recovering boats at sea, Beaching or landing. Survival procedure in life-boats and life rafts. The use and care of rocket and line throwing apparatus.
- (m) The use and care of fire appliances including the smoke helmet, emergency fire pump and self-contained breathing apparatus.
- (n) Action to be taken on discovering a fire:—
  - i. in port
  - ii. at sea
- (o) Knowledge of the precautions to be observed to prevent pollution of the marine environment.
- (p) A full knowledge of the content and application of the Collision Regulations.
- (q) Distress and pilot signals; penalties for misuse. International life-saving signals.
- (r) A knowledge of the contents of 'Merchant Shipping Notices' and 'notices to Mariners'. The use of Notices to Mariners and Merchant ship search and resume manual (MERSAR)
- (s) The I.A.L.A. system of buoyage, Precautions while using floating navigational aids e.g. buoys, light vessels etc.
- (t) The examiner may ask the candidate question arising out of the written work, if it is deemed necessary on account of weakness shown by the candidate.

## PART-C

## SIGNALS

1. To send and receive signals:—

- (a) Semaphore upto eight words per minute
- (b) Morse-code by flash lamp up to six words per minute

(c) International code of signals.

2. Use of Radio telephony on board a fishing vessel for transmission and reception of navigation warning, urgency and distress messages in emergency.

### SYLLABUS OF SKIPPER OF FISHING VESSEL GRADE II

#### PART A

Time : 3 hours

Marks : 200

#### 1. PRACTICAL AND PRINCIPLES OF NAVIGATION

Note: In addition to the syllabus for Mate of a fishing vessel the candidates shall be required to have knowledge of the following:—

- (a) The celestial sphere, Declination, Azimuth, sidereal hour angle. The position of a body on the celestial sphere; azimuth with the altitude, declination with sidereal or local hour angle of mean sun. Ecliptic, first point of aries. Greenwich and other standard times, mean time, apparent time, sidereal time, equation of time, relationship between longitude and time.
- (b) To find latitude by observation of the pole star.
- (c) To determine the direction of the position line and a position through which it passes from an observation of a star or sun out of the meridian.
- (d) To determine the position of the ship from two simultaneous observation of stars or by observation of a star and sun with a run between or a star and the bearing of a terrestrial object.

Time : 2 hours

Marks : 150

#### 2. CHART WORK

- (a) The use of a single position line in approaching the coast.
- (b) Reliability of charts.
- (c) Selection of suitable points for bearing or for fixing the ship's position by means of horizontal angles.
- (d) Approaching an anchorage and navigating in narrow waters.
- (e) Making landfall or proceeding along a coast in thick and clean weather.
- (f) Navigation and voyage planning in all conditions by plotting courses within restricted waters, in restricted visibility, in traffic separation schemes and in areas of intensive tides.
- (g) Use of all appropriate publications on tides and currents and to calculate tidal conditions at any given time of any given standard port.
- (h) To answer any questions on above, which the examiner deems necessary.

Time : 3 hour

Marks : 150

#### 3. CONSTRUCTION AND STABILITY

- (a) The candidate will be expected to show his practical acquaintance with midship section of a fishing vessel and longitudinal and transverse framing, Beams and beam knees, watertight bulkheads, Hatchways and closing appliances, Methods of maintaining watertight integrity, Freeing ports, rudders, Steering gear-shell and deck plating, Bilge keels, Double bottoms and peak tanks, Bilges, Stern frames Sounding pipes, Air pipes, ventilators, General pumping arrangements, the stiffening and strengthening to resist panting pounding and longitudinal stresses.
- (b) Causes and simple methods of prevention of corrosion in a ship's structure excluding cathodic protection
- (c) General ideas on welding, riveting and turning and the precautions to be taken when such processes are carried out on board fishing vessel.
- (d) Knowledge of the following as related to fishing vessels.

(i) Life saving appliances

(ii) Fire appliances

- (e) Determination of the position of the centre of gravity of a ship for different conditions of loading and ballasting. The effect on the position of the centre of gravity of adding, removing, shifting or suspending



weights. Transverse metacentre, metacentric height. Initial stability and its limitation to small angles of inclination. Effect of a shift of cargo or solid ballast.

- (f) Changes of trim and draught due to loading discharging and shifting weights. Simple calculation.
- (g) Basic knowledge of IMCO recommendations concerning stability of fishing vessels and use of the stability data provided on board.
- (h) The loading and securing of catch on board ships, including fishing gear.
- (i) Loading and discharging operations with special regards to heeling moments due to gear during fishing operations.
- (j) General knowledge of the measures designed for the protection of the crew on decks, superstructure decks, at deck opening and on stairways and ladders.

Time : 2 hours

Marks : 100

#### 4. NAVIGATIONAL AIDS

##### (a) Magnetic Compass:—

A simple knowledge of the meaning hard and soft iron. Simple magnet, magnetic induction. The earth's magnetic field horizontal and vertical components, setting of compasses with particulars reference to the proximity of magnetic material and electrical appliances.

##### (b) Electronic Navigational Aids

- (i) Radar description and principle of radar. Its use as an anticollision device and navigational aid and an appreciation of its limitations, Radar plotting.
- (ii) Decca-An understanding of the general principles, accuracy, errors and limitation.
- (iii) Echo sounder Description of the general purpose navigation echo sounding system, and the special electronic aids used for fishing purposes.

### PART-B

#### ORAL

In addition to the syllabus for the Mate of fishing vessel examination candidates must understand and give satisfactory answers on the following subjects:—

- (a) Getting under way. Berthing and unberthing under various conditions of wind and tide.
- (b) Tending a vessel at anchor mooring and unmooring
- (c) How to keep a ship head to sea in heavy weather, if dismasted or with engines broken } down. Means of lessening drift and use of oil.
- (d) Manoeuvring the vessel during fishing operations with special attention to shooting and hauling nets.
- (e) Precautions in manoeuvring for launching boats or liferafts in bad weather and methods of taking on board survivors procedures from lifeboats or liferafts. Man over board procedures.
- (f) Importance of navigating at reduced speed in shallow waters and in narrow channel to avoid damage caused by own ship's bow/stern wave.
- (g) Organisation of fire drills, classes and chemistry of fire, use of fire fighting equipment.
- (h) Action to be taken prior to and after grounding, floating a grounded vessel with or without assistance.
- (i) Measures for the protection and safety of crew in emergencies. Abandoning ship.
- (j) Action to be taken if a vessel has sprung a leak, precautions when beaching a vessel.
- (k) The rigging and use of a jury rudder.
- (l) How to get a cast of the deep sea lead in heavy weather.
- (m) Effects of screws on steering of a vessel. Manoeuvring a vessel in rivers and harbours.
- (n) What is to be done according to the Act in cases of death, injury, ill-treatment, punishment inflicted on board and casualty to a vessel. Return of a list of crew, agreements, accounts of wages or shares and certificates of discharge as applied to fishing vessels.

- (o) Knowledge of the MS Act and International conventions to the extent applicable to fishing vessels.
- (p) Any other practical questions relating to the duties of a Skipper of a fishing vessel which the Examiner may think necessary.

## PART C

## SIGNALS

1. To send and receive signals:—
  - (a) Semaphore upto eight words per minute.
  - (b) Morse-code by flash lamp up to six words per minute
  - (c) International code of signals
2. Use of radio telephony equipment on board a fishing vessel for transmission and reception of navigation warning, urgency and distress messages in emergency.

## SYLLABUS OF SKIPPER OF FISHING VESSEL GRADE I

## PART A

Time : 3 hours

Marks : 200

## 1. PRACTICAL AND PRINCIPLES OF NAVIGATION

Syllabus for this examination shall be the same as prescribed in practical and principles of Navigation for Skipper of fishing vessel grade : II

Time : 2 hours

Marks : 150

## 2. CHART WORK

The syllabus for this examination shall be the same as prescribed in chart work for skipper of Fishing vessel Grade : II

Time : 3 hours

Marks : 150

## 3. CONSTRUCTION AND STABILITY

In addition to the syllabus prescribed for Skipper of fishing vessel grade II the candidate shall be expected to show his practical acquaintance with—

- (a) Hydrostatic and stability data and its use for determining the stability of a fishing vessel and its compliance with IMCO
- (b) Fire fighting appliances and arrangements to arrest the spread of fire.
- (c) Life saving appliances.
- (d) Design and construction aspects incorporated to ensure seaworthiness of a fishing vessel when external forces such as due to particular fishing methods, severe wind and rolling; water on deck, flooding of fish hold etc, are experienced. Advantages of bow height.
- (e) Inclining tests
- (f) Inspection and maintenance of fishing vessels and their equipment including hull, bulkheads, double bottom, deep and peak tanks, bilges, pipelines, rudder, anchor and cables. Drydocking routine, general repairs.
- (g) Properties and uses of paints, methods of corrosion control.
- (h) General knowledge of propulsion machinery and deck machinery including winches, windlasses, steering gear, fire pumps etc. general knowledge of marine engineering terms.

Time : 2 hours

Marks : 100

## 4. NAVIGATIONAL AIDS

- (a) The earth's magnetic field, poles and equator. The earth's total magnetic force, angle of dip, horizontal and vertical components.

- (b) Deviation, its cause and effect. An understanding of the effect of semi-permanent and induced magnetic fields on the deviation of the compass. The means used to compensate for these effects.
- (c) Setting of magnetic compasses with reference to proximity of magnetic material and electrical appliances. Precautions to be taken with electric wiring in vicinity of the compass.
- (d) To find the magnetic bearing of a distant object from compass bearings taken on equidistant heading construct a table of deviations.
- (e) The principle of the free gyroscope, Tilt and drift, precession, Control and damping. Correction for latitude, Course and speed error, Care and maintenance of different types of compasses, Auto pilot, repeaters and course recorders.
- (f) The practical application of electronic and radio aids to navigation. (Dacca, Echo sounder, Radar Direction Finder). Appreciation and interpretation of data. Position fixing, fixed and variable errors. area of probability. The use of radar as an aid to collision avoidance.

## PART B

## ORAL

The syllabus for this part shall be the same as prescribed for the part 'B' orals, for the Skipper of fishing vessel Grade II. The candidates shall be required to show a more thorough understanding of the subject than that at the level of Skipper of fishing vessel Grade II.

## PART C

## SIGNALS

The syllabus in this part shall be the same as prescribed in Signal examination for Skipper of fishing vessel grade-II.

[No. SW/5-MSR (14)/82—MA].  
J.C. PANT, Under Secy.]

## APPENDIX—K

See Rule 43 (3)

Date

## PARTIAL PASS

Name of candidate.....

Rotation No.....Grade.....

Colour of eyes.....Hair.....Complexion.....

Date of birth.....Height.....

Identification marks.....

Sight Test

Port	Date	Result	Signature
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			

Result of examination

Port date	Parts			Month next eligible	Signature
	A	B	C		

I hereby certify that : \*

- The candidate has produced satisfactory testimonials and proof of sea service/watch keeping service for a period of .....years.....months and .....days and was accordingly admitted for the examination for the Certificate of Competency as .....
- The result of the examination is as indicated above.
- Though the candidate has passed the examination, he has not been issued with a Certificate of Competency or a Letter of Authority for want of the following additional Certificates :
  - \_\_\_\_\_
  - \_\_\_\_\_
  - \_\_\_\_\_
- The candidate due to serious weakness shown is required to attend a course of instructions at an approved Institute for a period of .....months.
- The candidate due to serious weakness shown is required to serve a further period of .....months at sea.

EXAMINER OF MASTER AND MATES  
MERCANTILE MARINE DEPARTMENT.....Dist.

Signature of candidate

\*Delete words that are not applicable.

APPENDIX-L

See Rule 44 (2)

LETTER OF AUTHORITY

Name of the Applicant.....  
 Grade for which passed :.....Height.....Cms  
 Colour of Eyes.....Hair.....Complexion.....  
 Identification Marks.....  
 Date of Birth.....

Signature of applicant

Please deliver to the above named person, on his complying with the office regulation, the Certificate of Competency forwarded to you by the Chief Examiner.

Signature of Examiner

Dated at.....this.....day of.....19.....

To  
 The Principal Officer,  
 Mercantile Marine Department,  
 .....District.

## APPENDIX—M

See Rule 47 (1)

## APPLICATION FOR RENEWAL OF CERTIFICATE OF COMPETENCY

(A)

Name of applicant : .....

Grade of former Certificate : ..... No. ....

Date of Birth : .....

Identification marks : .....

(B)

## PARTICULARS OF LAST SERVICE

Name of last ship	Port of Registry & Official No.	Rank	Description of voyage			
			From	To	Commenced	Ended

## SERVICE ON SOME OTHER VESSELS IN WHICH APPLICANT HAS SERVED BEFORE AND AFTER OBTAINING THE CERTIFICATE NOW LOST

Name of ship	Port of Registry & Official No.	Rank	Description of voyage			
			From	To	Commenced	Ended

(C)

## DECLARATION OF APPLICANT

I ..... of ..... do hereby declare,

- \* (i) That my Certificate of Competency as ..... No. ....  
was lost/destroyed at .....
- (ii) That the statements made above are correct and true to the best of my knowledge and belief.

Applicant's Signature

Declared and subscribed at ..... this ..... day .....  
of ..... 19..... before me.

Principal Officer  
Mercantile Marine Department  
..... District

\*Give full details supported by documents like Police reports, newspaper advertisements etc.

(D)

## DESTINATION OF CERTIFICATE

I wish the renewed Certificate to be issued to me at the port of .....

Applicant's Signature

(E)

## ENDORSEMENT BY THE MERCANTILE MARINE OFFICE

No.

Forwarded to the Directorate General of Shipping, Bombay. It is recommended that a fee of Rs .....  
may be charged.

Dated.....

the.....19 ..

PRINCIPAL OFFICER  
 MERCANTILE MARINE DEPARTMENT  
 .....DISTRICT

(F)

## DIRECTION BY THE CHIEF EXAMINER

The Certificate is enclosed the Fee to be charged is.....  
 Dated Bombay, this.....day.....19.....

To  
 The Principal Officer  
 Mercantile Marine Department,  
 .....District

CHIEF EXAMINER

(G)

## NOTE BY MERCANTILE MARINE OFFICE

CERTIFICATE issued and the fee of.....received this.....  
 day of.....19.....

PRINCIPAL OFFICER  
 MERCANTILE MARINE DEPARTMENT  
 .....DISTRICT

Note : This form is to be returned to the Chief Examiner.



